शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 124 | गुवाहाटी | गुरुवार, 30 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पुलिस महानिदेशक के समक्ष चार अल्फा (स्व) कैडर का आत्म-समर्पण पेज 3
नौसेना दिवस पर पश्चिमी समुद्र तट पर सिंधुदुर्ग किले में होगा ऑपरेशनल डेमो पेज 4
डबल इंजन की सरकार केवल बोलती ही नहीं है, करके भी दिखाती है : योगी पेज 5
मुख्यमंत्री गहलोत की ओर से लागू की गई गारंटियों पर जनता ने कांग्रेस... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कर्म न करने से, कर्म करना श्रेष्ठ है।

– श्रीमद् भागवत गीता

पौधारोपण में असम को नौ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

गुवाहाटी। असम को सितंबर-अक्तूबर में एक मेगा पौधारोपण अभियान के लिए बुधवार को नौ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स प्रमाणपत्र प्राप्त हुए, राज्य सरकार के अधिकारियों ने आज जानकारी दी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि राज्य के *अमृत बृक्ष आंदोलन* के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के निर्णायक स्वप्निल डांगरीकर से प्रमाण पत्र प्राप्त किया। अभियान के हिस्से के रूप में, 17 सितंबर को एक ही दिन में राज्य भर में व्यावसायिक रूप से मूल्यवान वृक्ष प्रजातियों के कुल 1,11,17,781 पौधे लगाए गए। स्वयं सहायता समूहों, आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों, पुलिस कर्मियों, चाय बागान श्रमिकों, सरकारी अधिकारियों और अन्य नागरिकों की भागीदारी के माध्यम से *जनभागीदारी* मॉडल में किया गया था। मुख्यमंत्री ने प्रमाण प्राप्त करते हुए कहा कि अमृत बृक्ष आंदोलन जनभागीदारी के कारण ही सफल हुआ है। नागरिकों और सरकारी पदाधिकारियों दोनों के सामूहिक प्रयासों ने असंभव को संभव में बदल दिया है। पहली श्रेणी में पॉटेड पौधों की सबसे लंबी कतार, जो कामरूप पूर्व वन विभाग द्वारा गुवाहाटी के वेटरनरी कॉलेज फील्ड में रिकॉर्ड बनाया गया था और 3,22,444 पॉली पॉटेड पौधों की 22.22 किमी लंबी लाइन को प्रकाश व्यवस्था के साथ किया गया था। दूसरी श्रेणी में, यानी 24 घंटे में एक स्थान पर वितरित किए गए पौधों की सबसे बड़ी संख्या में, रिकॉर्ड तब बनाया गया जब वेटरनरी कॉलेज फील्ड में सर्पिल रूप में व्यवस्थित पौधे वितरित किए गए। कुल 3,22,444 पौधे -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : यूएनएलएफ ने डाले हथियार, शांति समझौते पर हस्ताक्षर

इंफाल। पूर्वोत्तर में स्थायी शांति स्थापित करने के मोदी सरकार के अथक प्रयासों ने आज नई दिल्ली में यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे पूर्ति का एक नया अध्याय जुड़ गया है। उन्होंने आगे लिखा कि यूएनएलएफ, मणिपुर का सबसे पुराना घाटी-आधारित सशस्त्र समूह हिंसा छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने के लिए सहमत हो गया है। गृह मंत्री ने कहा कि मैं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनका स्वागत करता हूं और शांति और प्रगति के पथ पर उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं देता हूं। गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा कई अन्य -शेष पृष्ठ दो पर

मैतेई उग्रवादी संगठनों पर कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मणिपुर में संचालित मैतेई उग्रवादी समूहों पर प्रतिबंध बढ़ाने के फैसले पर विचार करने के लिए न्यायाधिकरण का गठन किया है। खबरों के अनुसार, गृह मंत्रालय ने गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) न्यायाधिकरण का गठन किया है। गौहाटी हाई कोर्ट के न्यायाधीश संजय कुमार मेधी की सदस्यता में न्यायाधिकरण का गठन किया गया है। न्यायाधिकरण यह फैसला करेगा कि मणिपुर के मैतेई उग्रवादी संगठनों के साथ-साथ उनके गुटों, विंग और फ्रंट संगठनों को गैरकानूनी घोषित -शेष पृष्ठ दो पर

अब आनंदराम बरुवा पुरस्कार में होगा परिवर्तन : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि अगले साल से आनंदराम बरुवा पुरस्कार में परिवर्तन किया जाएगा। अब आनंदराम बरुवा पुरस्कार के बदले आनंद राम बरुवा वृत्ति छात्रों को दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम मध्यमिक शिक्षा परिषद और असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद को एक करके असम राज्य शिक्षा परिषद बना दिया जाएगा। अब मैट्रिक परीक्षा को अधिक महत्व देने के बदले उच्चतर -शेष पृष्ठ दो पर

27 हजार छात्रों को आनंदराम बरुवा पुरस्कार : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार ने आज गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित एक समारोह के दौरान 27,183 छात्रों को आनंदराम बरुवा पुरस्कार प्रदान किया। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा गुवाहाटी में श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में समारोह के दौरान छात्रों को चैक देकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। पुरस्कार वितरण समारोह आज अन्य जिलों में भी एक साथ आयोजित किया जा रहा है। यह पुरस्कार आज सुबह 10.30 बजे डिब्रूगढ़ जिला पुस्तकालय सभागार में आवास और शहरी मामलों और सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल की उपस्थिति में मेधावी छात्रों को प्रदान किया गया। मंत्री की उपस्थिति में 30 नवंबर को सुबह 10.30 बजे डिब्रूगढ़ जिला पुस्तकालय सभागार में मेधावी छात्रों को डॉ. बानिकांत काकोती मेरिट पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। असम सरकार न्यूनतम 75 फीसदी अंक प्राप्त करने वाले एचएसएलसी के मेधावी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बराक डेमोक्रेटिक फ्रंट का अलग राज्य की मांग

नई दिल्ली। असम में बराक घाटी के एक सामाजिक राजनीतिक संगठन, बराक डेमोक्रेटिक फ्रंट (बीडीएफ) ने बुधवार को एक नए राज्य *पूर्वांचल* के निर्माण की अपनी मांग दोहराई। बराक घाटी में पूर्वोत्तर राज्य के तीन जिले कछार, करीमगंज और हैलाकांदी शामिल हैं। यहां बांग्लाभाषी आबादी बहुसंख्यक है। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, बीडीएफ के मुख्य संयोजक प्रदीप दत्त रॉय ने कहा कि बराक घाटी के लिए राज्य का दर्जा एक लंबे समय से चली आ रही मांग है। बराक घाटी के लोग बहुत परेशान हैं... हम इतनी समस्याओं का

चीन में फिर पैदा हुआ सांसों का संकट, देश के कई राज्य अलर्ट

नई दिल्ली। कुछ समय पहले ही दुनिया ने कोरोना महामारी से निजात पाई थी लेकिन अब एक बार फिरस से पड़ोसी देश चीन में नई बीमारी ने दस्तक दे दी है। चीन में फैल रही इस रहस्यमयी बीमारी ने बच्चों को अपनी जद में लेना शुरू कर दिया है। चीन की इस बीमारी को लेकर डब्ल्यूएचओ भी सख्त हो गया है और इस बीमारी को लेकर पूरी नजर रख रहा है। चीन में फैल रही नई बीमारी का नाम प्यूमोनिया बताया जा रहा है। इस नए संक्रमण के कारण चीन के अस्पतालों में बच्चों की संख्या में लगातार इजाफा दिखाई दे रहा है। इस नए वायरस को रहस्यमयी निमोनिया वायरस इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि इसके कुछ लक्षण आम निमोनिया से मिलते-जुलते हैं और कुछ अलग -शेष पृष्ठ दो पर

तेलंगाना में मतदान आज

हैदराबाद। युवा राज्य तेलंगाना में गुरुवार को मतदान होगा। मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव कांग्रेस से कड़ी टक्कर के बीच तीसरे कार्यकाल की उम्मीद कर रहे हैं। भारत संघ का सबसे युवा राज्य उत्तर पश्चिम आंध्र प्रदेश से अलग होकर देश का 29वां राज्य बना और तब से इस पर बीआरएस का शासन है। भारत राष्ट्र समिति का मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा से है। दोनों दल राज्य में अपनी पूरी ताकत लगा रही हैं। 119 सदस्यीय राज्य विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। राज्य भर में 35,655 मतदान केंद्र बनाए गए हैं जहां कुल पंजीकृत 3.26 करोड़ मतदाता हैं। सुचारू और व्यवस्थित मतदान सुनिश्चित करने के लिए अर्धसैनिक बलों और 35,500 होम गार्ड सहित 45,000 से अधिक सुरक्षा कर्मियों को तैनात करके -शेष पृष्ठ दो पर

रेलवे का खाना खाकर 90 यात्री बीमार

पुणे। चेन्नई से पुणे तक भारत गौरव ट्रेन में यात्रा कर रहे 90 यात्री फूड पॉइजनिंग से पीड़ित हो गए, जिसके कारण उन्हें पुणे के ससून अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। खबर है कि सभी यात्रियों की हालत अब स्थिर है। चेन्नई से पुणे की यात्रा के बीच में, भारत गौरव ट्रेन के यात्री अचानक से बीमार पड़ गए। सभी में फूड पॉइजनिंग के लक्षण देखे गए। रेल मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, एक निजी कंपनी इस सेवा का संचालन कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करेगा। रेलवे अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि मंगलवार शाम को महाराष्ट्र के पुणे रेलवे स्टेशन पर डॉक्टरों ने सभी यात्रियों को आवश्यक उपचार प्रदान किया। बता दें कि ट्रेन 50 मिनट की देरी के बाद फिर से यात्रा के लिए रवाना -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए को लागू होने से कोई नहीं रोक सकता : अमित शाह

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पुरजोर शब्दों में कहा कि केंद्र सरकार संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) लागू करेगी और कोई इसे नहीं रोक सकता। शाह ने पार्टी के लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए यहां एक बड़ी रैली को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने तुष्टीकरण, घुसपैठ, भ्रष्टाचार और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दों पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने राज्य को *बर्बाद* कर दिया है। शाह ने कहा कि घुसपैठ को समर्थन देने के कारण ममता बनर्जी सीएए का विरोध कर रही हैं। भाजपा नेता ने कहा कि इतनी अधिक घुसपैठ वाले राज्य में विकास नहीं हो सकता। उन्होंने लोगों से राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने तथा अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा को चुनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्य में भाजपा का प्रदर्शन विधानसभा चुनावों में उसकी जीत की नींव तैयार करेगा। शाह ने लोगों से कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को इतनी सीटें दीजिए कि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

केंद्र सरकार ने आम जनता को दी बड़ी राहत

पांच साल के लिए बढ़ी मुफ्त राशन योजना

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को एक जनवरी 2024 से और पांच साल के लिए बढ़ाए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस योजना के अंतर्गत देश में करीब 81 करोड़ गरीबों को पांच किलोग्राम अनाज प्रतिमाह निशुल्क दिया जाता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश के गरीबों का कल्याण हमेशा से प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता रही है और मोदी सरकार ने गरीब कल्याण के मंत्र को जमीन पर चरितार्थ करके दिखाया है। केंद्रीय कैबिनेट द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले 5 वर्ष तक जारी रखने के लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी को हृदय से धन्यवाद देता हूं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा कहा कि *गरीब कल्याण* को समर्पित इस महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत 81.35 करोड़ लाभार्थियों को पांच साल मुफ्त राशन प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के जरूरतमंद लोगों को खाद्य एवं पोषण सुनिश्चित कराने वाले इस संवेदनशील निर्णय के लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी का आभार प्रकट करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस निर्णय से 81.35 करोड़ लाभार्थियों को पांच वर्षों तक मुफ्त राशन की व्यवस्था करके देश के जरूरतमंद लोगों की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित कर दी गई है। गरीब कल्याण को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने जो यह निर्णय लिया है, उसके लिए उनका अभिनंदन एवं आभार! केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के इस कदम से समाज के वंचित और कमजोर वर्गों का सशक्तीकरण होगा। अगले पांच वर्षों में योजना पर करीब 11.8 लाख करोड़ रुपए का खर्च आएगा।

शिक्षक स्कूलों में स्वच्छ परिवेश का निर्माण करें : जयंतमल्ल

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री जयंतमल्ल बरुवा ने आज कहा कि शिक्षकों को अपने स्कूलों में एक सुंदर परिवेश तैयार करना चाहिए, ताकि बच्चों का मानसिक विकास हो सके। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब स्कूलों में बांस से निर्मित मामूली घर हुआ करता था, लेकिन परिसर में बागवानी अवश्य होती थी। आज स्कूलों में बड़े-बड़े भवन तो बन गए हैं, लेकिन उनमें कहीं बागवानी की व्यवस्था नहीं देखी जाती है। मंत्री आज आनंदराम बरुवा पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब स्कूलों में इंस्पेक्टर के आने के दिन स्कूल के हेड मास्टर से लेकर सभी आतंकित रहते थे। लेकिन, आज वह परिवेश नहीं है, क्योंकि स्कूल इंस्पेक्टरों के साथ शिक्षकों का लेनदेन का संबंध होता है। मंत्री ने अभिभावकों से कहा कि वे छात्रों को स्कूल तक लाने और वहां से वापस ले जाने का अपना कर्तव्य नहीं छोड़े। उन्होंने कहा कि निजी स्कूलों के सामने अभिभावकों की भीड़ लगी होती है, लेकिन सरकारी स्कूलों के बच्चों के एक भी अभिभावक बच्चों को स्कूल छोड़ने नहीं जाते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य निर्माण के प्रति शिक्षकों और अभिभावकों को पूरी तरह से सचेस्ट रहना चाहिए। शिक्षक और अभिभावक आज यहां से यह संदेश लेकर जाएं कि उन्हें बच्चों की शिक्षा और उनके संस्कार के प्रति पूरा सचेस्ट रहना होगा।

फातिमा बनी राजस्थान की अंजू लौटी भारत

अमृतसर। पाकिस्तान में फातिमा बनी राजस्थान की अंजू चार माह बाद बुधवार को भारत लौट आई। अंजू को उसका पति नसरुल्ला पाकिस्तान स्थित वाघा बॉर्डर पर छोड़ने आया। इसी वर्ष 21 जुलाई को राजस्थान के जिला अलवर से वीजा लेकर पाकिस्तान गई थी। उसने 25 जुलाई को ही पाकिस्तान में नसरुल्ला से विवाह किया। इसके बाद अंजू फातिमा बन गई। जबकि राजस्थान में अंजू का भारतीय पति अरविंद और बच्चे यह सुनकर स्तब्ध रह गए। अटारी सीमा पर पहुंची अंजू ने कहा कि वह अपने बच्चों से मिलने आई है। दरअसल, अंजू व नसरुल्ला की दोस्ती चार वर्ष पूर्व इंटरनेट मीडिया के माध्यम से हुई थी। दोनों ने विवाह पर सहमति व्यक्त की। इसी वर्ष 21 जुलाई को अंजू घर से निकली और पाकिस्तान पहुंच गई। इधर, अंजू के भारतीय पति अरविंद ने उसके खिलाफ अलवर के थाना में एफआईआर दर्ज करवाई थी।

केरिपुब का सिविक एक्शन प्रोग्राम संपन्न

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले के कुकुरमारी ढालीगांव में स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुब) की 156वीं बटालियन द्वारा आज सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत हाथीपोता अंचलिक हाई स्कूल में 02 क्लास रूम में टाईल्स लगाने का कार्य किया गया। ओमकार नाथ सिंह कमांडेंट 156वीं बटालियन के द्वारा नए टाइल्स लगाए गए क्लास रूम का उद्घाटन किया गया। इस दौरान हाथीपोता अंचलिक हाई स्कूल के प्राचार्य नरूल इस्लाम एवं अन्य स्कूल स्टाफ के साथ-साथ 156वीं बटालियन केरिपुबल के अधिकारी जवान तथा स्कूल के छात्र-छात्राएं आदि मौजूद रहे।

बदला लेने के लिए की गई हत्या मामले में सात गिरफ्तार

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के ईस्ट कामेंग जिला के सेप्पा पुलिस ने बदला लेने के लिए की गई हत्या के मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया और हथियार भी बरामद किया है। सभी आरोपियों की पहचान बयाते ताना, ताजे ताना, यांगु ताना, माया सांगचोजू, अतम ताना, ताजिक नबाम के रूप में की गई। सातों ने योजना बनाकर देवा ताकू की हत्या कर दी। बीते 30 अक्तूबर को पुलिस को फॉरेस्ट कॉलोनी, सेप्पा में सड़क किनारे एक अज्ञात शव मिला था। सेप्पा पुलिस थाने में धारा 106/23 यू/एस 302/201 आईपीसी के तहत संदिग्ध हत्या का मामला दर्ज करने के बाद ईस्ट कामेंग जिला पुलिस अधीक्षक कामदाम सिकोम की देखरेख में सेप्पा पुलिस के विशेष जांच दल द्वारा जांच शुरू की गई। बाद में मृतक की पहचान उसकी मां और छोटे भाई ने देवा ताकू के रूप में की थी। पता चला कि मृतक एक माह पहले ही हत्या के आरोप से मुक्त होकर जेल से छूटा था। देवा ताकू ने बीते 22/06/23 को पाक्के केसांग जिला में एक मुक्केबाजी कक्षा के दौरान गलती से पॉलिन गांव के ताजे ताना के बेटे टोकपर ताना को घातक चोटें पहुंचाई थीं जिसके चलते टोकपर ताना की मौत हो गई थी। पाक्के केसांग पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था और मृतक को हाल ही में मामले से मुक्त कर जेल से रिहा किया गया था। पुलिस दल ने उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज और मृतक के मोबाइल फोन का तकनीकी विश्लेषण किया। इससे पाक्के केसांग जिले के पॉलिन गांव के जानू अताम ताना की पत्नी माया सांगचोजू की खोज हुई, जो टोकपर ताना के चाचा हैं। आगे की जांच में देवा ताकू की हत्या का बदला लेने के लिए टोकपर ताना के परिवार के अन्य सदस्यों की संलिप्तता का खुलासा हुआ। सभी आरोपियों को राज्य के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए कुछ लोगों से पूछताछ के दौरान पता चला कि जानू अताम ताना और उसकी पत्नी माया सांगचोजू 5 दिनों तक दोईमुख में जेम्स ताना के घर पर रहने के बाद दिल्ली चले गए थे। बाद की जांच से पता चला कि दोनों हैदराबाद में थे। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बीते 25 नवंबर को दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा, जानू ताना ने खुलासा किया कि उसने अपनी पत्नी का इस्तेमाल किया और अपने मृत भाई का बदला लेने के लिए सेप्पा में लगभग दो महीने तक इंतजार किया। वहीं पुलिस ने बताया कि, गिरफ्तार किए गए सभी सात आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है, और अन्य प्रासंगिक सामग्रियों के साथ मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में अपराध के लिए इस्तेमाल हथियार को भी बरामद कर लिया गया है।

मौत के डर से म्यांमार सैनिकों का मिजोरम में फिर प्रवेश

एजल (हिंस)। म्यांमार में गृह युद्ध जैसे हालात के बीच हथियारों से लैस म्यांमार के 31 सैनिक अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में घुस आए। मिजोरम पुलिस ने बुधवार बताया कि मिजोरम में घुसे म्यांमार के इन सैन्यकर्मियों को अपनी हिरासत में ले लिया है और असम राइफल्स ने हथियार भी जब्त कर लिए हैं। सूत्रों के अनुसार, मिजोरम में भारत-म्यांमार सीमा पर जारी गतिरोध के बीच भारी मात्रा में हथियारों से लैस म्यांमार सेना के 30 जवान मिजोरम के सियाह जिले में घुस गए। इसके बाद असम राइफल्स ने उन्हें अपनी हिरासत में ले लिया।

पृष्ठ एक का शेष

पौधारोपण में असम...

वितरित किए गए। तीसरी श्रेणी में, यानी 24 घंटों में एक टीम द्वारा लगाए गए सबसे अधिक पेड़, एक रिकॉर्ड बनाया गया जब उदालगुड़ी जिले के भैरबकुंड रिजर्व वन में 100 हेक्टेयर खराब वन भूमि में 9,21,730 पौधे सफलतापूर्वक लगाए गए। चौथी श्रेणी, यानी एक टीम द्वारा एक घंटे में लगाए गए सबसे अधिक पेड़, में एक रिकॉर्ड तब बना जब 8,900 व्यक्तियों की एक टीम द्वारा एक घंटे में कुल 3,31,929 पौधे सफलतापूर्वक लगाए गए। पांचवीं श्रेणी में, जो कि सबसे बड़ा पॉटेड सैपलिंग्स मोजेक है, रिकॉर्ड तिनसुकिया जिले में डिगबोई वन प्रभाग द्वारा हासिल किया गया था जब 8,563.01 वर्ग मीटर में पॉटेड सैपलिंग्स मोजेक बनाया गया था, जिसमें असम का नक्शा दर्शाया गया था और मोजेक के केंद्र में गैंडा दिखाया गया था। इस मोजेक को बनाने में कुल 6,32,000 पौधों का उपयोग किया गया था। छठी श्रेणी में, शिवसागर जिले के गेलेकी में रिकॉर्ड बनाया गया जब कुल 1,229 छात्राओं ने केवल 58 सेकंड में एक साथ 1,229 अगर के पौधे लगाए। सातवीं श्रेणी में, रिकॉर्ड तब बना जब 11 सितंबर को असम के प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन बल के प्रमुख द्वारा पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता पर एक पाठ ऑनलाइन दिया गया था, जिसे 70,490 लोगों ने देखा और बाद में 10 लाख से अधिक लोगों ने देखा। आठवीं श्रेणी में, एक रिकॉर्ड तब बना जब पेड़ लगाते लोगों की कुल 71,82,358 तस्वीरें *अमृत बृख्य आंदोलन* पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड की गईं। नौवीं श्रेणी में, यानी एक महीने में (ऑनलाइन) पर्यावरणीय स्थिरता अभियान के लिए प्राप्त सबसे अधिक संकल्प, कुल मिलाकर 47,28,898 ऑनलाइन संकल्प पेड़ लगाने और उनकी रक्षा करने के लिए ली गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनों के माध्यम से राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए *अमृत विकास आंदोलन* शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि पारिस्थितिकी के अनुरूप अर्थव्यवस्था प्राथमिकताओं में से एक है और इस अभ्यास के माध्यम से, राज्य सरकार हरित अर्थव्यवस्था की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि 2024 और 2025 में राज्य सरकार क्रमश: तीन करोड़ और पांच करोड़ पौधे लगाने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि 2025 हम 25,000 बिहूआ और बिहूवती की भागीदारी के साथ नई दिल्ली में बिहू नृत्य का मंचन करके एक और रिकॉर्ड बनाने का भी प्रयास करेंगे। इस साल 14 अप्रैल को, 11,304 से अधिक बिहूवती और ढोल वादकों के साथ, बिहू ने एक ही स्थान पर बिहू नृत्य के सबसे बड़े गायन और बिहू ढोल बजाने की श्रेणी में दो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए।

मणिपुर : यूएनएलएफ ने ...

चरमपंथी संगठनों के साथ यूएनएलएफ पर प्रतिबंध लगाए जाने के कुछ दिनों बाद शांति समझौता हुआ। यह निर्णय तब लिया गया जब केंद्र को लगा कि ये संगठन मणिपुर में सुरक्षा बलों, पुलिस और नागरिकों पर हमलों और हत्याओं के साथ-साथ भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए हानिकारक गतिविधियों में शामिल हैं। 24 नवंबर, 1964 को एरियाबम समरेंद्र सिंह के नेतृत्व में स्थापित, यूएनएलएफ उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर में सबसे पुराना मैतेई विद्रोही समूह है। 70 और 80 के दशक में, समूह ने मुख्य रूप से लामबंदी और भर्ती पर ध्यान केंद्रित किया। 1990 में, इसने भारत से मणिपुर की *मुक्ति* के लिए एक सशस्त्र संघर्ष शुरू करने का निर्णय लिया। उसी वर्ष, इसने मणिपुर पीपुल्स आर्मी (एमपीए) नामक एक सशस्त्र विंग का गठन किया।

मैतेई उग्रवादी संगठनों...

करने के लिए पर्याप्त कारण हैं या नहीं। गृह मंत्रालय ने 28 नवंबर को देर रात एक अधिसूचना जारी कर इस बात की जानकारी दी है। मंत्रालय द्वारा यह फैसला 15 दिन बाद लिया गया है। इससे पहले गृह मंत्रालय ने देश विरोधी गतिविधियों और सुरक्षा बलों पर घातक हमले करने के लिए मैतेई उग्रवादी समूहों और उनके सहयोगी संगठनों पर प्रतिबंध बढ़ा दिया था। मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम, 1967 की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केंद्र सरकार ने गौहाटी हाई कोर्ट के न्यायाधीश संजय कुमार मेधी की सदस्यता में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) न्यायाधिकरण का गठन किया है। अधिसूचना के अनुसार, न्यायाधिकरण यह फैसला करेगा कि मणिपुर के मैतेई उग्रवादी संगठनों के साथ-साथ उनके गुटों, विंग और फ्रंट संगठनों को गैरकानूनी घोषित करने के लिए पर्याप्त कारण हैं या नहीं। बता दें कि मणिपुर में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी बड़े लेवल पर सक्रिय हैं। इसमें रिवॉल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट, यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट शामिल हैं। इसके अलावा इसकी सशस्त्र शाखा मणिपुर पीपुल्स आर्मी, पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कंगलीपाक और सशस्त्र संगठन के साथ समन्वय समिति भी शामिल है।

अब आनंदराम बरुवा ...

माध्यमिक यानी 12वीं कक्षा के परीक्षा को अंतिम परीक्षा मानी जाएगी। इस परीक्षा के पास करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग या मेडिकल में दाखिला ले सकेंगे। अब स्कूलों के रिजल्ट का मूल्यांकन भी 12वीं कक्षा की परीक्षा के साथ ही इसके छात्रों के इंजीनियरिंग मेडिकल आदि में नामांकन के आधार पर की जाएगी। वहीं, मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अब पांचवी कक्षा के स्तर पर 10 हजार छात्रों को स्कॉलरशिप दी जाएगी। वहीं, आठवीं कक्षा के स्तर पर और 10 हजार छात्रों को एवं मैट्रिक कक्षा के स्तर पर अन्य 10 हजार छात्रों को स्कॉलरशिप दी जाएगी। इस प्रकार कुल मिलाकर प्रत्येक वर्ष 30 हजार छात्रों को आनंदराम बरुवा वृत्ति दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत होगी।

27 हजार छात्रों ...

छात्रों को आनंदोरम बरुवा पुरस्कार प्रदान करती है। इस वर्ष, राज्य के 27,183 छात्रों को उनके संबंधित खातों में डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 15 हजार रुपए की राशि दी गई। डॉ. बानिकांत काकोती पुरस्कार के तहत, राज्य के उन 35 हजार 775 प्रतिभाशाली छात्रों को स्कूटर वितरित किए जाएंगे जिन्होंने 12वीं कक्षा की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। असम हायर सेकेंडरी एजुकेशन काउंसिल (एएचएसईसी) द्वारा हाल ही में आयोजित 12वीं कक्षा की परीक्षा में, 75 प्रतिशत और उससे अधिक अंक हासिल करने वाले 5,566 लड़कों के साथ-साथ 60 प्रतिशत और उससे अधिक अंक हासिल करने वाली 30,209 लड़कियों को स्कूटर दी जाएगी। वहीं मुख्यमंत्री ने कहा है की आनंदराम बरुवा पुरस्कार से अब तक असम के चार लाख 13 हजार चार सौ छात्र-छात्रा उपकृत हुए हैं। उन्होंने कहा कि सन् 2005 में यह पुरस्कार इसलिए शुरू किया गया था, ताकि आनंदराम बरुवा जैसी हस्ती के बारे में हमारे छात्रों को जानकारी हो सके और उनसे प्रेरणा लेकर हमारे छात्र आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी अन्य योजना इतने लंबे समय तक नहीं चलती है। समय के साथ उसकी प्रासंगिकता समाप्त हो जाती है या तो उसमें कुछ नयापन आता है। लेकिन, आनंद राम बरुवा पुरस्कार योजना 2005 से आज तक लगातार चल रही है। इसके तहत 75 फीसदी अंक के साथ मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को 15 हजार रुपए की पुरस्कार लैपटॉप आदि खरीदने के लिए दी जाती है। मुख्यमंत्री आज राजधानी के पंजाबारी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कला क्षेत्र में आयोजित आनंदराम बरुवा पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्रीश्री स्कूल योजना के बारे में भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आनेवाले समय के हिसाब से स्कूलों को विकसित करना प्रधानमंत्रीश्री योजना का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए स्कूलों को नई पीढ़ी की नई सोच और नई तकनीकी के अनुरूप विकसित किया जाएगा। कक्षा में शिक्षक द्वारा ब्लैक बोर्ड के समक्ष खड़े होकर 45 मिनट समझाने के बदले छात्रों के साथ विचारों के आदान-प्रदान को अधिक जोर दिया जाएगा, ताकि छात्रों को शिक्षा और विषयों के महत्व के बारे में पता चल सके। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने इस योजना पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला।

चीन में फिर पैदा...

भी हैं। दरअसल, अगर निमोनिया की बात करें तो उसमें पीड़ित बच्चों को बलगम वाली खांसी, तेज बुखार और फेफड़ों में सूजन की शिकायत होती है। वहीं, दूसरी ओर चीन के इस रहस्यमयी निमोनिया में बच्चों को बिना बलगम वाली खांसी के साथ ही तेज बुखार और फेफड़ों में सूजन की शिकायत हो रही है। चीन में विशेषकर बच्चों में सांस संबंधी बीमारियों में हो रही तेजी से बढ़ोतरी के मद्देनजर केंद्र सरकार ने तैयारियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। केंद्र सरकार से मिले निर्देश के बाद राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड, कर्नाटक और तमिलनाडु सहित पांच राज्यों ने अपने स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को अलर्ट पर रखा है। कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग ने भी नागरिकों को बीमारियों के संबंध में मौसमी फ्लू के प्रति सचेत रहने के लिए एक सलाह जारी की है। इसके अनुसार, मौसमी फ्लू एक संक्रामक बीमारी है जो आम तौर पर पांच से सात दिनों तक रहती है और अपनी कम रुग्णता और मृत्यु दर के लिए जानी जाती है। हालांकि, यह बीमारी शिशुओं, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, कमजोर इम्यूनिटी सिस्टम वाले लोगों और स्टेरॉयड जैसी दीर्घकालिक दवाएं लेने वाले लोगों के लिए अधिक जोखिम पैदा करता है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो सकती है। इन लक्षणों में बुखार, ठंड लगना, अस्वस्थता, भूख न लगना, मायलगिया, मतली, छींकें और सूखी खांसी शामिल हैं जो उच्च जोखिम वाले समूहों में तीन सप्ताह तक रह सकती हैं। चीन में फैल रही रहस्यमयी बीमारी को लेकर भारत के कई राज्य सतर्क हो चुके हैं। इसी क्रम में राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने अपने कर्मचारियों को सतर्क रहने और त्वरित प्रतिक्रिया दल बनाने की सलाह दी। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने अपनी एडवाइजरी में संबंधित अधिकारियों से बीमारी की रोकथाम और उपचार के लिए एक कार्य योजना तैयार करने को कहा है। राजस्थान स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्थिति फिलहाल चिंताजनक नहीं है, लेकिन चिकित्सा कर्मचारियों को राज्य भर में संक्रामक रोगों की निगरानी और रोकथाम के लिए पूरी सतर्कता के साथ काम करना चाहिए। सिंह ने अधिकारियों को इस बीमारी की रोकथाम और उपचार के लिए तीन दिन में कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला एवं मेडिकल कॉलेज स्तर पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने तथा संभाग एवं जिला स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया दल गठित करने को कहा। उत्तराखंड के स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने मेडिकल टीमों से बच्चों में निमोनिया और इन्फ्लूएंजा के लक्षणों पर नजर रखने को कहा है। उत्तराखंड में अभी तक इस तरह का कोई मामला नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी जिलों को भी अस्पतालों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। कहा गया है कि अस्पतालों में आइसोलेशन बेड, वार्ड, आक्सीजन बेड, आइसीयू बेड, वेंटिलेटर, आक्सीजन सिलिंडर की पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था रखी जाए। चिकित्सकों के साथ नर्सिंग स्टाफ की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर ली जाए। नाक और गले की जांच के सैंपल को नजदीकी मेडिकल कालेज में भेजा जाए। समुदाय स्तर पर यदि कहीं भी परेशानी सामने आती हैं, तो तत्काल जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। तत्काल नियंत्रण, रोकथाम की कार्यवाही की जाए। स्वास्थ्य सचिव के निर्देश पर दून मेडिकल कालेज चिकित्सालय भी अलर्ट मोड पर आ गया है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुराग अग्रवाल ने बताया कि इस संबंध में बाल रोग विभाग से बात कर ली गई है। अस्पताल में जांच और बेड बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। बच्चों में निमोनिया वाले मामले में विशेष सुरक्षा और देखभाल के तौर पर इलाज करने को कहा गया है। कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने चीन में बच्चों में सांस संबंधी बीमारियों में वृद्धि की खबरों के बाद पूरे राज्य में अपने स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे को अलर्ट पर रखा है। कर्नाटक सरकार ने यह फैसला केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों के बाद लिया है। केंद्र सरकार ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी की थी, जिसमें उनसे कहा गया था कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और अस्पताल की तैयारियों की तत्काल समीक्षा करें। कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को मौसमी फ्लू वायरस से सावधान रहने के लिए एक सलाह जारी की है। एडवाइजरी में मौसमी फ्लू को लेकर चिंता जताई गई है। बता दें कि मौसमी फ्लू एक संक्रामक बीमारी है, जो आमतौर पर पांच से सात दिनों तक रहती है। गुजरात सरकार ने भी एक सर्कुलर जारी किया है, जिसमें सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रहने का आदेश दिया गया है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर राकेश जोशी ने कहा कि चीन में फैल रहे रहस्यमय वायरस को ध्यान में रखते हुए सरकारी अस्पतालों ने एक बार फिर तैयारी शुरू कर दी है। तमिलनाडु के सार्वजनिक स्वास्थ्य और निवारक चिकित्सा निदेशक ने स्वास्थ्य विभाग को राज्य में श्वसन संबंधी बीमारियों की निगरानी बढ़ाने के लिए सचेत किया है। रोग निगरानी बढ़ाने के अलावा, स्वास्थ्य विभाग को रोगियों के प्रबंधन के लिए सुविधाओं को मजबूत करने के लिए भी कहा गया है। निजी सुविधाओं सहित मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों से आईडीएसपी-आईएचआईपी पोर्टल में गंभीर सांस बीमारी या इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी के मामलों की रिपोर्ट करने का अनुरोध किया गया है। यह घटनाक्रम केंद्र द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक सलाह जारी करने के बाद आया है, जिसमें उनसे सार्वजनिक स्वास्थ्य और अस्पताल की तैयारियों के उपायों की तुरंत समीक्षा करने का आग्रह किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को अपनी एडवाइजरी में कहा कि फिलहाल स्थिति उतनी चिंताजनक नहीं है, वह इस पर करीब से नजर रख रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने भी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिखकर सार्वजनिक स्वास्थ्य और अस्पताल तैयारी उपायों की तुरंत समीक्षा करने की सलाह दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के पत्र में कहा गया है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस साल की शुरुआत में साझा किए गए *कोविड के संदर्भ में संशोधित निगरानी रणनीति के लिए परिचालन दिशानिर्देश* को लागू करने की सलाह दी गई है। चीन में तेजी से फैल रही सांस संबंधी बीमार को लेकर डब्ल्यूएचओ अलर्ट मोड पर है। इस वायरस को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सभी देशों के लिए गाइडलाइन भी जारी कर दी है। सभी देशों ने इन गाइडलाइन्स को देखते हुए अपने-अपने देशों में तैयारियां शुरू कर दी हैं।

रेलवे का खाना ...

हुई। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवराज मानसपुरे ने कहा कि *भारत गौरव* ट्रेन को एक समूह द्वारा गुजरात के पालीताना में एक धार्मिक समारोह के लिए निजी तौर पर बुक किया गया था। उन्होंने कहा कि समूह ने प्राइवेट कंपनी से भोजन खरीदा था और इसकी आपूर्ति रेलवे या भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि यात्रियों द्वारा खाया गया खाना पेंट्री कार में तैयार किया गया था। सोलापुर और पुणे के बीच एक कोच के करीब 80 से 90 यात्रियों ने फूड पॉइजनिंग की शिकायत की। सभी यात्रियों ने मतली, दस्त और सिरदर्द की शिकायत की थी। अधिकारी ने कहा कि पुणे स्टेशन पर डॉक्टरों की एक टीम ने सभी यात्रियों की देखभाल की और उन्हें इलाज मुहैया कराया। 50 मिनट बाद ट्रेन रवाना हो गई। सभी यात्रियों की हालत स्थिर है।

तेलंगाना में मतदान...

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। चुनाव के दौरान अनियमितताओं की जांच के लिए करीब 1800 दस्ते भी तैनात किये गये हैं। मतदान समाप्ति तक शराब की बिक्री पर रोक लगा दी गयी है। 106 निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक और 13 वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। 2,290 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, उनके मंत्री-बेटे के. टी. रामाराव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी और भाजपा के लोकसभा सदस्य बी. संजय कुमार और डी अरविंद शामिल हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा नौ अक्तूबर को चुनावों की तारीख घोषित किए जाने के बाद से ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू है। तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस ने सभी 119 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं जबकि भाजपा सीट बंटवारे के समझौते के अनुसार स्वयं 111 सीटों पर लड़ रही है और शेष आठ सीटें अभिनेता पवन कल्याण की अगुवाई वाली जन सेना के लिए छोड़ी है। कांग्रेस ने अपनी सहयोगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा)को एक सीट दी है और स्वयं शेष 118 सीट पर लड़ रही है। असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) नेहैदराबाद शहर के नौ निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे हैं। बीआरएस 2014 में शुरू हुई अपनी जीत के सिलसिले को आगे भी कायम रखने को लेकर उत्सुक है जबकि कांग्रेस 2018 में और उससे चार साल पहले हारने के बाद सत्ता पर काबिज होने के लिए संघर्ष कर रही है। कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान ही तेलंगाना को अविभाजित आंध्र प्रदेश से अलग कर राज्य का दर्जा दिया गया था। इस दक्षिणी राज्य में पहली बार सत्ता में आने के लिए भाजपा भी कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मुख्यमंत्री राव दो निर्वाचन क्षेत्रों गजवेल और कामारेड्डी में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वह निवर्तमान विधान सभा में गजवेल का प्रतिनिधित्व करते हैं। कामारेड्डी और गजवेल में रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहा है। कांग्रेस ने कामारेड्डी में मुख्यमंत्री का मुकाबला करने के लिए अपने प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी को मैदान में उतारा है जबकि भाजपा उम्मीदवार वेंकट रमण रेड्डी भी मजबूत माने जा रहे हैं। गजवेल में भाजपा ने मुख्यमंत्री राव के खिलाफ अपने चुनाव अभियान अध्यक्ष एटाला राजेंद्र को मैदान में उतारा है।

सीएए को लागू ...

मोदी जी कहें कि मैं बंगाल के कारण प्रधानमंत्री बना हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस ने पिछला विधानसभा चुनाव *गड़बड़ी* करके जीता था, लेकिन भाजपा शून्य से 77 सीटों पर पहुंच गई। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के एजेंडे के अनुकूल सरकार चुनकर तृणमूल के कथित कुशासन को खत्म करने का आह्वान किया। रैली में उमड़ी भीड़ पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि यह लोगों के मन को दर्शाती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा 2026 में दो-तिहाई बहुमत के साथ राज्य की सत्ता में आएगी। विवादास्पद सीएए का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि ममता बनर्जी इसका विरोध कर रही हैं, लेकिन कोई भी इसे लागू होने से नहीं रोक सकता। शाह ऐतिहासिक एस्प्लेनेड में पार्टी की एक रैली को संबोधित कर रहे थे। यह कानून अभी अधर में है क्योंकि कानून के खिलाफ विपक्ष के कड़े रुख के बीच केंद्र सरकार ने अब तक इसके नियम नहीं बनाए हैं। संसद ने इस कानून को 2019 में मंजूरी दी थी। शाह ने कहा कि ममता बनर्जी ने घुसपैठ के मुद्दे पर एक बार संसद को ठप्प कर दिया था, लेकिन अब वह चुप हैं। उन्होंने दावा किया कि असम में भाजपा के सत्ता में आने के बाद कोई भी वहां घुसपैठ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि असम ने घुसपैठ रोकने की दिशा में सराहनीय काम किया है। लेकिन पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार की वोट बैंक की राजनीति के कारण घुसपैठ जारी है। ममता बनर्जी सीएए का विरोध कर रही हैं, लेकिन मैं साफ कह दूं कि सीएए देश में लागू किया जाएगा। कोई भी सीएए को लागू होने से नहीं रोक सकता। बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के निलंबन को लेकर ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि वह अधिकारी को चुप कराने की कोशिश कर सकती हैं लेकिन राज्य के लोगों को वह चुप नहीं करा सकतीं। उन्होंने कई बार ममता बनर्जी को *दीदी* के रूप में संदर्भित किया और कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री पद पर उनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। शाह ने ममता बनर्जी को भ्रष्टाचार के मामलों में गिरफ्तार अपने कुछ नेताओं को पार्टी से निलंबित करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ऐसा नहीं कर सकतीं क्योंकि उन्हें आशंका है कि वे लोग उनके भतीजे को फंसा सकते हैं। वह जाहिरा तौर पर सांसद अभिषेक बनर्जी का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोग तृणमूल के कट-मनी और सिंडिकेट से परेशान हो गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा में भाजपा के 212 कार्यकर्ता मारे गए हैं और लोग 2026 के विधानसभा चुनाव में अपने मतों से इन हत्याओं का बदला लेंगे। शाह ने लोगों से लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए बड़ी जीत सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भाजपा पश्चिम बंगाल में अगली सरकार बनाए। इसे हासिल करने के लिए, हमें अगले संसदीय चुनाव में राज्य से अधिकतम लोकसभा सीटें जीतनी होंगी। इस रैली में शाह के साथ राज्य के केंद्रीय मंत्री और अन्य नेता भी शामिल हुए। पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य की 42 सीटों में से 18 पर जीत हासिल की थी, जो अब तक सर्वाधिक संख्या है।

पुलिस महानिदेशक के समक्ष चार अल्फा (स्व) कैडर का आत्म-समर्पण

गुवाहाटी (हिंस)। चार प्रतिबंधित अल्फा (स्व) कैडरों और नेताओं ने बिना शर्त असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह के समक्ष आज आत्मसमर्पण किया। इन आत्मसमर्पण करने वालों में अल्फा के स्वयंभू कैप्टन बिक्रम असम उर्फ नयन पटमुट, अल्फा के स्वयंभू लेफ्टिनेंट दिपोक हातीबरुवा उर्फ दिब्य असम, अल्फा के स्वयंभू सीपीएल मोंटू मोरान उर्फ लेटेस्ट असम उर्फ कुलांग मोरान तथा पलाश मोरान उर्फ गोपाल असम शामिल हैं। इन सभी चार नेताओं, कैडरों को ताका, म्यांमार और 779 कैंप म्यांमार में 2/3 महीनों के लिए युद्ध में प्रशिक्षित किया गया है। इस वर्ष 2023 में कुल 11 अल्फा (स्व) कैडरों ने आत्मसमर्पण किया और निम्नलिखित हथियार और गोला-बारूद जमा किए। थाईलैंड हैंड ग्रेनेड - 2, चीनी हैंड ग्रेनेड - 2, विदेशी निर्मित 9×19 पिस्तौल- 2, 9 मिमी गोला-बारूद -28 शामिल हैं। इसके अलावा, अल्फा (स्व) द्वारा कुल पांच घटनाएं की गई। जहां 16 अल्फा (स्व) कैडर गिरफ्तार किए गए। एक अल्फा (स्व) कैडर पुलिस कार्रवाई में मारा गया। सुरक्षा बलों ने कैडरों से हथियार -02, गोला-बारूद - 11 राउंड, ग्रेनेड -03 बरामद किया।

लूट के मामले में दो गिरफ्तार, तीन फरार

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट जिले के मारवाड़ी पट्टी में हुई नगदी लूट मामले में शामिल एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी जिले के पुलिस अधीक्षक ने आज दी। पुलिस अधीक्षक ने बुधवार को बताया कि 25 नवंबर की रात 9:30 बजे मारवाड़ी पट्टी स्थित जारुबी टेक्सटाइल के व्यापारी मिहिर डालमिया से बाइक पर आए दो लुटेरों ने क्रिकेट बैट से हमला कर नगदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए। इस मामले में 524/2023 धारा 341/397/120(बी) के तहत एक प्राथमिक की दर्ज की गई। प्रारंभिक जांच के दौरान डीआर कॉल की जांच में पता चला कि टेक्सटाइल के कर्मचारी उपेंद्र सरकार फोन कर पूरी जानकारी अन्य युवकों को दी थी। दो बाइक पर आए चार युवकों ने क्रिकेट बैट से हमला कर मिहिर डालमिया से पैसा लेकर फरार हो गए। इसके बाद हमने डीआर और जिले में बेचे गए एम टी15 बाइक का डिटेल निकला। इस मामले में पुलिस ने शिवसागर के पालसनी गांव के अभिजीत सरकार और उपेंद्र सरकार और अन्य एक नावालिग युवक को गिरफ्तार किया।

नवागत शिमलीटोला के महात्मा गांधी अकादमी का वार्षिक अधिवेशन संपन्न

नगरबेड़ा (विभास)। ग्वालपाड़ा जिले के पूर्वी ग्वालपाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के तहत एक नवागत शिमलीटोला के निजी स्कूल का दूसरा वार्षिक सत्र बुधवार को संपन्न हुआ। 27 नवंबर से तीन दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम के साथ आयोजित स्कूल के वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर ध्वजारोहण, सांस्कृतिक जुलूस, समाज सेवा और वृक्षारोपण के साथ-साथ कविता पाठ, अचानक व्याख्यान, वाद-विवाद, स्मृति परीक्षण, प्रश्नोत्तरी, नृत्य, संगीत, जुनून और विभिन्न खेल जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बुधवार को सत्र के समापन दोपहर में एक खुली और पुरस्कार वितरण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्कूल के शासी निकाय के अध्यक्ष अल्ताफ हुसैन ने की। स्कूल के छात्रों द्वारा आयोजित स्कूल के संगीत के साथ शुरू हुई बैठक में ग्वालपाड़ा पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के विधायक अबुल कलाम राशिद आलम, शिमलीटोला क्षेत्रीय बाजार प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष अल्हाज शाहजहां अली, शिमलीटोला बाजार व्यापार संघ के अध्यक्ष अनवर अली, गेरुआ एमई स्कूल के शिक्षक अब्दुल गनी, सिधाबाड़ी समवाय समिति के अध्यक्ष अबुल कलाम आजाद उपस्थित थे। शिमलीटोला क्षेत्रीय बाजार प्रबंध समिति के सचिव हनीफ उद्दीन अहमद, सेवानिवृत्त शिक्षक नबीर हुसैन फकीर, ग्वालपाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी के आईटी सेल के अध्यक्ष अब्दुल जब्बार, शिमलीटोला क्षेत्रीय बाजार प्रबंधन समिति के पूर्व सचिव रफीकुल इस्लाम खान, मतीउर रहमान, अशेर मंडल, रहीज उद्दीन, सैरुद्दीन, अब्दुल मन्नान, स्कूल के प्रधानाचार्य उपस्थित थे। विधायक ए के राशिद आलम ने कई अतिथियों के साथ छात्रों के शैक्षणिक पहलुओं पर प्रेरक भाषण दिए। इमान मीर ने बैठक में अतिथियों को परिचय समारोह का संचालन किया और स्कूल प्रबंधन समिति के सचिव स्वाह आलम रब्बानी के उद्देश्य के बारे में बताया। विदित हो कि बैठक के अंत में अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडू चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली शिमलीटोला की दर्पण मेधी और सरकारी प्लेसमेंट प्राप्त विद्यालय की पूर्व शिक्षिका फरीदा खातून को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

सहकार भारती असम का प्रदेश अधिवेशन आयोजित

लखीमपुर (हिंस)। सहकार भारती असम का त्रिवार्षिक राज्य सत्र 25-26 नवंबर को लखीमपुर में आयोजित किया गया। इसकी जानकारी आज एक संवाददाता सम्मेलन में दी गई। सत्र में मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा के 7 प्रतिनिधियों के साथ 31 जिलों के 170 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ये सभी सहकार भारती योजना के तहत अपने-अपने जिलों में सहकारी समितियों के विकास में शामिल हैं। सहकार भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री संजय पास्पोर (मुंबई) और पूर्वी भारत के क्षेत्रीय संगठन मंत्री विवेकानंद पात्रा श्रमिकों का मार्गदर्शन करने के लिए पूरे दो दिवसीय सत्र में उपस्थित रहे। संजय किसान (श्रम कल्याण, चाय जनजाति और आदिवासी विकास मंत्री) सत्र के समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कैसे राज्य और केंद्र सरकार लोगों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है। उन्होंने सहकार भारती के कार्यों की बहुत सराहना की और इसके काम में यथासंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। डॉ. प्रबाल सैकिया (मुख्य कृषि वैज्ञानिक, असम कृषि विश्वविद्यालय) ने कहा कि कोऑपरेटिव आवश्यक है। कोऑपरेटिव के जरिए ही साधारण व्यक्ति का सामाजिक और आर्थिक विकास संभव हो सकता है। सत्र के दौरान सहकार भारती की राज्य समिति का पुनर्गठन किया गया। मुख्य पदाधिकारियों के नाम इस प्रकार हैं। अध्यक्ष- माणिक कलिता, लखीमपुर, उपाध्यक्ष, जगदीश शर्मा, गुवाहाटी, अशोक शर्मा, नलबाड़ी, बिपुल चंद्र नाथ, ग्वालपाड़ा और प्रीतम दे, करीमगंज को चुना गया। जबकि, महासचिव दीपक दास, गुवाहाटी, सचिव मानस भट्टाचार्य, तिनसुकिया, कौस्तुभज्योति महंत, नगांव, अभिजीत दास, बरपेटा, कोषाध्यक्ष मदनलाल पंड्या, गुवाहाटी, सहायक कोषाध्यक्ष अविनाश बरुवा, गुवाहाटी, आयोजन सचिव नबीन कुमार, गुवाहाटी को चुना गया।

कोकराझाड़ में सेवानिवृत्त अभियंता की हत्या

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ शहर के बिधानपल्ली में एक सेवानिवृत्त अभियंता हत्या को लेकर सनसनी फ़ैल गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि आज सुबह सेवानिवृत्त अभियंता तपन चक्रवर्ती (72) और उनकी पत्नी सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापिका मधुमिता बनर्जी (65) पर बदमाशों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल तपन चक्रवर्ती की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मधुमिता बनर्जी की हालत भी बेहद नाजुक बताई जा रही है। तपन चक्रवर्ती और मधुमिता बनर्जी घर में अकेले थे। मृतक तपन चक्रवर्ती की बेटी अमेरिका में रहती है और बेटा बेंगलुरु में रहता है। घटना कि सुचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल से हत्या में इसतेमाल किये गए एक दाव को बरामद किया। इस हत्या को लेकर पूरे इलाके में आतंक का महौल है।

अवसाद से निदान के लिए जरूरी है पीड़ित की भावना को समझना : डॉ. सुमी वैश्य

गुवाहाटी। आशा और निराशा के दौर में अधिकांश लोग जीवन में एक बार अवसाद की स्थिति से अवश्य गुजरते है। यह एक ऐसी मनोदशा है, जो भावनात्मक रूप से व्यक्ति को प्रभावित करती है। कहते हैं कि मन के हारे हार है और मन के जीते जीत, तो जब व्यक्ति खुद को हारा हुआ महसूस करता है, तब अवसाद धीरे-धीरे उसे अपनी गिरफ्त में ले सकता है। कई बार इससे प्रभावित होने वाला व्यक्ति अपनी भावनाओं पर नियंत्रण पाकर इससे निकल जाता है, मगर कुछ मामलों में स्थिति बिगड़ भी सकती है। लगातार उदासी की भावना और जीवन से अरूचि उसे हानि पहुंचा सकती है। हालांकि अपने आस-पास या सगे-संबंधियों में कोई व्यक्ति अवसाद में है। इसका पता अचानक बदल रहे व्यवहार से किया जा सकता है। इसकी पहचान उसकी उदासी, खालीपन, चिड़चिड़ेपन की भावनाओं के साथ उसके शारीरिक और मानसिक परिवर्तन से की जा सकती है। यह ऐसे कारण है, जो व्यक्ति के लिए सामान्य कार्य भी मुश्किल बना देते हैं। अवसाद होने के कई सारे कारण हैं, जिनमें आनुवांशिक, पर्यावरण संबंधी, और जैव रासायनिक कारक शामिल हैं। यह जीवन में घटने वाली घटनाओं, जैसे- आघात या सदमा, नुकसान, और अधिक समय तक होने वाले तनाव के कारण हो सकता है। अगर किसी व्यक्ति में अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो रही हो तो बिना संकोच के चिकित्सक से सलाह लेना महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई बार यह समय के साथ ठीक हो जाता है, मगर कुछ मामलों में उपचार आवश्यक होता है। इस बारे में डॉसुमीवैश्यकहतीहैं कि अवसाद के सटीक निदान के लिए पेशेवर की सलाह से अवसाद के लक्षणों को दवा और कुछ मनोचिकित्सा के द्वारा राहत दी जा सकती है। इसके साथ ही गुणवत्तापूर्ण जीवन का पालन करना भी आवश्यक है। इतना ही नहीं किसी अवसाद से पीड़ित व्यक्ति की दशा में सुधार करने के लिए उसकी भावनाओं को समझना जरूरी है। गौरतलब है कि पीड़ित को सहानुभूति प्रदान करने, उनकी बातों को अच्छी तरह से सुनने और दूसरों को इस स्थिति में मदद के लिए प्रोत्साहित करने जैसे पहल से स्थिति में उल्लेखनीय अंतर ला सकता है।

एसएसबी ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) रानीगुली के कार्यवाहक कमांडेंट लोकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में समवाय सरलपारा के अन्तर्गत भारत-भूटान सीमावर्ती सरलपारा क्षेत्र में 30 दिनों का तक चले मशरूम खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हुआ। कार्यवाहक कमांडेंट एवं प्रभाकर कुमार वैद्य उप कमांडेंट के नेतृत्व में सभी 30 प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं को मशरूम की खेती का प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण 31 अक्तूबर से 29 नवंबर तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कार्यवाहक कमांडेंट ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से किसानों का रूझान मशरूम की खेती की तरफ तेजी से बढ़ा है। भारत में पिछले कुछ वर्षों से मशरूम के उत्पादन में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इस समय हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलगाना व्यापारिक स्तर पर मशरूम की खेती करने वाले प्रमुख उत्पादक राज्य है। उन्होंने ने कहा कि भारत में मशरूम को खुम्भ, खुम्भी, भमोड़ी और गुच्छी आदि नाम से भी जाना जाता है। देश में बेहतरीन पौष्टिक खाद्य के रूप में मशरूम का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा मशरूम के पापड़, जिम का सप्लीमेन्ट्री पाउडर, अचार, बिस्किट, टोस्ट, कूकीज, नूडल्स, जैम (अजीर मशरूम) सॉस, सूप, खीर, ब्रेड, चिप्स, सेव चकली आदि भी बनाए जाते हैं। साथ ही साथ उन्होंने बताया कि छठी वाहिनी एसएसबी के द्वारा समय-समय पर सीमावर्ती क्षेत्रों में निवासरत पुरूष एवं महिलाओं को इस तरह का व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि लोग रोजगार के लिए तैयार हो सके तथा समाज की मुख्य धारा से जुड़े रहे। समापन समारोह में सीमावर्ती गांव के काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए तथा समवाय मुख्यालय सरलपारा के प्रभारी निरिक्षक / सामान्य अजोय कुमार पाल एवं समवाय में उपस्थित सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

हाथी के हमले में वृद्ध व्यक्ति की मौत

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले के बिजनी इलाके में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मानह राष्ट्रीय उद्यान के पास मवेशी चराने गए गुलजार हुसैन (63) पर हाथी ने अचानक हमला कर दिया। जिसकी वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान अन्य तीन किसान किसी तरह अपनी जान बचाकर भागने में सफल रहे। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं स्थानीय लोगों ने इसके लिए वन विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हाथी अब तक कई लोगों की जान ले चुकी है। लेकिन वन विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। अगर समय रहते हाथियों के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाया गया तो आने वाले समय में जान माल का भयंकर नुकसान हो सकता है।

नगांव में विद्यार्थियों के बीच आनंदराम बरुवा पुरस्कार वितरित

नगांव (निसं)। जिला पुस्तकालय प्रेक्षागृह में आज नगांव और होजाई जिला के शिक्षा विभाग के तत्वावधान में व नगांव जिला प्रशासन की व्यवस्था में उन सभी विद्यार्थीयो को आनंदराम बरुवा सम्मान से सम्मानित किया गया। जिन्होंने इस वर्ष दसवीं कक्षा में 75 प्रतिशत अंक व ज्यादा अंक प्राप्त कर सफलता अर्जित की थी। इस सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सरकार के जन स्वास्थ्य कार्यकारी आदि विभाग के मंत्री जयंत मल्ल बरुवा उपस्थित थे। उन्होंनें अपने भाषण में असम सरकार की शिक्षा नीति व सरकार के उन्नयन मूलक कार्यो का बखान किया। मंत्री श्री बरुवा नें शिक्षा के परिवेश को उन्नत बनाये रखने में विद्यार्थीयों के साथ अभिभावको व शिक्षकवृंदो के सहयोग की जरूरत पर बल दिया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष हाईस्कूल परिक्षा के जिन विद्यार्थीयों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की थी उन में नगांव जिला के 1572 और होजाई जिला के 586 शामिल थे और उन्हें आज 15000/ रुपए बैंक खाते के मार्फत प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य मंत्री हिमंत विश्व शर्मा के उस प्रसारण को लाइव दिखाया गया जो गुवाहाटी में चल रहा था तथा मुख्य मंत्री श्री शर्मा वहां उपरोक्त सम्मान समारोह में अंश ग्रहण कर रहे थे।

नगांव में आयोजित उक्त कार्यक्रम में स्वागत भाषण जिला आयुक्त नरेंद्र कुमार साह ने दिया। कार्यक्रम में सदर विधायक रूपक शर्मा, ब्रह्मपुर के विधायक जीतू गोस्वामी, रोहा के विधायक शशिकांत दास, होजाई जिला के आयुक्त लचित कुमार दास, नगांव उन्नयन प्राधिकरण के अध्यक्ष ध्रुव ज्योति शर्मा, शिक्षा विभाग नगांव के अतिरिक्त आयुक्त लक्ष्य ज्योति दास, नगांव जिला संमंडल विद्यालय समूह के परिदर्शक मदुल कुमार नाथ, विशिष्ट समाजसेवी बाबुल बोरा सहित प्रशासन व शिक्षा विभाग के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, विद्यार्थीगण व अभिभावकगण उपस्थित थे।

रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार थाना प्रभारी

दरंग (हिंस)। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि जिले के धुला के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर (यूबी) अजय कुमार हैंडिक ने रुपए की मांग की थी। एक आपराधिक मामले में राहत देने के लिए शिकायतकर्ता से तीन लाख बीस हजार रुपए की रिश्वत मांगी। बाद में, ओसी ने रिश्वत की राशि घटाकर कर केवल एक लाख रुपए कर दी। रिश्वत देने के इच्छुक नहीं होने पर, शिकायतकर्ता ने उपरोक्त लोक सेवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए इस निदेशालय से संपर्क किया। तदनुसार, आज सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की एक टीम द्वारा धुला थाना के अंतर्गत टांगी चारियाली पेट्रोल पंप पर जाल बिछाया गया। बिचौलिए मुक्तार हुसैन को रुपए लेते ही रंगे हाथ पकड़ लिया गया। इंस्पेक्टर (यूबी) अजय कुमार हैंडिक की ओर से शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत के हिस्से के रूप में पांच हजार रुपए दिए गए।

नगरबेड़ा क्षेत्रीय रास महोत्सव में सांसद कुइन उजा ने लिया भाग

नगरबेड़ा (विभास)। रास महोत्सव के चारों ओर राज्यव्यापी वातावरण व्याप्त है। इसी कड़ी में कामरूप के नगरबेड़ा में 17 दिवसीय रास महोत्सव 25 नवंबर से विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ। इस बीच मंगलवार को गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र की सांसद कुइन उजा ने पहुंचकर नगरबेड़ा के रास का दीदार किया। सांसद ने नगरबेड़ा क्षेत्रीय रास महोत्सव में भाग लिया और प्रबंधन समिति का जायजा लिया और कहा कि असम में नगरबेड़ा क्षेत्रीय रास महोत्सव को रिकॉर्ड में लिया जाना है। सबसे दूरस्थ क्षेत्रों में श्रीकृष्ण की मृणमय प्रतिमा को इस तरह से बनाकर लोगों में उत्सव का माहौल बनाया गया है। सांसद ने रास प्रबंध समिति के अध्यक्ष विभूति ठाकुरिया सहित अधिकारियों के साथ एक अंतरंग बैठक की। सांसद के साथ नगरबेड़ा

राजस्व सर्किल के अंचल अधिकारी बनश्री मालाकार, नगरबेड़ा क्षेत्रीय मौजा समिति के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी, नगरबेड़ा थाना के प्रभारी पुलिस पदाधिकारी लावण्य बोरो, नगरबेड़ा प्रखंड प्राथमिक स्वास्थ्य पदाधिकारी पी के देका सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि सांसद ने इसके बाद तिपलई रास महोत्सव, दूधनाई रास महोत्सव सहित ग्वालपाड़ा जिले के कई रस महोत्सवों का दौरा किया और उत्सव समिति के साथ-साथ श्रद्धालुओं से बातचीत की और लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखते हुए रास महोत्सव का आनंद लेने की अपील की।

कोल इंडिया गुवाहाटी हाफ मैराथन 2023 के उद्घाटन संस्करण में प्रतिभागियों के लिए रेस रूट की घोषणा

गुवाहाटी। कोल इंडिया गुवाहाटी हाफ मैराथन 2023 के उद्घाटन संस्करण में प्रतिभागियों के लाभ के लिए रविवार, 3 दिसंबर 2023 को दौड़ दिवस की व्यवस्था की घोषणा की गई, जिसमें दौड़ मार्ग और चिकित्सा सुविधाएं शामिल हैं। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग, गुवाहाटी असम के निदेशक प्रदीप तिमुंग, डॉ. ध्रुवज्योति हजारिका एडीसी, कामरूप मेट्रो, मेजर सुधीर कुमार, भारतीय सेना और डॉ. फरहान अली, वरिष्ठ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य सेवाओं के संयुक्त निदेशक कार्यालय, कामरूप मेट्रो उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में असम के माननीय मुख्यमंत्री, डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, नंदिता गोरलोसा, खेल मंत्री, लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता, जीओसी-इन-सी, पूर्वी कमान, भारतीय सेना के साथ असम सरकार, भारतीय सेना और कोल इंडिया की वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे और हरी झंडी दिखाएंगे। बीआईबी कलेक्शन एक्सपो डीटीआरपी इंडोर स्टेडियम, नेहरू स्टेडियम गुवाहाटी - 781007 में 1 दिसंबर और 2 दिसंबर 2023 को सुबह 9:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। गुवाहाटी और असम के लोगों की जबरदस्त प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए और अधिक से अधिक धावकों को मौका देने के लिए, दो दिवसीय एक्सपो के दौरान कार्यक्रम के लिए ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण उपलब्ध होगा। दौड़ के दिन यानी रविवार 3 दिसंबर 2023 को कोई बीआईबी वितरण नहीं होगा। सभी चल रहे बीआईबीएस को शनिवार 2 दिसंबर 2023 को शाम 7 बजे तक एकत्र करना होगा। दौड़ के दिन यानी रविवार 3 दिसंबर 2023 को इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में पंजीकरण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

हर्षोल्लास के साथ नगांव में मना गुरुनानक देव जी का 554वां प्रकाश पर्व

नगांव (निसं)। पाकिस्तान प्रांत के नानकाना साहिब नामक जगह में 1469 सन में जन्म ग्रहण करने वाले सिख संप्रदाय के प्रथम गुरु नानक देव जी की 554वां प्रकाश पर्व नगांव गुरुद्वारा साहिब में बड़े हर्षोल्लास एंव श्रद्धा पुर्वक सोमवार को मनाया गया। इस प्रकाश पर्व के अंश के रूप में पिछले 16 नवंबर से शुरू प्रभात फेरी 26 नवंबर को सम्पन्न हुई। इसके अलावा गुरू ग्रंथ के चार अखंड पाठ का सोमवार को समापन हुआ। जिसमें सभी धर्म व वर्ण के लोगों ने गुरु महाराज के दरबार में माथ्था टेक कर अपने परिवार तथा देश की मंगल कामना हेतु प्रार्थना की। इस अवसर पर बड़े ही आकर्षक रूप से कीर्तन दरबार सजाया गया था। जिसमें काफी संख्या में महिला, बच्चे तथा बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ज्ञानी किसन सिंह मुख्य ग्रंथी ने गुरु नानक जयंती की उद्देश्य व्याख्या की। इस अवसर पर नगांव गुरुद्वारा साहिब प्रबंधक कमेटी की तरफ से नि:शुल्क ब्लड टेस्टिंग शिविर लगाया गया था। इस अवसर गुरुद्वारा साहिब पहुंचे नगांव सदर विधायक रुपक शर्मा को गुरुद्वारा साहिब प्रबंधक कमेटी की तरफ से सिरोपाओ और स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विधायक

ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सिखों के प्रथम गुरु नानक देव जी तथा असम के श्रीमंत शंकरदेव समकालीन रहने के साथ दोनों ने ही समाज को न्ई दिशा दी थी। उन लोगों द्वारा किया गया मार्गदर्शन आगे भी बरकरार रहेगा। समाज में फैले बुराईयों को खत्म करने के लिए उन लोगों द्वारा किये गए मार्गदर्शन युगों युगों तक पथप्रदर्शक रहेगा। विधायक श्री शर्मा ने गुरुद्वारा साहिब की सुंदर ढंग से पुन:निर्माण तथा बेहतरीन रंगरोगन का उल्लेख करते हुए कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में तीन गुरुद्वारा है लेकिन नगांव गुरुद्वारा साहिब अपने आप में पर्यटन स्थल का हिस्सा बनने लायक है। बहुत जल्द ही मुख्यमंत्री इस गुरुद्वारा का दौरा करने वाले है। इस अवसर पर नगांव गुरुद्वारा साहिब प्रबंधक कमेटी के सभापति सरदार देवेन्द्र सिंह सेहमी, उप सभापति हर भजन सिंह, त्रेलोक सिंह, अमरजीत सिंह, सुरेन्द्र सिंह साहनी, हरदयाल सिंह- सचिव सहित अनेकानेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। जबकि मंच संचालन हर दर्शन सिंह ने किया। हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने लंगर चखा। वहीं गुरु नानक देव जी की 554वीं जयंती के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा में विशिष्ट लोगों को सम्मानित किया गया। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सभापति देवेंद्र सिंह सहमी सहित सभी पदाधिकारियों ने सदर विधायक रूपक शर्मा के अतिरिक्त राज्य सरकार के सेक्रेटरी गुरदीप सिंह पानेसर, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी चंद्र मोहन काकती, लघु कथाकार शिवानंद काकती, समाजसेवी संजय खेतावत, समाजसेवी प्रलय साहा, इंटेरियर डिजाइनर ऋतिका कनोई अग्रवाल, लंगर की सेवा प्रदान करने वाले विशिष्ट महिलाओं, पत्रकारों तथा विशेष रूप से आर्थिक सहयोग करने वाले व्यक्तियों को सिरोपा से सम्मानित किया गया। कुछ विशिष्ट लोगों को प्रतीक चिह्न और कृपाण से भी सम्मानित किया। इस मौके पर सभापति देवेंद्र सिंह सहमी के साथही उपाध्यक्ष हरभजन सिंह खालसा, अमरजीत सिंह, हरदर्शन सिंह अरि, महासचिव हरदयाल सिंह भारज, सुरेंद्र सिंह सहनी, कुलदीप सिंह खालसा, तरलोक सिंह, ज्ञानी शेर सिंह, गुरु चरण गोगी, गुरप्रीत सिंह सहमी आदि के साथही पूरी संगत उपस्थित थे।

नौसेना दिवस पर पश्चिमी समुद्र तट पर सिंधुदुर्ग किले में होगा 'ऑपरेशनल डेमो'

- शामिल होंगे मिग 29के और 40 एलसीए नौसेना विमानों के साथ 20 युद्धपोत
- नौसेना के समुद्री कमांडो युद्धक समुद्र तट टोही और हमले का प्रदर्शन करेंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना 04 दिसंबर को भारत के पश्चिमी समुद्र तट पर सिंधुदुर्ग किले में जहाजों और विमानों के जरिये ऑपरेशनल प्रदर्शन करके अपनी परिचालन कौशल और क्षमताओं का प्रदर्शन करेगी। इस प्रदर्शन का उद्देश्य औपनिवेशिक प्रथाओं को खत्म करने के प्रतीक में भारत के समृद्ध समुद्री इतिहास का जश्न मनाना है। कार्यक्रम में मिग 29के और 40 एलसीए नौसेना विमानों के साथ 20 युद्धपोतों की भागीदारी होगी। साथ ही भारतीय नौसेना के समुद्री कमांडो युद्धक समुद्र तट टोही और हमले का प्रदर्शन करेंगे। भारतीय नौसेना 1971 के युद्ध के दौरान कराची बंदरगाह पर नौसेना के दुस्साहसिक हमले 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' की याद में 04 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाती है। इसी दिन नौसेना विपरीत परिस्थितियों में कर्मियों की वीरता, साहस और उनके संकल्प का जश्न मनाने के लिए सिंधुदुर्ग किले में 'ऑपरेशनल प्रदर्शन' करने जा रही है। इस कार्यक्रम में भारतीय नौसेना के अत्याधुनिक जहाजों और विमानों को लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से आम जनता और ऑनलाइन दर्शकों के सामने प्रदर्शित किया जाएगा। यह किला 1660 में मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज ने बनवाया था। कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में लड़ाकू विमान मिग 29के और 40 लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) के साथ 20 युद्धपोतों की भागीदारी होगी। साथ ही भारतीय नौसेना के समुद्री कमांडो युद्धक समुद्र तट टोही और हमले का प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा अन्य प्रमुख आकर्षणों में नौसेना बैंड का प्रदर्शन, ड्रिल और एससीसी कैडेटों का हॉर्न पाइप नृत्य शामिल हैं। यह आयोजन सिंधुदुर्ग किले में लेजर शो के बाद लंगरगाह पर जहाजों की रोशनी के साथ समाप्त होगा। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार के अलावा इस कार्यक्रम को केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, सैन्य अधिकारी और स्थानीय लोग तारकरली समुद्र तट से देखेंगे। उन्होंने बताया कि नौसेना दिवस समारोह का उद्देश्य नागरिकों के बीच समुद्री चेतना को नवीनीकृत करना और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति नौसेना के योगदान को उजागर करना है। यह पहली बार है कि जब भारतीय नौसेना एक मेगा कार्यक्रम का आयोजन कर रही है, जो किसी भी प्रमुख नौसेना स्टेशन पर नहीं हो रहा है। सिंधुदुर्ग किले का स्थान मुंबई से 550 किमी और गोवा में नौसेना स्टेशन से लगभग 135 किमी दूर है। इन आयोजनों को प्रदर्शित करने के लिए राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के साथ-साथ नौसेना ने हरसंभव प्रयास किए हैं।

69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाले के शिकार अभ्यर्थियों को न्याय मिले : माले

लखनऊ, (हि.स.)। भाकपा (माले) की मांग है कि 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाले के शिकार अभ्यर्थियों को बिना देरी किए न्याय मिलना चाहिए। पार्टी ने विगत कई दिनों से राजधानी के ईको गार्डेन में चल रहे अभ्यर्थियों के आंदोलन का समर्थन किया है। साथ ही बुधवार को उनके शांतिपूर्ण विधानसभा मार्च पर हुसैनगंज चौराहे के निकट पुलिस के दमन की कड़ी निंदा की है। माले के राज्य सचिव सुधाकर यादव ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि सरकार अपनी गलती की सजा इन युवा अभ्यर्थियों को दे रही है, जो नियुक्ति पाने के हकदार हैं। सरकार की संवेदनहीनता के चलते वे सड़क पर उतरने को बाध्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार दलित-पिछड़ा आरक्षण को लागू करना नहीं, बल्कि उसे खत्म करना चाहती है। उसकी रुचि ईडब्ल्यूएस यानी सवर्ण आरक्षण को लागू करने में है। ऐसे में, दलित-पिछड़ा आरक्षण के हकदार हजारों अभ्यर्थी जो आरक्षण घोटाला के चलते नौकरी पाने से वंचित रह गए हैं। सरकार के मंत्रियों की डेहरी पर गुहार लगा रहे हैं, पुलिस की जोर-जबरदस्ती से लेकर दमन का सामना कर रहे हैं। मगर उनकी मांग को लेकर भाजपा सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। एक तरफ नियुक्ति पत्र बांटने की डुगडुगी पीटी जा रही है। कहा जा रहा है कि विपक्ष बेवजह बेरोजगारी को मुद्दा बना रहा है। दूसरी तरफ नियुक्ति की बाट जोह रहे युवा दर-दर की ठोकरे खा रहे हैं। यह वाकई दुखद है।

इस साल सर्दियों में बिजली की मांग तोड़ सकती है रिकॉर्ड

अजय कुमार

नई दिल्ली। इस साल सर्दियों में दिल्ली में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ोत्तरी हो सकती है। बिजली वितरण कंपनियों के अधिकारियों ने बताया कि बिजली की मांग पिछले सभी रिकॉर्ड को तोड़ सकती है। संभावना है कि 5700 मेगावट के आंकड़े को पार कर सकती है। डिस्कॉम अधिकारी के अनुसार, इस सर्दी में दिल्ली की अधिकतम मांग बिजली मांग पिछले सभी रिकॉर्ड को तोड़ सकती है। बता दें कि पिछले साल सर्दी के मौसम में बिजली की मांग 5526 मेगावट पर पहुंच गया था, जो दिल्ली में सर्दी के मौसम यह रिकॉर्ड रहा है। पिछली सर्दियों में बीएसईएस के बीआरपीएल और बीवाईपीएल क्षेत्रों में अधिकतम शीतकालीन बिजली की मांग क्रमशः 2,338 मेगावाट और 1,181 मेगावाट तक पहुंच गई थी। बीएसईएस के एक अधिकारी ने कहा कि इस साल बीआरपीएल और बीवाईपीएल के लिए यह क्रमशः 2,400 मेगावाट और 1,200 मेगावाट से अधिक हो सकता है। बीएसईएस के अधिकारी ने बताया कि किसी भी मौसम में विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करना उचित बिजली व्यवस्था के साथ-साथ सटीक मांग पूवार्नुमान और मजबूत वितरण नेटवर्क का भी कार्य है। इन सभी पहलुओं पर बीएसईएस डिस्कॉम अपने लगभग 50 लाख उपभोक्ताओं या लगभग दो करोड़ निवासी के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

डीयू में 20 प्रतिशत कोर्स ऑनलाइन पढ़ सकेंगे छात्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्र 20 प्रतिशत कोर्स आनलाइन पढ़ सकेंगे। इन्हें मेसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस (मूक्स) के जरिये पढ़ाया जाएगा। डीयू ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के स्वयं प्लेटफार्म के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रमों के क्रेडिट फ्रेमवर्क को अपनाने का निर्णय लिया है। इसका प्रस्ताव 30 नवंबर को होने जा रही अकादमिक परिषद की बैठक में लाया जा रहा है। इनमें कौन से कोर्स पढ़ाए जाएंगे और विश्वविद्यालय इसका आयोजक कैसे बनेगा, इस पर चर्चा की जाएगी। स्वयं प्लेटफार्म के माध्यम से मूक्स कोर्स अभी देशभर के छात्र पढ़ते हैं। इनके लिए क्रेडिट दिए जाते हैं। डीयू ने वाणिज्य और रासायन शास्त्र में मूक कोर्स तैयार किए हैं। जिन्हें देशभर के इंस्टीट्यूशन से स्वयं के माध्यम से छात्र ऑनलाइन पढ़ रहे हैं। डीयू अब इन कोर्सेस का मुख्य आयोजक बनने जा रहा है। मूक्स में कौन से कोर्स शामिल होंगे, इस पर चर्चा के बाद फैसला लिया जाएगा। यह कोर्स सामान्य होंगे या मुख्य 20 कोर कोर्स भी इसमें शामिल होंगे, इस पर विचार किया जाना शेष है। मूक्स कोर्स को उसी सूरत में पढ़ाया जाएगा जब संस्थान में पाठ्यक्रम चलाने के लिए उपयुक्त शिक्षण स्टाफ की अनुपलब्धता हो। छात्रों द्वारा मांगे गए वैकल्पिक पेपर (पाठ्यक्रम) की पेशकश की सुविधाएं संस्थान में उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन स्वयं मंच पर उपलब्ध हैं और स्वयं पर पेश किए गए पाठ्यक्रम संस्थान में शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया के पूरक होंगे।

डीयू के वाणिज्य विभाग के प्रमुख ने 16 फरवरी को भेजे एक नोट में सूचित किया था कि विभाग शिक्षकों द्वारा विकसित मूक्स को डीयू में लागू करना चाहता है और विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम से संबंधित मूक्स पर पाठ्यक्रम सामग्री विकसित करना चाहता है। उन्होंने मूक्स के शीर्षक, पाठ्यक्रम समन्वयक, क्रेडिट, उद्देश्य आदि के संबंध में विवरण भी भेजा है, जिसे उनकी विभागीय परिषद की बैठक में मंजूर किया गया था। मूक कोर्सों को इनके बाहर जाकर छात्र को पढ़ने का मौका देना चाहिए। उसको उसके क्रेडिट स्कोर में जोड़ना चाहिए। इसका फायदा छात्र के करियर में होगा। डीयू में हर छात्र का अकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट एकाउंट बना है। इसके जरिये क्रेडिट का हस्तांतरण भी कर सकते हैं। इसका फायदा उन्हें ज्यादा होगा। उन्होंने कहा कि इसके लागू होने का असर शिक्षकों के वर्कलोड पर भी पड़ेगा। शिक्षकों की भर्तियों के अवसर कम हो सकते हैं। स्वयं के जरिये छात्र पढ़ें तो उसका क्रेडिट अलग ही होना चाहिए। कोविड के बाद ऐसे मामले देखने को आए थे कि कई कंपनियों ने आनलाइन पढ़ाई करने वाले छात्रों को अपने यहां आवेदन करने से इन्कार कर दिया था। ऐसे में उनकी शिक्षा की गुणवत्ता पर भी इसका असर पड़ने से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

पेंटहाउस से लेकर लक्जरी फ्लैट तक 30 नवंबर से आवेदन शुरू

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की नई और अभी तक की सबसे बड़ी आवासीय योजना के दूसरे चरण के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 30 नवंबर से शुरू होगी। इस चरण में कुल 1100 लग्जरी फ्लैट उपलब्ध होंगे। इसमें फ्लैट ई-नीलामी के जरिये ही आवंटित होंगे। पंजीकरण शुल्क देकर लोग इसके लिए आवेदन कर सकेंगे। पंजीकरण के साथ लोगों को कम से कम 20 दिन का समय दिया जाएगा ताकि वे फ्लैट जाकर देख सकें। अधिकारियों के मुताबिक ई-नीलामी वाले फ्लैटों में एमआइजी, एचआइजी, सुपर एचआइजी और पेंट हाउस शामिल हैं। फ्लैट देखने के बाद खरीदार अपनी लोकेशन और ब्लॉक को तय कर सकते हैं।

भारतीय ज्ञान पद्धति पर होगा दो दिवसीय सम्मेलन

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय ज्ञान पद्धति पर दिल्ली में दो दिवसीय अतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होने जा रहा। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की ओर से 4-5 दिसम्बर को आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में 39 देशों के 85 वरिष्ठ शिक्षाविद हिस्सा लेंगे और भारतीय भाषा संस्कृत, हिंदी, योग, शास्त्रीय संगीत और आयुर्वेद जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगे। इस सम्मेलन के माध्यम से विदेशी विद्वानों का ध्यान भारतीय ज्ञान पद्धति की तरफ आकर्षित करना उद्देश्य है। आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने मंगलवार को एक प्रेस कॉनफ्रेंस के माध्यम से बताया कि होटल पार्क में सुबह 10 बजे से सम्मेलन शुरू होगा, जिसे ज्ञान भारती नाम दिया है। इसमें भारतीय भाषा, विज्ञान, आयुर्वेद विशेषज्ञ, आईआईएम समेत दुनियाभर की दर्जनों विश्वविद्यालयों के विद्वान शामिल होंगे। दुनियाभर में भारतीय ज्ञान पद्धति के प्रचार प्रसार को लेकर आने वाली चुनौतियों और इसके समाधान पर चर्चा करेंगे। केंद्रीय आयुष मंत्री सबार्नंद सोनोवाल और केंद्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी इस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। दोनों चर्चा में भी भाग लेंगे। इसके अलावा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान भी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके अलावा केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय, आयुर्वेद औषधि निर्माण संस्थान, भारतीय पुस्तक प्रकाशन संघ, फिक्की, सीआईआई समेत दूसरे कई महत्वपूर्ण संस्थान सम्मेलन में भागीदारी निभाएंगे। हरिद्वार का देव संस्कृति विद्यालय सम्मेलन में नॉलेज पार्टनर की भूमिका निभाएगा। तमाम देशों के शैक्षणिक संस्थानों के विभागाध्यक्ष इस सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसमें यूरोप, अमेरिका, रूस और मध्य एशिया के कई देशों के विद्वान शामिल रहेंगे। डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि आईसीसीआर इस सम्मेलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दिल्ली में ठंड का डबल अटैक, पहली बार दिखा कोहरे का असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की राजधानी दिल्ली में पहली बार ठंड डबल अटैक दिखा। सुबह छह बजे के करीब दिल्ली कई इलाकों में घना कोहरा देखने को मिला तो कई इलाकों वायु प्रदूषण डराने वाले स्तर को भी पार कर गया। चिंता की बातयह है कि जहांगीरपुरी में एक्यूआई सुबह के समय 1234 दर्ज किया गया। इसी अधिकांश इलाकों में प्रदूषण गंभीर श्रेणी से ज्यादा है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर घर से बाहर निकलने का सुझाव दिया है। वेबसाइट https://www.aqi.in/in/ के मुताबिक आईटीआई जहांगीरपुरी में वायु गुणवत्ता सूचकांक 1234, नई सरूप नगर में 721, भलस्वा लैंडफिल 580, प्रशांत विहार में एक्यूआई 549, मदर डेयरी प्लांट 563, आनंद विहार में 432, गाजीपुर में 406 दर्ज किया गया। दिल्ली के अधिकांश इलाकों के एक्यूआई बहुत खराब या भी गंभीर श्रेणी में है। दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई सोमवार शाम चार बजे 395 था, जो मंगलवार को सुधरकर 312 हो गया। भारत मौसम विभाग के मुताबिक पर बुधवार को दिल्ली के आसमान में बादल छाए रहेंगे और बहुत हल्की बारिश या बूंदाबांदी होगी। पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमन 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बुधवार को न्यूनतम तापमान 12 डिग्री और अधिकतम तापमान 25 डिग्री रहने का पूवार्नुमान है। चार दिसंबर तक न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। केंद्र ने हवा की गुणवत्ता में सुधार के बाद मंगलवार को पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के चरण-तीन के तहत लागू प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से हटाने का आदेश दिया। एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर की समग्र वायु गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार के मद्देनजर मंगलवार को बैठक की। सीएक्यूएम क्षेत्र में प्रदूषण से निपटने के लिए रणनीति तैयार करने के लिए जिम्मेदार वैधानिक निकाय है।

पार्क में हिलेगी डायनासोर की पूंछ

नई दिल्ली (ईएमएस)। बस कुछ दिन का इंतजार है, दिल्ली में डायनासोर के साथ ऐसे घूमना होगा जैसे जुरासिक पार्क में हों। यहां स्क्रैप से निर्मित देश का पहला डायनासोर पार्क दिसंबर के आखिर तक तैयार हो जाएगा। इसके निर्माण का करीब 85 फीसदी काम हो गया है। पार्क में 40 डायनासोर होंगे, जिनमें से 24 छोटे और 16 बड़े आकार के होंगे। सबसे बड़ा डिप्लोडोकस डायनासोर 60 फुट ऊंचा, 71 फुट लंबा और 13 फुट चौड़ा होगा, जिसके भीतर पार्टी भी होगी। इसे सीधे पार्क की कैंटीन से जोड़ा जा रहा है। बच्चों के पसंदीदा टी-रेक्स कैरेक्टर वाले डायनासोर को भी बनाया गया है, जिसके मुंह से आग निकलेगी और पूंछ भी हिलेगी। पर्यावरण के लिहाज से पार्क में पहले से मौजूद पेड़ों और झाड़ियों को बिल्कुल भी नहीं काटा गया है। बल्कि और भी पेडों और झाड़ियों को उगाया जा रहा है। हजरत निजामुद्दीन में एमसीडी के वेस्ट टु वंडर पार्क की विस्तार योजना के अंतर्गत डायनासोर पार्क बनाया जा रहा। इस पार्क को करीब 300 टन मेटल स्क्रैप, हार्टिकल्चर वेस्ट और सीएंडडी वेस्ट के इस्तेमाल से बनाया जा रहा। पार्क के अंदर डायनासोर को बच्चों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, बच्चे इसके भीतर जा सकते हैं। सेल्फी खींच सकते हैं। डायनासोर के साथ फिल्म का दृश्य भी बनाने की कोशिश की गई है। इनमें से कई डायनासोर की गर्दन और पूंछ हिलेगी।

सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई की फिर धमकी, पुलिस ने सलमान को किया अलर्ट

मुंबई पुलिस ने मंगलवार को उनकी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

मुंबई, (हि. स.)। सलमान खान को पिछले कुछ समय से गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। इन धमकियों के बाद मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड के दबंग एक्टर को सुरक्षा भी मुहैया कराई है। अब एक बार फिर लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से सलमान खान को धमकी मिली है। इस धमकी के बाद मुंबई पुलिस ने सलमान खान को दी सुरक्षा की मंगलवार को दोबारा समीक्षा की है। साथ ही पुलिस ने अभिनेता सलमान खान को इस बार ज्यादा सतर्क रहने की सलाह दी है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की धमकी के बाद सलमान खान को मुंबई पुलिस ने पहले ही वाई-प्लस सुरक्षा दी है। हाल ही में, लॉरेंस बिश्नोई ने एक फेसबुक पोस्ट में कनाडा में अपने घर के बाहर गिप्पी ग्रेवाल की गोली मारकर हत्या की जिम्मेदारी ली थी। फेसबुक पोस्ट में लिखा था, "आप सलमान खान को अपना भाई मानते हैं, लेकिन अब आपके 'भाई' को बचाने का समय आ गया है। सलमान खान के लिए भी ये मैसेज है- इस गलतफहमी में मत रहना कि दाऊद तुम्हें बचा लेगा, कोई नहीं बचा पाएगा। सिद्धू मूसेवाला की मौत पर आपकी नाटकीय प्रतिक्रिया पर शायद ही ध्यान दिया गया, लेकिन हम सभी जानते हैं कि वह कैसा था और उसके आपराधिक संबंध क्या थे... अब आप हमारे रडार पर हैं। ये तो सिर्फ ट्रेलर था, पूरी फिल्म देखें। जल्द आ रहा है.. चाहे आप किसी भी देश में भाग जाएं, लेकिन याद रखें, मौत के लिए वीजा की जरूरत नहीं होती। वह बिन बुलाए आ सकती है।" लॉरेंस बिश्नोई के संदेश के बाद, गिप्पी ग्रेवाल ने स्पष्ट किया कि उनका सलमान खान के साथ कोई करीबी रिश्ता नहीं है। सलमान से उनकी मुलाकात "मौजा ही मौजा" के ट्रेलर लॉन्च के दौरान हुई थी। हालांकि, उस समय फिल्म के निमार्ता ने उन्हें वहां आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि सलमान से मेरी कोई दोस्ती नहीं है। इसका गुस्सा मुझ पर निकाला जा रहा है। मेरे लिए यह अभी भी चौंकाने वाला है और मैं यह समझने में असमर्थ हूं कि मेरे साथ क्या हुआ है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मार्च महीने में सलमान को बिश्नोई गैंग के एक सदस्य से धमकी भरा मेल मिला था। इस धमकी के बाद मुंबई पुलिस ने सलमान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी थी। इस मामले में पुलिस ने केस भी दर्ज किया गया था। लॉरेंस बिश्नोई वर्तमान में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में जेल में है।

भारतीय उद्योग से रक्षा उत्पादन में गुणवत्ता की संस्कृति विकसित करने का आह्वान

- रक्षा मंत्री ने गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए बताया पहली शर्त
- गुणवत्तापूर्ण उपकरणों के निर्माण से अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की साख बढ़ेगी

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को नई दिल्ली में 'डीआरडीओ क्वालिटी कॉन्क्लेव' में भारतीय रक्षा निमार्ताओं से रक्षा उत्पादन में गुणवत्ता की संस्कृति विकसित करने का आह्वान किया है। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए एक पूर्व निर्धारित शर्त बताया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि केवल गुणवत्ता वाले उत्पाद ही वैश्विक मांग पैदा करते हैं और यह भारत को एक वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग केंद्र तथा वास्तविक रक्षा निर्यातक बनाने में सहायता करेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि जो देश गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बनाते हैं, वे अपने उपकरणों को विश्व भर में निर्यात करते हैं। अच्छी गुणवत्ता के कारण इन प्लेटफार्मों की कीमतें काफी अधिक हैं, लेकिन यह ध्यान में रखा जाना चाहिए कि आयात करने वाले देश अत्याधुनिक उत्पादों के लिए सर्वाधिक कीमतें देने के लिए भी तैयार हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि देश के भीतर ऐसे उपकरणों के निर्माण से वैश्विक मांग बढ़ेगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की साख बढ़ेगी। इस सम्मेलन ने रक्षा क्षेत्र में प्रमुख हितधारकों को अपने दृष्टिकोण साझा करने और आत्मनिर्भरता तथा निर्यात के दोहरे लक्ष्य को साकार करने में विचार-विमर्श करने के लिए एक समान मंच प्रदान किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि लागत नियंत्रण को सर्वाधिक महत्व दिया जाना चाहिए, लेकिन यह गुणवत्ता की कीमत पर नहीं होना चाहिए। हमें वैश्विक स्तर पर लागत स्पर्धी होना होगा, लेकिन यह शीर्ष गुणवत्ता वाले वर्ग में रहकर किया जाना है। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाली सैन्य प्रणालियों के निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित किया जो प्रभावी, विश्वसनीय और सुरक्षित हों तथा सशस्त्र बलों को मिशनों को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम बना सकें। रक्षा मंत्री ने योग्यता प्राप्त उद्योगों के प्रतिनिधियों को उन्नत मैन्युफैक्चरिंग आकलन तथा रैंकिंग प्रणाली (समर) प्रमाण पत्र भी प्रदान किए। इस अवसर पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने गुणवत्तापूर्ण प्रणालियां प्रदान करने की दिशा में डीआरडीओ की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने सभी हितधारकों से उच्च गुणवत्ता वाली स्वदेशी सैन्य प्रणालियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में दृढ़ संकल्प और तालमेल रखने का अनुरोध किया। इस अवसर पर उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के सचिव राजेश कुमार सिंह और भारतीय गुणवत्ता परिषद के अध्यक्ष जक्षय शाह भी उपस्थित थे। सम्मेलन में डीआरडीओ के महानिदेशकों, निदेशकों, डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के गुणवत्ता प्रमुखों, उद्योग विशेषज्ञों तथा अन्य हितधारकों ने भी भाग लिया। सम्मेलन दो सत्रों में आयोजित किया गया, जिनमें 'रक्षा मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता तथा गुणवत्ता संस्कृति में सुधार' और 'रक्षा एवं एयरोस्पेस में गुणवत्ता आश्वासन' शामिल हैं। सम्मेलन सत्रों के दौरान उद्योग, सरकारी गुणवत्ता आश्वासन एजेंसियों और उपयोगकर्ता सेवाओं के विशेषज्ञों ने अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। सम्मेलन ने हितधारकों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वदेशी प्रणालियों के उत्पादन, मानकों, नीतियों और वैश्विक सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों के कार्यान्वयन के लिए देश में एक इकोसिस्टम तैयार करने के लिए विशेषज्ञों के साथ नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान किया। सम्मेलन में भाग लेने वालों ने 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए भारत में रक्षा मैन्युफैक्चरिंग क्रांति के लिए गुणवत्ता के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।

योगी सरकार ने पहली लैंड सब्सिडी को दी मंजूरी

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट पॉलिसी 2023 के तहत योगी सरकार ने पहली कंपनी को फ्रंट-एंड भूमि सब्सिडी प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह की ओर से फूजी सिल्वरटेक कंक्रीट प्राइवेट लिमिटेड (एफएससीपीएल) के प्रस्तावित प्रोजेक्ट के लिए फ्रंट-एंड भूमि सब्सिडी प्रदान करने की मांग के सापेक्ष लेटर ऑफ अप्रूवल व एलिजिबल सर्टिफिकेट जारी किया है। हाल ही में योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश फॉरेन डेवलपमेंट पॉलिसी को मंजूरी दी थी। पॉलिसी बनने के बाद किसी भी कंपनी को लैंड सब्सिडी की मंजूरी का यह पहला मामला है। एफएससीपीएल के एमडी को भेजे गए इस लेटर ऑफ अप्रूवल में कहा गया है कि इन्वेस्ट यूपी की मूल्यांकन समिति ने 22 नवंबर 2023 को आयोजित बैठक में प्रस्ताव का मूल्यांकन किया और फ्रंट-एंड भूमि सब्सिडी के अनुदान के लिए एफडीआई, फॉर्च्यून ग्लोबल 500 और फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनियों की निवेश प्रोत्साहन नीति 2023 के खंड 31 के अनुसार गठित अधिकार प्राप्त समिति को मामले की सिफारिश की। अधिकार प्राप्त समिति के सक्षम प्राधिकारी ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, गौतमबुद्ध नगर जिले में 10 हेक्टेयर भूमि के लिए परियोजना के लिए फ्रंट-एंड भूमि सब्सिडी का 75% अनुदान देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता के अनुसार यह परियोजना यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) में प्रस्तावित है। परियोजना वेट कास्ट टेक्नोलॉजी और सल्फर कंक्रीट टेक्नोलॉजी का उपयोग करके प्रीकास्ट कंक्रीट उत्पादों के निर्माण से संबंधित है। इसके चरण-1 में 650 टीपीडी की स्थापित क्षमता होगी और चरण-2 में 350 टीपीडी की अतिरिक्त क्षमता होगी। चरण-1 की परियोजना लागत 150 करोड़ रुपये और फेज-2 भी 150 करोड़ रुपये होगी। परियोजना के चरण-1 से लगभग 700 लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। चरण-1 के वित्त की प्रस्तावित संरचना के अनुसार विदेशी पूंजी 100 करोड़ रुपये और भारतीय प्रमोटर द्वारा 50 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। एफएससीपीएल भारत में प्री कास्ट कंक्रीट उत्पादों की विनिर्माण सुविधाओं को स्थापित करने और संचालित करने के लिए गठित एक स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) है। विनिर्माण सुविधाएं फूजी कंक्रीट इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड (एफएसआई-ईसीएल) और टोयोटा कोखी कंपनी लिमिटेड (टीकेसीएल) के स्वामित्व वाली वेट कास्ट तकनीक और सल्फर कंक्रीट तकनीक पर आधारित होंगी, जो एफएससीपीएल में संयुक्त उद्यम भागीदार हैं। एफसीआईसीएल 1970 से काम कर रही है और टीकेसीएल 1966 से काम कर रही है। ये दोनों जापान में स्थित हैं। फूजी जापान अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और 100 वर्षों का सामूहिक अनुभव लेकर आती है। कंपनी के भारत में दो प्लांट हैं, एक गुजरात के बागोदरा में और दूसरा महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में। यीडा में प्रस्तावित विनिर्माण संयंत्र उत्तर भारत में कंपनी की पहली विनिर्माण इकाई होगी।

डबल इंजन की सरकार केवल बोलती ही नहीं है, करके भी दिखाती है : योगी

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन बुधवार को कहा कि यह डबल इंजन की सरकार है, जो केवल बोलती ही नहीं है बल्कि करके भी दिखाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डेंगू की स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। सरकार द्वारा अंतर्विभागीय समन्वय के माध्यम से संचारी रोगों के संबंध में कार्य किये गए हैं। जलजनित या विषाणु जनित रोगों के निवारण के लिए प्रतिवर्ष तीन महीने डोर-टू-डोर अभियान चलाया जाता है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि विपक्ष की तरफ से जिस प्रकार सवाल आया इधर से जवाब उसी प्रकार दिया जा रहा है। अगर पूरी स्पष्टता के साथ उत्तर आ जाता तो विपक्ष की और पोल पट्टी खुल जाती। उन्होंने कहा कि शायद संचारी अभियान के बारे में इन्हें (विपक्ष के सदस्य) पता नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश की 25 करोड़ की आबादी को हर स्तर पर इलाज मुहैया करा रही है। सरकारी अस्पताल में 2017 से पहले की तुलना में बहुत बेहतर सुविधाएं दी गई हैं। रही बात डेंगू के इलाज की तो आज ब्लड सेपरेटर यूनिट द्वारा ब्लड चढ़ाया जाता है। हम प्लेटलेट्स की अतिरिक्त आपूर्ति भी करते हैं। सरकार की ओर से हर बेहतर उपाय किए जा रहे हैं। प्रदेश के प्रत्येक जिले में प्लेटलेट्स की भी व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि अगर मरीज देश और दुनिया के निजी क्षेत्र के अत्याधुनिक अस्पतालों में इलाज कराना चाहता है तो उसके लिए भी हमारी सरकार ने विधायकों को 25 लाख रुपये इलाज के लिए देने की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री राहत कोष से भी बिना किसी भेदभाव के सहायता की जा रही है। हमारी सरकार में चेहरा देखकर मदद नहीं की जा रही है। इस बात को विपक्ष के सदस्य भी मानेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य है। यहां अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग बीमारियां देखने को मिलती हैं। बरेली बदायूं क्षेत्र में अगर मलेरिया का प्रभाव अधिक देखने को मिलता है तो बिहार से लगे जिलों में कालाजार जैसी बीमारी पनपती है। वहीं फिरोजाबाद के बेल्ट में डेंगू देखने को मिलता है। सरकार पूरे प्रदेश को ऐसी बीमारियों से मुक्ति दिलाने के लिए संचारी रोग अभियान चलाती है। पीठ का ध्यान आकृष्ट कराते हुए नेता सदन ने कहा कि अध्यक्ष जी विपक्ष समस्याओं के समाधान के लिए सवाल नहीं उठाता है। विपक्ष राजनीति करने के उद्देश्य से सवाल उठा रहा है। कोरोना कल में भी प्रदेश की जनता ने इन लोगों (सपा) को देखा है। यह लोग कोरोना से पीड़ित जनता को वैक्सीन लगाने से रोक रहे थे। कह रहे थे कि यह मोदी की वैक्सीन है। इसे मत लगाइए। रही बात नेता प्रतिपक्ष के सवालों का तो हम कहना चाहते हैं कि यह डबल इंजन की सरकार है। केवल बोलती नहीं है। करके भी दिखती है। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री से पहले, उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि डेंगू गंभीर बीमारी है। हमारी सरकार सबको इलाज मुहैया करा रही है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया गया है। पूर्वांचल में जापानी बुखार से बच्चों की मौत होती थी। आज पूरी तरह नियंत्रण में है। सवाल उठाने वालों की सरकार में कुछ नहीं हो पाया था।

इनकी (सपा) सरकार में गुंडाराज था। हमारी सरकार ने गुंडाराज का खात्मा किया है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि विपक्ष की पीड़ा जनता नहीं है। इनकी पीड़ा हाय हसन हम न हुए है। इन्हें विपक्ष में बैठना अच्छा नहीं लगता। उसे यह पचा नहीं पा रहे हैं। अखिलेश यादव का नाम लिए बगैर पाठक ने कहा कि यह तो राजकुमार पैदा हुए हैं। इसके बाद सपा के सदस्य हंगामा करने लगे। सत्ता पक्ष के सदस्य भी अपनी कुर्सी पर खड़े होकर बोलने लगे। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने दोनों पक्षों को शांत कराया और सदन की कार्यवाही आगे बढ़ी। इससे पहले विधानसभा में शून्य काल के दौरान सपा के वरिष्ठ सदस्य लालजी वर्मा की ओर से नियम 56 के तहत डेंगू से प्रदेश में होने वाली मौतों और स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा कराने की मांग की गयी। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि वरिष्ठ सदस्य वर्मा ने महत्वपूर्ण सवाल उठाया है। डबल इंजन की सरकार में बड़ी-बड़ी होर्डिंग लगी है। सरकार कहती है कि हमने तमाम सुविधाएं दी हैं लेकिन प्रदेश भर से डेंगू से होने वाली मौतों की आ रही सूचनाएं दुखी करने वाली हैं। सरकार को इस पर एक कमेटी गठित करनी चाहिए। कमेटी के सदस्य उन क्षेत्रों में जाएं और हालात का जायजा लें। इसके साथ ही नेता प्रतिपक्ष ने डेंगू से मरने वालों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये सहायत राशि देने और इलाज मुफ्त कराने की मांग उठाई। दोनों पक्षों को सुनने के बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि यह सूचना नियम 56 के तहत नहीं आती है। इसलिए इसे अग्राह्य किया जाता है।

रालोद के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनजीत सिंह समेत तीन नेताओं ने छोड़ी पार्टी

लखनऊ, (हि.स.)। चुनाव नजदीक आते ही विभिन्न दलों के नेताओं का पार्टी छोड़कर जाना और लोकसभा 2024 चुनाव की तैयारियों में जुटी राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) में चुनाव से पूर्व पार्टी व संगठन में चल रही अंर्तकलह खुलकर सामने आने लगी है। इसके चलते पार्टी के पुराने और कद्दावर नेताओं द्वारा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता छोड़ने का दौर शुरू हो गया है। इस अंर्तकलह और शीर्ष नेताओं द्वारा अनदेखी के चलते रालोद के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष समेत अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय सचिव ने पार्टी से त्यागपत्र देकर पार्टी में हलचल पैदा कर दी है। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनजीत सिंह ने बातचीत में बुधवार को बताया कि पार्टी अपने बेस वोटर किसान की आवाज को उठाना भी बंद कर दिया है। जो भी नेता किसानों की आवाज उठाना चाहता है उसे दबा दिया जाता है। दिल्ली कार्यालय में स्व घोषित नेता राष्ट्रीय लोक दल के बेस वोट जाट, मुसलमान तथा किसानों से नफरत करते हैं। वह चाहते हैं कि प्रत्येक नेता तथा कार्यकर्ता उसके सामने दंडवत रहे, मेरे लिए ऐसा करना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि मैंने पहले स्व. चौधरी चरण सिंह को उसके बाद स्व० चौधरी अजीत सिंह तथा अब आपको (जयंत चौधरी) को नेता माना और पार्टी की 36 वर्ष तक सेवा की। पार्टी हारी या जीती हर स्थिति में साथ खड़ा रहा लेकिन पूरी ईमानदारी तथा वफादारी से काम करना अब संभव नहीं है। इसलिए दुःखी होकर भारी मन से राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष पद तथा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र पार्टी अध्यक्ष को सौंप दिया। इसी तरह अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आरिफ महमूद ने संगठन मंत्री और कार्यालय प्रभारी पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने अल्पसंख्यकों को अपमानित करने का आरोप की पार्टी में बात कही।

मायावती 30 नवंबर को लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर करेंगी बैठक

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय मायावती गुरुवार (30 नवम्बर) को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में बैठक करेंगी। इस संबंध में बुधवार को पार्टी कार्यालय से पत्र जारी किया गया है। पत्र में पार्टी की ओर से बताया गया कि सुप्रीमो मायावती मॉल एवेन्यू स्थित बसपा यूपी प्रदेश कार्यालय में बैठक करेंगी। यह बैठक गुरुवार सुबह 11 बजे शुरू होगी, जिसमें आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों और उम्मीदवारों की समीक्षा और चर्चा की जाएगी। इस बैठक में उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्य के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, संयोजक, जिला अध्यक्ष, जोनल संयोजक एवं प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। बैठक में मायावती अगले महीने छह दिसम्बर को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पुण्य तिथि के कार्यक्रम को लेकर भी जरूरी दिशा-निर्देश दे सकती हैं।

सुरेश खन्ना ने विधानसभा में पेश किया 28 हजार 760 करोड़ का अनुपूरक बजट

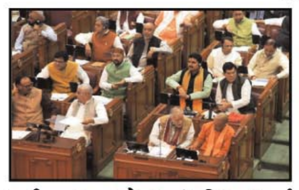

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में विधानसभा में 28,760,67 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। बजट में 19 लाख 46 हजार 39 करोड़ रुपये राजस्व खर्च के लिए और 9714 करोड़ रुपये पूंजी खर्च के लिए रखे गए हैं। वहीं नई योजनाओं के लिए 7421.21 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। योगी सरकार ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लिए 2000 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की है। वहीं पीएम मित्र योजना के अंतर्गत लखनऊ-हरदोई में पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं परिधान पार्क की स्थापना के लिए 510 करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर नीति के क्रियान्वयन के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि मैं अनुपूरक अनुदानों के लिए अनुपूरक बजट सदन में पेश कर रहा हूं। इसमें 7421 करोड़ रुपये नई माँगों के लिए है। सरकार 2024 में होने वाले आम चुनाव से पहले इस बजट को सरकारी योजनाओं पर खर्च करेगी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास में नंबर एक होगा। केशव ने कहा कि अनुपूरक बजट लाना इसलिए भी आवश्यक था क्योंकि बहुत से ऐसे काम जो होने चाहिए थे,गरीब, किसान, युवाओं, महिलाओं और प्रदेश के विकास से जुड़ें यह समाजवादी पार्टी को हजम नहीं होता। सपा सरकार में विकास केवल कागजों पर होता था। खर्चा के नाम पर केवल कागजी काम होता था।

मेदिनीराय एवं नीलाम्बर-पीताम्बर की प्रतिमा लगाने के लिए 12 से अनिश्चितकालीन आन्दोलन का फैसला

पलामू, (हि.स.)। कचहरी परिसर में एसडीओ कार्यालय के सामने से हटायी गई राजा मेदिनी राय एवं नीलाम्बर पीताम्बर की प्रतिमा जल्द लगाने की मांग की गई है। इस मामले में 11 दिसम्बर तक कोई निर्णय नहीं लिया गया तो 12 दिसम्बर से अनिश्चितकालीन आन्दोलन करने का निर्णय लिया गया है। संविधान बचाओ मोर्चा के संयोजक मंडल के सदस्यों ने बुधवार को स्वागत होटल में संयुक्त पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से राजा मेदिनीराय की और शहीद नीलाम्बर पीतांबर की प्रतिमा उपायुक्त कार्यालय के समक्ष पलामू समाहरणालय स्थित पार्क में लगवाने की मांग की है। मोर्चा के सदस्यों ने कहा कि डालटनगंज का नाम राजा मेदिनीराय के नाम पर मेदिनीनगर किया गया लेकिन उनकी प्रतिमा नहीं लगना शर्म की बात है। राजा मेदिनी राय का कार्यकाल इतिहास में स्वर्ण काल के नाम से जाना जाता है। उपायुक्त से कई बार प्रतिमा लगाने का आग्रह किया लेकिन सिर्फ टाल-मटोल किया गया है। अन्ततः क्षुब्ध होकर सामाजिक संगठनों के संयुक्त बैनर संविधान बचाओ मोर्चा ने पिछले दिनों भगवान बिरसा मुंडा की 148वीं जयंती एवं झारखंड राज्य के 23वां स्थापना दिवस पर 15 नवंबर को कचहरी परिसर में तीनों महापुरुषों की प्रतिमा लगाई थी। साथ ही कहा कि जिस तरह मोर्चा के सदस्यों को सदर एसडीओ ने बुलाकर सहमति की बात कहकर अपनी निगरानी में 25 नवंबर की रात 8 बजे नगर निगम के जेसीबी से प्रतिमा को हटवाया है। इसका कड़ी शब्दों में निंदा करते हैं। इस मौके पर संयोजक मंडल रवि पाल (सामाजिक न्याय परिषद पलामू प्रमंडलीय अध्यक्ष), चन्द्रधन महतो (हुल झारखंड क्राान्ति दल प्रदेश उपाध्यक्ष), टाइगर रौशन मेहता (सामाजिक, न्याय परिषद का जिला अध्यक्ष), अजय सिंह चेरो (अखिल भारतीय आदिवासी महासभा सचिव), त्रिपुरारी सिंह चेरो (अखिल अखिल भारतीय आदिवासी महासभा अध्यक्ष), जंगली महतो (पेंशनर समाज उपाध्यक्ष) ललन प्रजापति, दिलकेश्वर कुशवाहा, शशि रंजन भारती, अनुराग भारती आदि लोग उपस्थित थे।

गिरिडीह में नक्सलियों ने लगाए पोस्टर, शहीदी सप्ताह को सफल बनाने का किया आह्वान

गिरिडीह, (हि.स.)। जिले के नक्सल प्रभावित पीरटांड़ और मधुबन थाना क्षेत्र के छह से अधिक इलाकों में नक्सलियों ने पोस्टर-बैनर लगाकर शहीदी सप्ताह को सफल बनाने का आह्वान किया है। बुधवार की सुबह ग्रामीणों ने देखा कि दोनों थाना इलाके के मधुबन चौक, हरलाडीह, खरपोका और पालगंज में भाकपा माओवादी नक्सलियों ने पोस्ट लगाकर लोगों से नक्सली शहीद सप्ताह को सफल बनाने का आह्वान किया। नक्सलियों ने पोस्टरबाजी के जरिए लोगो से क्रांतिकारी संगठन भाकपा माओवादी से भी जुड़ने की अपील की है। दोनों थानों की पुलिस ने जानकारी मिलते ही तमाम जगहों से पोस्टर हटा दिए हैं। उल्लेखनीय है कि गिरिडीह का प्रभार लेने के बाद एसपी दीपक कुमार शर्मा ने तीनों थानों की पुलिस को आंखें खुली रखने का निर्देश दिया है। इलाके में सूचना तंत्र को मजबूत करने का भी सुझाव दिया है। साथ ही लोगो के बीच बेहतर रिलेशन बनाने पर खास फोकस करने की बात कही है। फलस्वरूप पिछले कई महीने से इन इलाकों में एएसपी गुलशन तिर्की के नेतृत्व में सर्च ऑपरेशन में नक्सलियों के खिलाफ बम तक बरामद किए गए हैं। नक्सलियों को अब तक किसी बड़े नुकसान करने का कोई मौका तक नहीं मिला है।

विकास कार्यों के कारण दो ट्रेनें रहेंगी रद्द

रांची, (हि.स.)। विकास कार्यों के कारण दो ट्रेनें रद्द रहेंगी। रेलवे की ओर से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार चक्रधरपुर मंडल के तहत राउरकेला स्टेशन पर विकास कार्यों की वजह से रेलवे पटरी को ब्लॉक किया जाएगा। इस दौरान ट्रेन संख्या 18175 हटिया-झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर ट्रेन यात्रा प्रारंभ 29 नवम्बर और ट्रेन संख्या 18176 झारसुगुड़ा-हटिया मेमू पैसेंजर ट्रेन यात्रा प्रारंभ 30 नवम्बर को रद्द रहेगी।

पलामू में सड़क दुर्घटना में दो सगे भाइयों की मौत

पलामू, (हि.स.)। मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के डालटनगंज-पांकी मुख्य पथ पर रजवाडीह पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास बुधवार को सड़क दुर्घटना में दो सगे भाइयों की मौत हो गई। दोनों बाइक पर सवार थे। उन्हें एक ट्रक ने रौंद दिया। एक का व्यक्ति का शव रजवाडीह में पड़ा रहा जबकि ट्रक दूसरे व्यक्ति को घटनास्थल से घसीटते हुए कुछ दूर जमुने तक ले गया। सूचना मिलने ही सदर थाना पुलिस ने ट्रक को जब्त और चालक को कब्जे में ले लिया है। मृतकों की पहचान तरहसी थाना क्षेत्र के धनगाई निवासी संजू गिरी और रविंद्र गिरी के रूप में हुई है। दोनों सगे भाई थे। एक स्टांप वेंडर और दूसरा ताईद का काम करते थे। दोनों भाई एक बाइक पर सवार होकर मेदिनीनगर कचहरी आ रहे थे। सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने घटनास्थल पर पहुंचकर सड़क पर जाम लगा दिया और मुआवजे की मांग करने लगे। थाना प्रभारी गौतम कुमार भी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को जाम हटाने के लिए समझने का प्रयास कर रहे हैं।

करो या मरो के तर्ज पर आंदोलन के अल्टीमेट के साथ दो दिवसीय डाटा एंट्री ऑपरेटरों का आंदोलन खत्म

नवादा, (हि.स.) नवादा जिला डाटा एंट्री ऑपरेटर सेवा संघ के आह्वान पर बुधवार को से सेवा समायोजन को ले जिले के इंट्री ऑपरेटरों ने दो दिवसीय आंदोलन धरना प्रदर्शन करो या मरो के तर्ज पर आंदोलन के अल्टीमेटम के साथ बुधवार को खत्म हो गई। अल्टीमेटम का समय सीमा खत्म होने पर अगर कार्रवाई नहीं हुई तो चरणबद्ध आंदोलन निश्चित कल के लेकर देने कभी निर्णय लिया गया समाहरणालय के मुख्य द्वार के निकट धरना देते हुए दो दिनों तक सरकारी कामकाज ठप रखा गया इस कारण मंगलवार तथा बुधवार को सभी कार्यालयों का कामकाज ठप रहा। जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक सभी डाटा एंट्री ऑपरेटर दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल पर एकल मांग को लेकर समाहरणालय, नवादा के रैन बसेरा के पास शांतिपूर्ण धरना पर डटे रहे। सभी विभाग के टाडा इंट्री ऑपरेटर के द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमें समाहरणालय के संवर्ग के सभी विभाग, रजिस्ट्री ऑफिस, डीटीओ ऑफिस, जिला जन सम्पर्क कार्यालय, ट्रेजरी, सेल टैक्स, योजना, निर्वाचन, डायट, चेक पोस्ट, सभी प्रखंड, सभी अंचल आदि ऑफिस के कार्य बाधित हुए। उल्लेखनीय है कि बिहार राज्य के डाटा इंट्री ऑपरेटर/कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ के द्वाराएक मांग विभागी सेवा समायोजन हेतु दिनांक 05.11.2023 को पंचायत से लेकर सचिवालय स्तर तक एक दिवसीय धरना करने के पष्चात दिनांक 06.11.2023 से 11.11.2023 तक काला बिल्ला लगाकर प्रत्येक सरकारी कार्यालय पंचायत से लेकर सचिवालय तक डाटा इंट्री ऑपरेटर, प्रोग्रामर, आषुलिपिक और अन्य बेल्ट्रॉन कर्मियों का कार्य दिवस में विरोध का प्रदर्षन किया गया था।

बेल्ट्रॉन कमियों का मांग सेवा समायोजन है। बिहार राज्य के डाटा इंट्री ऑपरेटर/कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ नवादा के सचिव ने कहा कि कल तक यदि सरकार एकल मांग सेवा समायोजन पर सकारात्मक बातचीत एवं पहल नहीं करती है तो संघ मजबूर होकर अनिश्चित हड़ताल पर को जाने के लिए बाध्य हो जायेगा। उन्होंने एक स्वर में विभिन्न तरह के नारे लगाये। आवाज दो हम एक हैं, जोड़ जुर्म के टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है, इंकलाब जिंदावाद, अभी तो ये अंगराई है बाकी पूरी लड़ाई है, एकता मंच ने ठाना है सेवा समायोजन पाना है, बोल मेरे भाई सेवा समायोजन, बोल मेरी बहना सेवा समायोजन आदि। इस धरना प्रदर्षन में संघ के सचिव रविन्द्र कुमार, अध्यक्ष गुड्डू कुमार, उपाध्यक्ष मुन्ना कुमार, महिला अध्यक्षा रजनी कुमारी, भारती कुमारी, नेहा कुमारी, कल्याणी किरण, ऋषि कुमार, सत्य प्रकाष, गोपेश कुमार, प्रवीण कुमार, अभिषेक कुमार, संजय कुमार, अनिष कुमार अंकेष कुमार, अर्चना कुमारी के साथ अन्य ऑपरेटर उपस्थित थे।

एबीवीपी ने मधेपुरा में राष्ट्रीय अधिवेशन का पोस्टर विमोचन किया

सहरसा/मधेपुरा, (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मधेपुरा नगर इकाई के द्वारा टीपी कॉलेज मधेपुरा में 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन का पोस्टर विमोचन किया गया। जिसमें बिहार के प्रदेश मंत्री अभिषेक यादव ने बताया कि 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली के इंद्रप्रस्थ नगर डीडीए मैदान में सात से 10 दिसम्बर तक होगा। देश के विभिन्न राज्यों के एबीवीपी पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

इसमें युवाओं को एबीवीपी की रीति नीति के बारे में जानकारी दी जाएगी। प्रांत सह शोध प्रमुख रंजन यादव ने कहा कि अधिवेशन विभिन्नता में एकता का प्रतीक होगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सामाजिक मुद्दों एवं संगोष्ठी के माध्यम से कार्यकताओं के अंदर नई ऊर्जा का प्रभाव किया जाएगा। इस दौरान जिला संयोजक सौरभ यादव ने कहा कि सम्मेलन में संगठन की रीति नीति एवं कार्य पद्धति के बारे में जानकारी के साथ ही कैसे सामाजिक बदलाव किया जाना चाहिए के बारे में जानकारी दी जाएगी। मौके पर मौजूद प्रदेश एसएफएस प्रमुख राजू सनातन एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य समीक्षा यदुवंशी ने कहा कि राष्ट्रीय अधिवेशन में लघु भारत का झलक दिखाई देगी। इस मौके पर टीपी कॉलेज अध्यक्ष अंकित आनंद, कॉलेज कार्यकारिणी सदस्य अंकित कुमार, पी एस कॉलेज अध्यक्ष नवनीत सम्राट, अजय कुमार, बबलू कुमार, अंजली कुमारी, स्नेहा कुमारी एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिहार के विकास में योगदान के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किए गए बरौनी रिफाइनरी प्रमुख

बेगूसराय, (हि.स.)। मैथिल भाषा-भाषियों की प्रतिनिधि संस्था चेतना समिति के तत्वावधान में पटना में आयोजित तीन दिवसीय विद्यापति स्मृति पर्व समारोह में बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आर.के. झा को बिहार राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए सचिव उमेश मिश्र ने समिति की गतिविधियों के सम्पादन में समाज के सभी वर्गों के लोगों के सहयोग अपेक्षा की। उन्होंने अपने दैनिक जीवन में भी पारंपरिक संस्कार गीत को अपनाने की अपील की। समिति की अध्यक्ष निशा मदन झा ने सरकार से मिथिलांचल में मैथिली के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा देने की व्यवस्था करने तथा मैथिली को बिहार की राजभाषा बनाने की मांग की। समारोह के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के विकास आयुक्त विवेक सिंह ने मैथिली को मिथिलांचल के सभी जाति-धर्म, वर्ग के लोगों की भाषा बताया तथा हर किसी को इस भाषा का अधिकाधिक उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने लोगों से मिथिला की समृद्ध कला संस्कृति और सभ्यता को संजोने की अपील की। इस संदर्भ में उन्होंने मिथिला के गीत परम्परा की चर्चा की। इस अवसर पर बिहार के महानिरीक्षक (कारा सुधार) शीर्षत कपिल अशोक ने मैथिली भाषा की मिठास उसकी स्मृद्धि का वर्णन किया तथा विद्यापति की रचनाओं को कालजयी बताते हुए उन्हें युग पुरुष की संज्ञा दी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आर.के. झा ने एकीकरण और देशभक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी वर्ग, धर्म, जाति के लोगों को एक सूत्र में पिरोकर ही विकास संभव है। इस अवसर पर बिहार के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए आर.के. झा को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि 18 नवम्बर 1963 को पैदा आर.के. झा बरौनी रिफाइनरी टाउनशिप में पले-बढ़े। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा बरौनी, हायर सेकेंडरी साइंस कॉलेज पटना और बी.टेक बीआईटी सिंदरी से केमिकल इंजीनियरिंग में पूरी की। श्री झा के पास एनर्जी मैनेजर के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन है। उन्होंने ग्लोबल ग्रेजुएट स्कूल सिंगापुर से बिजनेस लीडरशिप पर ऑनलाइन हाइब्रिड सर्टिफिकेट प्रोग्राम पूरा किया है। वे ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली आईएसओ 500001:2011 के लिए लीड ऑडिटर भी हैं। तेल और गैस उद्योग में 35 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ श्री झा मुख्यधारा के संचालन, तकनीकी सेवाओं और ऊर्जा संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 1989 में वे प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में बोंगाईगांव रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड में शामिल हुए, जिसका 2009 में इंडियन ऑयल में विलय हो गया। श्री झा ने इंडियन ऑयल की बोंगाईगांव और बरौनी रिफाइनरी के लिए महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वह ऊर्जा प्रबंधन और पर्यावरण चेतना के चैंपियन रहे हैं। श्री झा कहते हैं कि किसी संगठन का मूल्य उसके लोगों को सुरक्षित और आकर्षक कार्य व्यवस्था प्रदान करने तथा पर्यावरण देखभाल शामिल है। जिससे धरती माता और उसकी जैव विविधता का पोषण और संरक्षण हो सके। उन्होंने वर्ष 2022-23 में 6.78 एमएमटीपीए का उच्चतम क्रूड थ्रूपुट हासिल करके (ऑपरेशन के 58 वर्षों में उच्चतम) बरौनी रिफाइनरी के शानदार प्रदर्शन का समर्थन किया। रिफाइनरी को अब तक के सबसे कम ईंधन और हानि, एमबीएन एवं ऊर्जा दक्षता सूचकांक (ईआईआई) हासिल करने के लिए प्रेरित किया, जो रिफाइनरी की ऊर्जा दक्षता को दशार्ता है। उन्होंने रिफाइनरी द्वारा नौ एमएमटीपीए से कम रिफाइनरी क्षमता की श्रेणी में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ रिफाइनरी प्रदर्शन सुधार पुरस्कार 2023 जीतने का नेतृत्व किया। इन्हीं के कार्यकाल में बरौनी रिफाइनरी को 2022 एवं 2023 के लिए तीन पीआरएसआई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

संपादकीया

कर्ज में डूबा भारत

बीते दिनों एक खबर आई थी कि भारत की अर्थव्यवस्था 4 ट्रिलियन डॉलर को छूने को है। यदि हम 4 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच जाते, तो देश में जश्न का माहौल होता, क्योंकि विश्व स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया जाता और भारत जर्मनी को पछाड़ कर चौथे स्थान पर आ सकता था, लेकिन चह खबर 'अद्र्धसत्य' थी। हम अब भी 4 ट्रिलियन डॉलर से दूर हैं। सत्तारूढ़ चेहरे अपने राजनीतिक प्रचार में 2047 के 'विकसित भारत' के सपने बेच रहे हैं, जबकि यथार्थ यह है कि भारत कर्ज में डूबा है। भारत पर 152 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है, जो मौजूदा वित्त-वर्ष के अंत तक करीब 170 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। देश में 21 राज्य ऐसे हैं, जो कर्ज लेकर अपने कर्मचारियों के वेतन-भत्ते, पेंशन आदि का भुगतान करते हैं और अन्य खर्चों को पूरा करते हैं।

भारत पर 152 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है, जो मौजूदा वित्त-वर्ष के अंत तक करीब 170 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। देश में 21 राज्य ऐसे हैं, जो कर्ज लेकर अपने कर्मचारियों के वेतन-भत्ते, पेंशन आदि का भुगतान करते हैं और अन्य खर्चों को पूरा करते हैं। उनकी आमदनी का करीब 23 फीसदी हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में ही खर्च करना पड़ रहा है। बिजली, पानी, सडक़ सरीखे विकास-कार्य भी कर्ज के संसाधनों से चल रहे हैं। बेशक राज्यों की आमदनी, बीते पांच साल में, करीब 47 फीसदी बढ़ी है, लेकिन कर्ज के ब्याज का भुगतान और अन्य खर्च करीब 77 फीसदी बढ़ गए हैं। आमदनी अठन्नी और खर्च रुपया... ! राज्यों का यह कर्ज 76.06 लाख करोड़ रुपए हो चुका है। आय और व्यय के ऐसे असंतुलन को 'राजस्व घाटा' कहते हैं और खर्चों के बढ़ते बोझ को 'वित्तीय घाटा' करार दिया जाता है। 2023 की पहली छमाही में 21 राज्यों का राजस्व घाटा 70,000 करोड़ रुपए और वित्तीय घाटा 3.5 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया। ये चेतावनी वाले आंकड़े हैं। फरवरी, 2024 की शुरुआत में ही केंद्र सरकार संसद में लेखानुदान पेश करेगी, तो कई आंकड़े चौंका देने वाले होंगे। मई के आम चुनाव के बाद जो सरकार बनेगी, वह नया बजट पेश करेगी।

उनकी आमदनी का करीब 23 फीसदी हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में ही खर्च करना पड़ रहा है। बिजली, पानी, सडक़ सरीखे विकास-कार्य भी कर्ज के संसाधनों से चल रहे हैं। बेशक राज्यों की आमदनी, बीते पांच साल में, करीब 47 फीसदी बढ़ी है, लेकिन कर्ज के ब्याज का भुगतान और अन्य खर्च करीब 77 फीसदी बढ़ गए हैं। आमदनी अठन्नी और खर्च रुपया... ! राज्यों का यह कर्ज 76.06 लाख करोड़ रुपए हो चुका है। आय और व्यय के ऐसे असंतुलन को 'राजस्व घाटा' कहते हैं और खर्चों के बढ़ते बोझ को 'वित्तीय घाटा' करार दिया जाता है। 2023 की पहली छमाही में 21 राज्यों का राजस्व घाटा 70,000 करोड़ रुपए और वित्तीय घाटा 3.5 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया। ये चेतावनी वाले आंकड़े हैं। फरवरी, 2024 की शुरुआत में ही केंद्र सरकार संसद में लेखानुदान पेश करेगी, तो कई आंकड़े चौंका देने वाले होंगे। मई के आम चुनाव के बाद जो सरकार बनेगी, वह नया बजट पेश करेगी। पूर्ण सत्य तब सामने आएगा, लेकिन यह सिलसिला जारी है कि देश और राज्यों के आय-व्यय के बीच गहरे फासले हैं। आम आदमी इन तथ्यों से बेखबर रहता है, लेकिन राजनीतिक दल चुनावों में 'मुफ्त की रसमलाई' बांट रहे हैं। भाजपा, कांग्रेस, 'आप' से लेकर अधिकतर क्षेत्रीय दल इस 'हम्माम में नंगे' हैं। कोई भी यह यथार्थ देश की जनता से साझा करने को तैयार नहीं है कि देश कर्ज के जाल में जकड़ा है। इस तरह हम 'विकसित अर्थव्यवस्था' नहीं बन सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी बिंदु पर अपना राजनीतिक प्रचार जारी रखा है। वह 2047 की स्थिति के लिए जवाबदेह भी नहीं होंगे, क्योंकि वह पांच और साल प्रधानमंत्री रह सकते हैं। बहरहाल राज्यों की आमदनी और खर्च में पांच, चार, दो गुना अंतर होता है, तो हम अपने आर्थिक भविष्य का आज से ही मूल्यांकन कर सकते हैं। देश की आर्थिक स्थिति का यह कथानक कपोल-कल्पित नहीं है, बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक की ताजा रपट पर आधारित है। कर्जदार राज्यों की इस सूची में महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे सम्पन्न राज्य भी शामिल हैं। बड़े 18 राज्यों में से 7 का आय-व्यय का असंतुलन दोगुने से भी ज्यादा हो गया है। घाटे को समेटने के लिए लगातार बाजार से कर्ज लेना पड़ रहा है। असंतुलन की इस सूची में उप्र, मप्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, बिहार और पंजाब आदि राज्य हैं। इन 21 राज्यों में पहली छमाही में ही पूंजीगत निवेश करीब आधा रह गया है। तो सवाल है कि हम आर्थिक स्तर पर मजबूत कैसे होंगे? इस असंतुलन के मायने ये नहीं हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था बहुत जल्द रसातल की ओर जाने लगेगी। हमारा कारोबार बढ़ रहा है, निर्यात और उत्पादन में विस्तार हुआ है, भारत 'मैन्युफैक्चरिंग हब' बनने की कोशिश कर रहा है। करीब 395 लाख करोड़ की आर्थिकी भी कम नहीं है, लेकिन बढ़ते हुए कर्ज अत्यधिक हैं। हम राजनीतिक दलों को समझा नहीं सकते। 'मुफ्तखोरी' ही जन-कल्याण नहीं है।

एक-दूसरे के सुखों और इच्छाओं का निर्वाह और उनके लिए त्याग की भावना का महत्व रहा है

कुटुंब प्रबोधन का प्रेरक श्रीराम परिवार

शिवेश प्रताप

मनुष्य से पुरुषोत्तम बनकर यानी मृत्यु से अमरत्व की ओर बढ़ने की यात्रा के पथ प्रदर्शक श्रीराम हैं। अपने भीतर छुपी संभावना और सुख-शांति की अभीप्सा को पूरा कर सकने की आकांक्षा के बीच, रामचरितमानस में राम इस मार्ग का संकेत हैं कि मनुष्य के स्वरूप को चरितार्थ करने और उससे ऊपर उठने और अपने भीतर निहित संभावनाओं को साकार करने का कोई लघुमार्ग (शॉर्टकट) नहीं हैं। पारिवारिक, सामाजिक और लौकिक जीवन के कर्तव्य परायणता में राम ने अपने आचरण और व्यवहार से जो मानक स्थापित किए, उन मानकों में यह संभावना हमेशा निहित रही कि व्यक्ति का व्यवहार, परिस्थिति के अनुसार भले बदलता रहे, लेकिन उसका अंतरंग स्थिर रहे।

रामचरितमानस एक ओर राम का जीवन चरित्र व मनुष्य जाति के अनुभवों का उत्कट निचोड़ है तो दूसरी ओर यह 'नाना पुराण निगमागम सम्मतं यद्' होकर सनातन धर्म के सभी मानक ग्रंथों के अर्क स्वरूप भी है, जिसे मानस के अंत में 'छहों शास्त्र सब ग्रन्थन को रस' कह कर दोबारा पुष्ट कर दिया गया है। मनुष्य से पुरुषोत्तम बनकर यानी मृत्यु से अमरत्व की ओर बढ़ने की यात्रा के पथ प्रदर्शक श्रीराम हैं। अपने भीतर छुपी संभावना और सुख-शांति की अभीप्सा को पूरा कर सकने की आकांक्षा के बीच, रामचरितमानस में राम इस मार्ग का संकेत हैं कि मनुष्य के स्वरूप को चरितार्थ करने और उससे ऊपर उठने और अपने भीतर निहित संभावनाओं को साकार करने का कोई लघुमार्ग (शॉर्टकट) नहीं हैं। पारिवारिक, सामाजिक और लौकिक जीवन के कर्तव्य परायणता में राम ने अपने आचरण और व्यवहार से जो मानक स्थापित किए, उन मानकों में यह संभावना हमेशा निहित रही कि व्यक्ति का व्यवहार, परिस्थिति के अनुसार भले बदलता रहे, लेकिन उसका अंतरंग स्थिर रहे। मानव उन्हीं मूल्यों का प्रतिनिधित्व करे जो शाश्वत हो, जो मनुष्य और समाज के लिए हमेशा उपयोगी और ऊंचा उठाने वाले हों। उदाहरण के लिए परिवार को ही लें, राम में परिवार के अनुशासन, सबके प्रति विश्वास, एक-दूसरे के सुखों और इच्छाओं का निर्वाह और उनके लिए त्याग की भावना का महत्व रहा है। इन मूल्यों का निर्वाह रामचरित के हर प्रसंग में होता दिखाई देता है। क्षण भर में राजमुकुट धारण कर राजा राम बनने वाले वनवासी राम बनने हेतु बल्कल वस्त्र पहन लेते हैं और पिता के वचनों एवं माता कैकेयी के प्राप्त वरदान हेतु वन जाने हेतु निकल जाते हैं। व्यक्तिगत जीवन में राम ने एक ओर मर्यादाओं की प्रतिष्ठा की तो दूसरी ओर उन्होंने जहां जरूरी समझा, वहां मान्यताओं में दखल भी दिया। शूर्पणखा का अंग-भंग, अहिल्या को पुनर्जीवन और प्रतिष्ठा, एक पत्नीव्रत, बाली उद्धार, शबरी उद्धार, विभीषण को लंका का राज दे देना आदि कई प्रसंग हैं, जिनमें वह परंपरा से हटकर काम करते हैं। यह सब करते हुए वह धर्म-मर्यादा की स्थापना ही कर रहे होते हैं क्योंकि मर्यादा की स्थापना ही धर्म की शाश्वतता को बनाये रखती है। यदि यज्ञाग्नि भी मर्यादा का उल्लंघन करे तो उसे जल के द्वारा नियंत्रित करने का विधान धर्म का ही है। यदि इन कामों को पारिवारिक और सांस्थानिक रचनाओं के भरोसे छोड़ा जाता तो संभवतः पंचायतें, न्यायालय, दंडाधिकारी और समितियों को उन नतीजों पर पहुंचने में वर्षों लग जाते और न्याय की प्रक्रिया संपन्न होते- होते वह अर्थहीन व अनुपयोगी हो जाते। टूटते संयुक्त परिवारों का सहाराः इन दिनों परिवार का ढांचा बदल रहा है, संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। कई जगह तो नौकरी के कारण पति-पत्नी और बच्चों के लिए भी अलग तरह से सोचना और व्यवस्था बनानी पड़ रही है। ऐसे में जब कि ज्ञान परम्परा का एक पीढ़ी से दूसरी में प्रवाह बाधित हो गया है

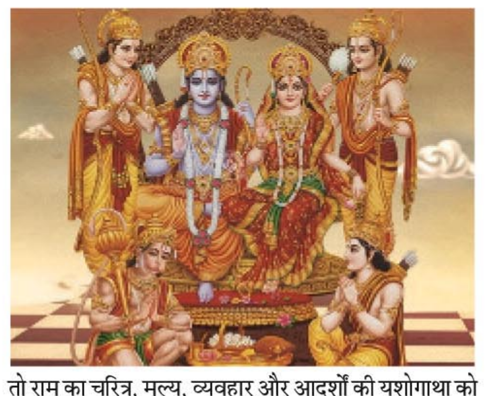

तो राम का चरित्र, मूल्य, व्यवहार और आदर्शों की यशोगाथा को समेटे श्री रामचरितमानस/ रामायण जीवन का संविधान बन सकता है। आज के बड़े-बड़े फैमिली सलाहकार अपनी सलाह में परिवारों में यही अंतिम सत्य बताते हैं कि परिवार वह इकाई है जहां आप तर्कों और जय-पराजय से समाधान नहीं पा सकते अपितु त्याग के द्वारा कर्तव्य पालन करके ही सुख शांति प्राप्त करेंगे। यह मान्यता भारत में त्रेतायुग में ही प्रभु राम के जीवन से स्थापित हो चुकी थी। राम परिवार के आदर्श-स्नेह, सहयोग, सद्भाव और विश्वास को आधार बनाकर आपसी संबंधों, कर्तव्यों और दायित्वों को समझा और निबाहा जा सकता है। जब राम, लक्ष्मण और सीता वनवास संपन्न कर अयोध्याजी वापस आते हैं तो माता कौशल्या ने मिलते ही सबसे पहले लक्ष्मण से आकुल होकर पूछा कि मुझे दिखाओ तुम्हें शक्ति कहां लगी थी, पुत्र तुम्हें कितनी वेदना से गुजरना पड़ा ! लक्ष्मण जी ने इसका उत्तर दिया, 'वेदना राघवेन्द्रस्य केवलं व्रणिनो वयम' (वाल्मीकि रामायण) अर्थात हमें तो केवल घाव हुआ था, वेदना तो बड़े भाई राम को हुई थी। बस यही राम का सार है की सभी एक-दूसरे के भाव, प्रेम, हर्ष और विषाद में एकरस हो जाएं। राम जी के छोटे भाई भरत जी का चरित्र तो ऐसा है की कहीं-कहीं उनकी श्रद्धा, समर्पण और मर्यादा रूपी हिमालय के आगे रामजी लघु प्रतीत होते हैं। भाई की चरण पादुका से राज चलाना और स्वयं नंदीग्राम में भूमि पर सोना और पर्णकुटी में रहना। राम जी अपने भाई भरत को राजधर्म की सीख देते हुए कहते हैं की, 'मुखिआ मुखु सो चाहिए' यानि मुखिया मुख के समान होना चाहिए, जो स्वयं के पोषण या सुख में अकेला है , परन्तु विवेक पूर्वक सब अंगों का पालन-पोषण करता है। राम और भरत का चरित्र भरत-मिलाप प्रसंग में एक दूसरे के सामने ऐसे अडिग हैं की गोस्वामी तुलसीदास को लिखना पड़ता है 'धीर धुरंधर धीरजु त्यागा' यानि भरत जी के असीम त्याग और मर्यादा के समक्ष धैर्य की धुरी धारण करने वाले श्रीराम को भी अपना धीरज प्रेमाश्रुओं के सामने तोड़ देना पड़ता है। अयोध्या के एक राजकुमार श्री राम द्वारा सुदूर वन में हनुमान को आभार व्यक्त करने के क्रम में कहा जाता है, मय्येव जीर्णतां यातु यत्त्वयोपकृतं हरे। नरः प्रत्युपकारार्थी विपत्तिमनुकाङ्क्षति॥ (हे कपिकुलनन्दन।) आपने जो मेरे साथ उपकार किया है वह मेरे में ही जीर्ण हो जाय (मुझमें पच जाय), बाहर अभिव्यक्ति का कोई अवसर ही न आवे, क्योंकि प्रत्युपकार करने वाला व्यक्ति अपने उपकारी के लिये विपत्ति की कामना करता है, जिससे उसे अपने प्रत्युपकार के लिए उचित अवसर मिले (वा. रामायण)। भगवान राम के समय में सनातन संस्कृति के वैचारिक मानदंडों पर विचार करें और उस काल खंड में संसार की अन्य संस्कृतियों के विकास से तुलना करें तो सहज ही आपको यह अनुभव होगा कि राम और अयोध्या के समाज का उत्कृष्ट सामाजिक एवं पारिवारिक मूल्य कितना ऊंचा था और संसार भर में क्यों प्रासंगिक हुआ। सुख-दुःख की अनुभूतिः आज पश्चिमी मनोविज्ञान इस स्थिति में पहुंचा जहां दबे स्वर में स्वीकारा जा रहा कि सुख-दुःख वास्तव में भौतिक संसाधनों पर निर्भर नहीं करते। सुख-दुःख मनुष्य की अनुभूति के ही परिणाम हैं, उसकी मान्यता, कल्पना एवं अनुभूति विशेष के ही रूप में सुख-दुख का स्वरूप बनता है। जैसा मनुष्य का भावना स्तर होगा उसी के रूप में सुख-दुःख की अनुभूति होगी। एक ओर जहाँ पश्चिमी संसार सुख को परिभाषित करने में भौतिक संसाधनों के अंतहीन दौड़ में लगा है वहीं सनातन धर्म में सुख-दुःख का विमर्श एक साथ त्रेतायुग से होता आया है। हम मानते हैं कि सुख और दुःख दो भिन्न अवस्थाएं होते हुए भी एक-दूसरे के पूरक हैं। मृत्युशैय्या पर पड़े हुए दशरथ से मंत्री सुमंत्र कहते हैं।

जनम मरन सब दुख सुख भोगा। हानि लाभु प्रिय मिलन बियोगा॥
काल करम बस होहि गोसाई। बरबस रात्रि दिवस की नाई।
सुख हरषहिं जड़ दुख बिलखाहीं। दोउ सम धीर धरहिं मन माहीं॥

अर्थात जन्म-मरण, सुख-दुःख के भोग, हानि-लाभ, प्यारों का मिलना-बिछुड़ना, ये सब हे स्वामी, काल और कर्म के अधीन रात और दिन की तरह बरबस होते रहते हैं। मूर्ख लोग सुख में हर्षित होते और दुःख में रोते हैं, पर धीर पुरुष अपने मन में दोनों को समान समझते हैं। (मानस) श्रीराम, कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकताःभगवान श्रीराम एवं उनके समाज का चिंतन केवल रावण को मारकर सीता माता की प्राप्ति तक सीमित कर देना उचित नहीं है, जैसा कि आज के डिजिटल विमर्श में चहुंओर दिखाई दे रहा है। आज जब की भारतीय समाज एकजुट होकर श्री अयोध्या जी में प्रभु राम का भव्य मंदिर बना रहा है तो ऐसे में हम सभी को समाज की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यानी अपने परिवार के प्रबोधन पर विशेष बल देना चाहिए।

दृष्टि कोण

आखिर मनुष्य पर भरोसा ही काम आया...!

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सिलक्यारा टनल (सुरंग) का एक हिस्सा ढह जाने से वहां फंसे 41 मजदूरों को 17 वें दिन सकुशल निकाले जाने के अभूतपूर्व बचाव अभियान ने रेस्क्यू ऑपरेशनों के इतिहास में एक नया अध्याय रच दिया है। यह समूचा घटनाक्रम मनुष्य की जिजीविषा और मानवीय गलतियों का मिश्रित आख्यान है, जो अंततः मनुष्य की सर्वश्रेष्ठता को साबित करता है। साथ ही प्रकृति से दुस्साहसिक छेड़छाड़ से आगाह भी करता है। तमाम खट्टे- मीठे और आस-निरास से भरे इस महाअभियान ने यह फिर से साबित किया कि मनुष्य और उसकी इच्छाशक्ति तमाम मशीनों और प्रौद्योगिकियों पर भारी है। आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस से मानव सभ्यता को मिल रही चुनौतियों का सिलक्यारा टनल ऑपरेशन सटीक जवाब है। जब सारी मशीने फेल हो गईं तब मानव शक्ति और जिद ही काम आई। मनुष्य को बचाने के लिए मनुष्य के हाथ ही सर्वशक्तिमान साबित हुए। आस्था ने

अनास्था को अतिक्रमण नहीं करने दिया। धैर्य और संयम, अवसाद और निराशा पर भारी पड़ा। मृत्यु पर मनुष्य की जिजीविषा की ताकत सवा सेर सिद्ध हुई। फिर भरोसा बना कि मनुष्य का मनुष्य ही रक्षक है। मनुष्य बचेगा तो मानवता बचेगी। उत्तर काशी का यह बचाव अभियान विश्व के अब तक सबसे लंबे चले थाम लुंग गुफा रेस्क्यू ऑपरेशन का रिकॉर्ड भले न तोड़ पाया हो, लेकिन उसकी लगभग बराबरी जरूर कर गया। गौरतलब, है कि 23 जून 2018 को थाईलैंड किशोर फुटबॉल खिलाड़ियों की एक टीम प्रेक्टिस के दौरान अपने सहायक कोच के साथ थाम लुआंग नांग नोम गुफा में उसे देखने पहुंची। थोड़ी बाद ही मौसम बदला और भारी बारिश शुरू हो गई। बाढ़ और पानी की तेज धारा ने गुफा से निकलने का रास्ता बंद कर दिया। उन गुफा में फंसे बच्चों को सुरक्षित निकालना पूरी मानवता के लिए चुनौती बन गया। बच्चों से कोई संपर्क न होने से यह पता लगाना भी मुश्किल था कि गुफा में फंसे बच्चे जिंदा है भी या नहीं। पूरे थाईलैंड में भारी चिंता फैल गई। वहां की सरकार ने दुनिया भर से बचाव अभियान में सहायता मांगी। घटना के नौवें दिन ब्रिटिश गोताखोरों ने पता लगाया कि गुफा में कैद बच्चे जिंदा हैं। ये बच्चे गुफा के प्रवेश द्वार से चार किमी दूर एक उठी हुई चट्टान पर शरण लिए हुए थे। लेकिन सवाल यह था कि भारी मानसूनी बारिश में इन बच्चों को कैसे सुरक्षित निकाला जाए। इसके लिए बहुत व्यापक बचाव अभियान चलाया गया और अंततः घटना के 18 वें दिन गुफा में फंसे सभी 12 बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया। इस पूरे महाभियान में 10 हजार से ज्यादा राहत कर्मी, 100 गोताखोर, 100 सरकारी एजेंसियां, 2900 पुलिस कर्मी, 10 पुलिस के हेलीकॉप्टर, 7 एंबुलेंस, 100 डायविंग सिलेंडर लगे थे। बच्चों को बचाने के लिए गुफा से एक अरब लीटर पानी उलीचना पड़ा था। 18 जुलाई 2018 को यह बेहद चुनौतीभरा अभियान सफलतापूर्वक पूरा हुआ। हालांकि, इस अभियान के दौरान थाई सेना को अपना एक नेवी सील कमांडो खोना पड़ा था। इसी कड़ी में ताजा उत्तरकाशी टनल बचाव अभियान भी थाम लुआंग गुफा से कम चुनौतीपूर्ण नहीं था। राहत की बात केवल इतनी थी कि जो मजदूर टनल के धंसने से दूसरे सिरे पर फंस गए थे, उनसे संपर्क जल्द ही स्थापित हो गया था और यह संपर्क ही जीवन ज्योत जलते रहने की गारंटी साबित हुआ। थाम लुआंग में 12 बच्चे थे, सिलक्यारा टनल में 41 युवा मजदूर फंसे थे, जिन्हें इस बात का अहसास शायद ही होगा कि जिस टनल का 60 फीसदी काम वो पूरा कर चुके थे, उसकी छत अचानक एक दिन धंस जाएगी और उनके लौटने का रास्ता बंद हो जाएगा।

कुछ अलग

हिंदी के लिए उच्च शिक्षा संस्थान की अनुकरणीय पहल

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) ने नेतृत्व कौशल विकास पर 10 दिन का कार्यक्रम अगले वर्ष जनवरी में आयोजित किया है। सरकारी तौर पर यह एक सामान्य सी खबर लग सकती है क्योंकि ऐसे कार्यक्रम विभिन्न सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थानों में आयोजित होते रहते हैं। यहां तक कि जूनियर कॉलेजों तक में ऐसे कार्यक्रम होने लगे हैं ताकि नई पीढ़ी नेतृत्व कौशल के महत्व को समझकर खुद में नेतृत्व के गुण विकसित करे। इंदौर आईआईएम का यह कार्यक्रम एक विशेष कानून से विशिष्ट बन गया है। उसने नेतृत्व कौशल का यह कार्यक्रम हिंदी में आयोजित किया है। आमतौर पर ऐसे कार्यक्रम अंग्रेजी में ही होते हैं। क्योंकि यह गलतफहमी है कि अंग्रेजी से ही हर भारतीय गुणी और विद्वान बन सकता है तथा अंग्रेजी के ज्ञान के बिना उसका भविष्य अंधकारमय है। यह भी बहुत बड़ी गलतफहमी है कि दुनिया अंग्रेजी के ही भरोसे चलती है। अमेरिका और ब्रिटेन को छोड़ दिया जाए तो दुनिया के तमाम विकसित देशों में वहां की स्थानीय भाषा ही राष्ट्रभाषा है तथा उसी से शिक्षा एवं प्रशासन से लेकर सारा कामकाज चलता है। हम अपने पड़ोसी मुल्कों की ही बात कर लें तो चीन में प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा वहां की राष्ट्रभाषा में दी जाती है, सरकारी कामकाज भी राष्ट्रभाषा में ही होता है। म्यांमार, जापान, थाइलैंड जैसे देशों की बात करें तो वहां भी अंग्रेजी का स्थान गौण है। हम भाषा को लेकर अब भी औपनिवेशिक संस्कृति की मानसिकता में जी रहे हैं जिससे अब तक हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा आधिकारिक तौर पर नहीं मिल सका है। हिंदी दुनिया की सबसे ज्यादा बोली समझी तथा पढ़ी जानेवाली भाषा है। दुनिया में सौ करोड़ से ज्यादा लोग हिंदी बोल और पढ़-लिख सकते हैं। दुनिया के सौ से ज्यादा देशों के विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। भारत में पिछले चार दशकों से अंग्रेजी का चलन तेजी से बढ़ा है। आदमी अमीर हो या गरीब, वह अपने बच्चे को अंग्रेजी में ही शिक्षा दिलवाना चाहता है। इसका बहुत बुरा असर हिंदी के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं पर भी दिखाई देने लगा है। हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा देने के लिए पिछले तीन दशकों में निजी एवं सरकारी क्षेत्र में एक भी नए स्कूल नहीं खुले हैं। उनकी जगह अंग्रेजी माध्यम के स्कूल लेने लगे हैं। हिंदी तथा क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा के निरंतर पिछड़ेपन का कारण मानसिकता से जुड़ा हुआ है। आजादी के बाद से ही तकनीकी तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शिक्षा का एकमात्र माध्यम अंग्रेजी रहा। शिक्षा का जैसे-जैसे निजीकरण बढ़ा, अंग्रेजी का प्रभाव भी बढ़ता गया। गांव-गांव तक यह प्रचारित कर दिया गया कि बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक या किसी भी क्षेत्र में सफल व्यक्ति बनना है तो उसे अंग्रेजी में शिक्षा दिलाना बहुत जरूरी है। हिंदी या क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाने का मतलब बच्चे का भविष्य चौपट करना भाषाओं के माध्यम से पढ़ने पर बच्चे मामूली हैसियत की नौकरी ही पा सकते हैं। आज हर भारतीय अंग्रेजी को ही तारणहार मानकर चल रहा है। अंग्रेजी बोलना और बच्चे को अंग्रेजी माध्यम की शाला में पढ़ाना सामाजिक प्रतिष्ठा एवं आर्थिक समृद्धि का प्रतीक समझा जाने लगा है। अंग्रेजी इतना बड़ा स्टेटस सिंबल बन गया है कि हिंदी तथा क्षेत्रीय भाषा जानने और उसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने वालों को सम्मान की दृष्टि से देखा नहीं जाता। इस स्थिति के लिए राजनीतिक नेतृत्व में मजबूत इच्छाशक्ति का अभाव जिम्मेदार है। स्वतंत्रता के बाद अंग्रेज तो चले गए लेकिन भारतीय राजनीतिक नेतृत्व को अंग्रेजी की घुट्टी पिलाकर गए।

देश दुनीया से

प्रॉक्सी वार युद्ध का नया स्वरूप

वर्तमान में दुनिया के कई मुल्क छद्म युद्ध को अपनी रणनीति का हिस्सा बना चुके हैं। छद्म युद्ध यानी अपनी सैन्य ताकत का प्रत्यक्ष उपयोग न करते हुए दुश्मन के खिलाफ किसी विद्रोही बल या चरमपंथी व आतंकी संगठनों के द्वारा अप्रत्यक्ष हमले को अंजाम देना। किसी भी देश को अस्थिर करने के लिए व बिना लड़े उसी के घर में तबाही मचाने के लिए आतंक सबसे कारगर हथियार साबित होता है। आतंक विश्व के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है, फिर भी कई देश आतंकी संगठनों को धन, गोला-बारूद व हथियार मुहैया करवा कर प्रॉक्सी वार को बढ़ावा देकर अपना वर्चस्व कायम करने में लगे हैं।

आश्चर्य डर, तोडफ़ोड़, हत्या के जरिए दुश्मन को अंदर से भयभीत कर दो, यही भविष्य का युद्ध है'। यह तहरीर द्वितीय विश्व युद्ध को अंजाम देकर बर्तानियां हुकूमत का सूर्यास्त करने में अहम किरदार रहे जर्मन के कुख्यात तानाशाह 'एडोल्फ हिटलर' की थी। नौ दशक पूर्व हिटलर के दिमाग में आया यह विचार मौजूदा दौर में सही साबित हो रहा है। बदलते वक्त के साथ युद्धों का स्वरूप भी बदल चुका है। वर्तमान में दुनिया के कई मुल्क छद्म युद्ध को अपनी रणनीति का हिस्सा बना चुके हैं। छद्म युद्ध यानी अपनी सैन्य ताकत का प्रत्यक्ष उपयोग न करते हुए दुश्मन के खिलाफ किसी विद्रोही बल या चरमपंथी व आतंकी संगठनों के द्वारा अप्रत्यक्ष हमले को अंजाम देना। किसी भी देश को अस्थिर करने के लिए व बिना लड़े उसी के घर में तबाही मचाने के लिए आतंक सबसे कारगर हथियार साबित होता है। आतंक विश्व के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है, फिर भी कई देश आतंकी संगठनों को धन, गोला-बारूद व हथियार मुहैया करवा कर प्रॉक्सी वार को बढ़ावा देकर अपना वर्चस्व कायम करने में लगे हैं। पारंपरिक युद्धों में करोड़ों रुपए के खर्च के अलावा जान-माल का भारी नुकसान तथा हजारों की

तादाद में सैनिकों की हलाकत के बाद भी फतह सुनिश्चित नहीं होती। खुद को दुनिया का सुपर पावर मानने वाले अमेरिका की सेना का वियतनाम, इराक व अफगानिस्तान के युद्धों में जो हश्र हुआ है वो किसी से छिपा नहीं है। आतंक किसी भी देश के खिलाफ प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष से कहीं अधिक शदीद नुकसान पहुंचाने की सलाहियत रखता है। सात अक्तूबर 2023 को इजरायल पर हमास द्वारा किया गया आतंकी हमला छद्म युद्ध का ताजातरीन उदाहरण है। भारत लगभग चार दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित छद्म युद्ध की मार झेल रहा है। गत 22 नवंबर 2023 को कश्मीर के राजौरी इलाके में आतंकियों से एनकाउंटर के दौरान भारतीय सेना के दो अधिकारी व पैरा कमांडो के तीन जवान शहीद हो गए। वजूद में आने के बाद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ चार युद्धों को अंजाम दिया, मगर भारतीय सेना के पलटवार से पाक आलमी सतह पर बुरी तरह जलील हुआ था। सन 1971 की जंग में अपने दामन पर लगे शिकस्त के बदनुमां दाग मिटाने के लिए पाक जरनैलों ने अब्दुल्ला सईद की कयादत में एबटाबाद स्थित पाक सैन्य अकादमी 'काकुल' में प्रशिक्षण ले रहे युवा अफसरों को भारत से इंतकाम लेने की शपथ दिलाई थी। मगर पाक सैन्य रणनीतिकारों ने भारतीय सेना के आक्रामक तेवरों को पूरी तफसील से भांप लिया कि पारंपरिक सैन्य क्षमता के लिहाज से पाक फौज भारत के सामने ज्यादा देर तक नहीं टिक सकती। अतः पाक हुक्मरानों ने भारत को दहलाने के लिए अपने मुल्क को आतंक की पनाहगाह बनाकर दहशतगर्दी को अपनी राष्ट्रीय नीति का अहम हिस्सा बना लिया। भारत द्वारा तीन युद्धों में शिकस्त की जलालत झेल चुके पाक जरनैल जिया उल हक ने भारत में आतंक फैलाने में सबसे बड़ा किरदार निभाया। पांच जुलाई 1977 को तख्तापलट को अंजाम देकर पाकिस्तान के सियासी निजाम को कुचल कर जिया उल हक ने इक्तदार संभाल लिया तथा भारत के खिलाफ प्रॉक्सी वार के मंसूबे को आपरेशन 'टोपाक' नाम दिया था। आपरेशन टोपाक के तहत आतंकी गतिविधियों का मरकज जम्मू-कश्मीर बना। आतंकियों को प्रशिक्षण व हथियार मुहैया कराने में पाक खूफिया एजेंसी 'आईएसआई' ने अपना रोल निभाया। अपनी जहरीली तकरीरों से आवाम के मजहबी जज्बात भडक़ा कर भारत के खिलाफ बगावत का माहौल तैयार करने में तथा मजहबी कट्टरता का पाठ पढ़ाकर युवाओं को जन्नत का ख्वाब दिखाकर आतंक की राह पर लाने में मजहब के रहनुमाओं ने भी पूरा योगदान दिया। नतीजतन सन 1990 के दौर में कश्मीर घाटी में आतंक इस कदर फैल गया कि सूफीवाद व ऋषिवाद की तहजीब के लिए विख्यात तथा दुनिया में जन्नत कहा जाने वाला समूचा कश्मीर आतंक की आग में जलने लगा। विश्व में पर्यटन के लिए मशहूर कश्मीर में अमन की शमां बुझ गई तथा बम-बारूद व कलाश्निकोव राइफलों का अंतहीन शोर शुरू हुआ जो बदस्तूर जारी है। हिमाचल प्रदेश देश-दुनिया में सबसे शांत राज्यों में शुमार करता है। लेकिन देश के पूर्वोत्तर राज्यों, पंजाब व जम्मू-कश्मीर में आतंक विरोधी अभियानों के मोर्चे पर वीरभूमि के सैकड़ों सपूत अपना सर्वस्व न्योछावर कर चुके हैं। सन 1990 के दौर में कश्मीर घाटी में घुसपैठ कर चुके पाक प्रशिक्षित आतंकियों के सफाए के लिए भारतीय सेना ने आपरेशन 'रक्षक' शुरू किया था।

आप का नजरीया

लड़ाई में आया यह ठहराव पूर्ण युद्धविराम में बदलना चाहिए

हमास और इजराइल युद्ध में डेढ़ महीने से ज्यादा का वक्त गुजर के बाद दोनों पक्ष युद्ध विराम के लिए राजी हो गए हैं। एक बड़े घटनाक्रम में इजराइल के मंत्रिमंडल ने हमास के साथ चार दिन के युद्ध विराम को मंजूरी दे दी है जिससे युद्धग्रस्त गाजा में लड़ाई अस्थायी रूप से रुक जाएगी। समझौते के अंतर्गत हमास गाजा में बंधक बनाए गए लगभग 240 लोगों में से 50 को रिहा करेगा। इजराइल 10 बंधकों के बदले एक दिन का युद्ध विराम और बढ़ा देगा। इजराइल ने गाजा में अतिरिक्त ईंधन और मानवीय सहायता की बड़ी खेप भेजने की भी अनुमति दे दी है। इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि युद्ध विराम की अवधि समाप्त हो जाने पर उनका देश हमास के खिलाफ अभियान जारी रखेगा। इजराइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष में अब तक सीमा के दोनों तरफ सैकड़ों की संख्या में लोगों की मौत हो चुकी है। सवाल किया जा सकता है कि आखिर डेढ़ महीने बाद समझौता क्यों हुआ? 7 अक्तूबर को हमास ने अचानक हमला कर 200 से ज्यादा इजराइली समेत कई देशों के नागरिकों को बंधक बना लिया था। डेढ़ महीने के बाद भी इन बंधकों की रिहाई न होने के बाद इनके परिजन विरोध प्रदर्शन के लिए सड़क पर उतर आए हैं। प्रभावित परिवारों ने इजराइली युद्ध कैबिनेट के सदस्यों से मुलाकात करने के बाद उन्हें घर लाएं' नाम का एक अभियान चलाया। इजराइली सेना द्वारा की गई बमबारी और उसके बाद जमीनी आक्रमण ने गाजा में मानवीय संकट पैदा कर दिया है। यहां हर दिन खराब होती मानवीय स्थिति के चलते इजराइल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ रहा है। गाजा में भोजन, पानी, ईंधन और दवाओं की बेहद कमी है। गाजा पट्टी में जो लोग प्रभावित हो रहे हैं, वे सामान्य लोग हैं। हमास द्वारा फैलाई गई दहशत के मद्देनजर इजराइल का गुस्सा समझ में आता है, लेकिन इसके जवाब में इजराइल सामूहिक रूप से गाजा के निर्दोष लोगों को सजा दे रहा है। जानकारों का मानना है कि हमास फिर से संगठित होने के लिए किसी भी युद्धविराम का इस्तेमाल करना चाहता है। वहीं, दूसरी ओर इजराइल इस स्थिति में आकर अब जवाबी कार्रवाई नहीं रोकना चाहेगा। उसने हमास को जड़ से मिटाने की कसम खाई है। इजराइल हमास युद्ध ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। युद्ध का असर सिर्फ इजराइल और फिलिस्तीन तक सीमित नहीं रह जाएगा, बल्कि आज के ग्लोबल इकोनॉमी के दौर में दुनियाभर के देश इससे प्रभावित होंगे। किसी भी युद्ध का प्रभाव विश्वव्यापी होता है। हमास और इजराइल के बीच युद्ध का प्रभाव भी विश्वव्यापी है। चाहे अमेरिका हो, यूरोप हो, मिडिल ईस्ट हो या साउथ एशिया, सब देशों पर इस युद्ध का प्रभाव पड़ रहा है। तो ऐसे समय में संतुलित और व्यवस्थित उपाय ढूंढ़ने की कोशिश की जानी चाहिए। इजराइल और हमास का एक समझौते पर पहुंचना ताता है कि खूनी लड़ाई के बीच भी दोनों पक्ष एक-दूसरे के साथ संवाद के लिए तैयार हैं। उन्हें इस समझौते से पैदा हुए माहौल का फायदा उठाते हुए लड़ाई में आए इस ठहराव को आगे बढ़ाकर एक पूर्ण युद्धविराम में बदलना चाहिए।

जब पत्नी को श्रद्धांजलि देने व्हीलचेयर से पहुंचे 99 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति, खुद बीमारी से पीड़ित

वॉशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर अपने उत्तराधिकारी जो बाइडन और बिल क्लिंटन और और देश की पांच जीवित प्रथम महिलाओं के साथ अपनी पत्नी रोजलिन के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पहुंचे। हालांकि, लंबे समय बाद 99 वर्षीय जिमी कार्टर किसी सार्वजनिक बैठक में शामिल हुए जिमी कार्टर अटलांटा के एक चर्च में व्हीलचेयर के सहारे पहुंचे। उन्होंने अपनी पत्नी रोजलिन की तस्वीर वाली एक चादर पकड़ रखी थी। इस दौरान जिमी ने किसी से बात नहीं की, लेकिन वहां मौजूद दंपति और बच्चे रोजलिन के इतने लंबे समय तक जीवित रहने के लिए जश्न मना रहे थे। जिमी के बेटे जेम्स चिप कार्टर ने कहा, मेरी मां वह गोंद थी, जिसने हमारे परिवार को जोड़ कर रखा था। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन ने जिमी कार्टर के साथ कुछ देर समय बिताया। बता दें कि रोजलिन कार्टर का निधन 19 नवंबर को 96 वर्ष की उम्र में हुआ था। अमेरिका की राजनीति में जिमी और रोजलिन की 77 वर्षीय शादी को लीजेंड के तौर बताया जाता है। कार्टर अपनी पत्नी के साथ जॉर्जिया में रहते थे, लेकिन अब उन्हें हॉस्पाइस केयर में रखा जाएगा। हॉस्पाइस देखभाल में लाइलाज रोगी या जीवन के अंतिम चरणों में पहुंच चुके लोगों को(सहायक) सम्मिलित किया जाता है और उन्हें देखभाल प्रदान की जाती है। जिसमें उपचार से अधिक फोकस आराम और जीवन की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। आंखो में आंसू लिए पूर्व राष्ट्रपति की बेटी एमी लिन कार्टर ने एक प्रेम पत्र पढ़ा, जो उनके पिता ने अपनी पत्नी के लिए लिखा था। उन्होंने कहा, मेरी मां ने अपने जीवन का सबसे ज्यादा समय मेरे पिता के प्यार के साथ बिताया। बेटे चिप कार्टर ने नशीली दवाओं और शराब की लत से बाहर निकालने के लिए अपनी मां की सराहना की। राष्ट्रपति के अंतिम संस्कार में देश के सभी जीवित राष्ट्रपति उपस्थित होते हैं। कार्टर ने 2018 में जॉर्ज डब्ल्यू बुश के वॉशिंगटन स्मारक में हिस्सा लिया था। कार्टर ने 1946 में रोजलिन से शादी रचाई थी। कार्टर दंपती ने विश्व शांति और मानवाधिकारों के प्रति काम करने के लिए एक सगंठन की स्थापना की, जिसका नाम कार्टर सेंटर है। दंपती ने चुनाव हारने के बाद, क्यूबा, सूडान और उत्तर कोरिया का दौरा किया था। 2002 में शांति के लिए जिमी कार्टर को नोबेल पुरस्कार से भी नवाजा गया था। 1999 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने कार्टर दंपती को अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित किया था।

न्यूज़ ब्रीफ

जमीन के नीचे बिना रोशनी और खाना..., हमास की कैद से रिहा हुए बंधकों ने बताई आपबीती

यरुशलम । इजराइल और हमास के बीच एक महीने से अधिक समय से संघर्ष जारी है। सात अक्तूबर को आतंकियों ने इजराइल पर हमला कर कई सैकड़ों लोगों को बंधक बना लिया था। इसके बाद, इजराइल ने कड़ी जवाबी कार्रवाई और समझौता कर अपने कुछ लोगों को रिहा करा लिया। अब बंधक बनाए गए लोगों के साथ कैद में रखे गए बर्ताव के बारे में कई जानकारी सामने आ रही हैं, जिसे सुनकर आपके रौंगटे खड़े हो जाएंगे। गौरतलब है, कतर और मिस्र की मध्यस्थता में शुक्रवार को हुए समझौते के बाद से फलस्तीनी समूहों ने 50 से अधिक इजराइली महिलाओं और बच्चों को रिहा कर दिया है। सात अक्तूबर को हमास द्वारा बंधक बनाए गए 160 से अधिक लोग अभी भी गाजा पट्टी में हैं। संघर्ष विराम के तहत छोड़े गए बंधकों में से किसी ने भी फिलहाल उन हालातों की सीधी जानकारी नहीं दी है, जिनमें उन्हें रखा गया था। बताया जा रहा है कि रिहा हुए लोगों को निर्देश दिए गए हैं कि वह जानकारी देने से बचें क्योंकि उनका एक कदम भी उन लोगों पर भारी पड़ सकता है, जो अभी भी कैद में हैं। हालांकि, इन लोगों का इलाज कर रहे डॉक्टरों से कुछ ऐसी जानकारी सामने आई हैं, जिससे साफ पता चलता है कि कैदियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। बंधकों के परिवार इजराइली सरकार से लगातार मांग कर रहे हैं कि सभी लोगों को रिहा कराया जाए। शमीर मेडिकल सेंटर, जहां 17 रिहा कराए गए लोगों का इलाज चल रहा है, वहां की चिकित्सा टीम के प्रमुख रोनित जैडेनस्टीन ने कहा कि मुक्त कराए गए लोगों की जांच करने पर पता चल रहा है कि बंधकों को बहुत ही बुरी तरह से रखा जा रहा है। यहां तक की उन्हें अच्छा खाना तक नसीब नहीं हो रहा है। क्योंकि जो लोग रिहा कराए गए हैं, उनका 10 फीसदी से अधिक वजन कम हो गया है। वोल्फसन मेडिकल सेंटर की डॉक्टर मार्गरिटा मशावी ने कहा कि रिहा हुए लोगों ने बताया कि उन्हें अंडरग्राउंड में रखा गया था। वहां थोड़ी सी भी रोशनी नहीं थी। 24 में से 22 घंटे अंधेरे में बिताते थे। खाने में चावल, डिब्बाबंद ह्यूमस, फवा बीन्स और कभी-कभी ब्रेड के साथ नमकीन चीज दी जाती थी, इसके अलावा कुछ भी नहीं दिया जाता था। न फल, न सब्जी और न कोई और पोष्टिक आहार।

सीरिया में इजराइली कब्जे को लेकर यूएन में वोटिंग, जानें भारत ने किस तरफ किया मतदान

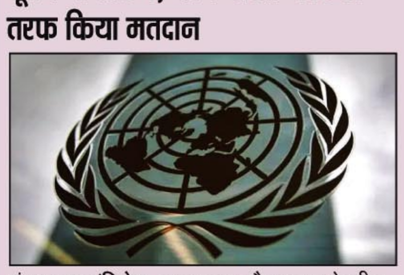

संयुक्त राष्ट/जिनेवा । इजराइल और हमास के बीच एक महीने से अधिक समय से संघर्ष जारी है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनजीए) में सीरियाई गोलन से इजराइल के वापस नहीं हटने को लेकर गहरी चिंता जताना वाला एक अहम प्रस्ताव रखा गया। इस प्रस्ताव के पक्ष में भारत समेत 91 देशों ने अपना वोट दिया। बता दें, सीरियाई गोलन दक्षिण पश्चिम सीरिया में एक क्षेत्र है, जिस पर 1967 में इजराइली सुरक्षा बलों ने कब्जा कर लिया था। 'पश्चिम एशिया में स्थिति' विषय पर आधारित एजेंडा के तहत 'सीरियाई गोलन' नामक प्रस्ताव पर 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान हुआ। मिस्र ने प्रस्ताव पेश किया, जिसके पक्ष में 91 वोट पड़े और आठ ने इसका विरोध जताया, जबकि 62 सदस्यों ने इससे दूरी बनाई।

खाने वाले तेल का ईंधन के तौर पर इस्तेमाल कर पहली बार विमान ने पार किया महासागर, लंदन से पहुंचा यहां

लंदन । दुनिया में पहली बार एक यात्री विमान खाने वाले तेल को ईंधन के तौर पर इस्तेमाल कर महासागर पार कर एक देश से दूसरे देश पहुंचने में सफल हुआ है। इस विमान के उड़ान भरने का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। अरबपति कारोबारी रिचर्ड ब्रैनसन की वर्जिन अटलांटिक के बोइंग-787 ड्रीमलाइनर विमान ने 28 नवंबर को लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से उड़ान भरी। यह अटलांटिक महासागर को पार कर अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित जेएफके एयरपोर्ट पहुंचा। बताया गया है कि सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) का इस्तेमाल कर उड़ान भरने वाले इस विमान में वर्जिन अटलांटिक के संस्थापक सर रिचर्ड ब्रैनसन के अलावा ब्रिटेन के परिवहन मंत्री मौजूद रहे। हालांकि, फ्लाइट में कोई भी आम यात्री नहीं रहा। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) को अक्षय जैवईंधन (रिन्यूएबल बायोमास) और बेकार हुए संसाधनों के जरिए तैयार किया जाता है। इन्हें आधुनिक एयरक्राफ्ट में केरोसीन के साथ मिलाकर जेट के ईंधन के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, ईंधन में इनकी मात्रा अभी 50 फीसदी तक ही सीमित रखी गई है। इस मौके पर रिचर्ड ब्रैनसन ने कहा कि दुनिया हमेशा यही सोचती है कि यह नहीं किया जा सकता।

अमेरिका दिसंबर में शुरू करेगा घरेलू कार्य वीजा नवीनीकरण कार्यक्रम, भारतीयों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

वाशिंगटन । अमेरिका दिसंबर में एच-1बी वीजा की कुछ श्रेणियों के घरेलू नवीनीकरण के लिए एक पायलट कार्यक्रम शुरू करने के लिए तैयार है। एक अधिकारी ने बताया कि यह एक ऐसा कदम है, जिससे बड़ी संख्या में भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों को लाभ होगा। यह जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजकीय यात्रा के दौरान व्हाइट हाउस द्वारा योजना की घोषणा के कुछ महीनों बाद आया है।

20 हजार वीजा होंगे जारी

वीज़ा सेवाओं के लिए राज्य के उप सहायक सचिव जूली स्टफट ने कहा, भारत में अमेरिकी वीज़ा के लिए मांग अभी भी बहुत अधिक है। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि भारतीय यात्रियों को जल्द से जल्द अपॉइंटमेंट मिल सके। हम ऐसा करने का एक तरीका घरेलू वीजा नवीनीकरण कार्यक्रम के माध्यम से कर रहे हैं, जो भारत पर बहुत अधिक केंद्रित है। हम इसका संचालन कर रहे हैं। दिसंबर से शुरू होने वाली तीन महीने की अवधि में, विदेश विभाग उन विदेशी नागरिकों को 20 हजार वीजा जारी करेगा जो पहले से ही देश के अंदर हैं।

भारतीय अमेरिका में श्रमिकों का सबसे बड़ा कुशल समूह

स्टफट ने कहा, हम पहले समूह में 20 हजार करेंगे। उनमें से अधिकांश अमेरिका में रहने वाले भारतीय नागरिक होंगे और जैसे-जैसे यह आगे बढ़ेगा हम विस्तार करेंगे। क्योंकि भारतीय अमेरिका में श्रमिकों का सबसे बड़ा कुशल समूह हैं, हमें उम्मीद है कि इस कार्यक्रम से भारत को काफी लाभ होगा और इससे लोगों को अपने वीजा को नवीनीकृत कराने के लिए वीजा अपॉइंटमेंट के लिए वापस भारत या कहीं और यात्रा करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा, यह भारत में हमारे मिशनों को नए आवेदकों पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देगा। हालांकि, विदेश विभाग पिछले कुछ समय से पायलट आधार पर इस तरह का कार्यक्रम शुरू करने पर काम कर रहा है, लेकिन मोदी की यात्रा के दौरान इसकी औपचारिक घोषणा की गई, जिसका संयुक्त बयान में उल्लेख किया गया था। एक बयान में, भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेता अजय जैन भूटोरिया ने विदेश विभाग के इस कदम को महत्वपूर्ण बताया। एशियाई अमेरिकियों, मूल हवाईयन और प्रशांत द्वीप वासियों पर राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग के आयुक्त के रूप में, भूटोरिया ने एक ऐसा प्रस्ताव रखा है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने स्वीकार कर लिया और सिफारिश की। उन्होंने कहा, अमेरिका में एच-1बी वीजा स्टैम्पिंग के लिए आयोग में आव्रजन उपसमितियों की ओर से मैंने जो सिफारिश पेश की थी, उसे आखिरकार लागू होते देख मुझे खुशी हो रही है। वह बोले कि यह राहत अंततः दस लाख से अधिक एच-1बी धारकों को प्रभावित करेगी, जिनमें से बड़ी संख्या में भारतीय हैं।

जापान के तट पर क्रैश हुआ अमेरिका का ओस्प्रे सैन्य एयरक्राफ्ट, आठ लोग थे सवार

टोक्यो । जापान में अमेरिका का एक विमान हादसे का शिकार हो गया। जापान के कोस्ट गार्ड ने बुधवार को बताया कि उसे कागोशिमा प्रीफेक्चर में याकुशिमा द्वीप के पास तटीय क्षेत्र में अमेरिका के ओस्प्रे सैन्य विमान के क्रैश होने की सूचना मिली है। बताया गया है कि एयरक्राफ्ट में आठ क्रू सदस्य सवार थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, कोस्ट गार्ड को विमान के क्रैश होने की जानकारी स्थानीय समयानुसार करीब 2.45 बजे मिली। कोस्ट गार्ड इस क्रैश की जांच कर रहा है। जापानी मीडिया ने कहा है कि इस घटना में एक शख्स को स्थानीय मछुआरों ने खोज निकाला। यह मछुआरे फिलहाल सर्च ऑपरेशन में कोस्ट गार्ड्स की मदद कर रहे हैं। हालांकि, बाकियों की खोज अभी जारी है। बता दें कि अमेरिका का ओस्प्रे एयरक्राफ्ट बीते कुछ समय में कई हादसों में शामिल रहा है। इसी साल अगस्त में ऑस्ट्रेलिया में सैन्य अभ्यास के दौरान भी एक ओस्प्रे विमान क्रैश हुआ था। इसमें एक अमेरिकी सैनिक की मौत हुई थी और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। इसके अलावा 2022 में अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक ट्रेनिंग मिशन के दौरान भी एमवी-22बी ओस्प्रे विमान क्रैश हुआ था, जिसमें पांच अमेरिकी मरीन्स की जान चली गई थी। 2022 में ही नॉर्वे में एक ट्रेनिंग अभ्यास के दौरान ओस्प्रे क्रैश में चार अमेरिकी सैनिकों की जान चली गई थी।

प्राथमिक चुनावों में बाइडन-ट्रंप को हरा सकती हैं निक्की हेली', प्रभावशाली संगठन एएफपी ने किया समर्थन

वाशिंगटन । अमेरिका में अगले साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। भारतीय मूल की अमेरिकी नागरिक निक्की हेली भी राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए संघर्ष कर रही हैं। हेली को अब अमेरिकन फॉर प्रॉस्पेरिटी नेटवर्क का समर्थन मिल गया है। नेटवर्क अमेरिका में काफी प्रभावशाली है। नेटवर्क ने मंगलावर को बताया कि राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए वे हेली का समर्थन कर रहे हैं। हेली प्राथमिक चुनावों में मौजूदा और पूर्व राष्ट्रपति को हरा सकती हैं।

हेली को मजबूती प्रदान करेंगे

एएफपी की वरिष्ठ सलाहकार एमिली सेडेल ने कहा कि हेली का समर्थन करने पर हमें गर्व है। हेली अमेरिका की मौजूदा राजनीतिक युग का पन्ना पलटने के काबिल हैं। वे प्राथमिक चुनावों में मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हरा सकती हैं। एएफपी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि हम जमीनी स्तर पर हेली को मजबूती प्रदान करेंगे। हम हर प्रयास करेंगे कि अमेरिका की अगली राष्ट्रपति निक्की हेली ही बनें।

देश बचाने के लिए चुनाव

हेली का कहना है कि मैं एएफपी के समर्थन से खुश हूं। यह चुनाव स्वतंत्रता, समाजवाद, वित्तीय जिम्मेदारी और कर्ज पर लगाम लगाने की एक कोशिश है। यह चुनाव देश बचाने के लिए है। मैं एएफपी के लिए आभारी हूं।

सिख परिवार में हुआ जन्म

निक्की हेली का जन्म सिख माता-पिता अजीत सिंह रंधावा और राज कौर रंधावा के घर हुआ था। उनका परिवार 1960 के दशक में पंजाब से कनाडा और फिर अमेरिका चला गया था। निक्की हेली का असली नाम निमरत रंधावा है। आपको जानकर हैरानी होगी कि, राजनीति में आने से पहले भी निक्की कॉर्पोरेट वर्ल्ड में अच्छा खासा नाम कमा चुकी है।

सदस्य देशों को सार्वजनिक स्थलों पर धार्मिक चिह्नों पर प्रतिबंध लगाने की छूट, यूरोपीय संघ की कोर्ट का फरमान

वाशिंगटन ।

यूरोपीय संघ (ईयू) की सर्वोच्च अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि ईयू के सदस्य देश अगर चाहें तो अपने सरकारी प्रशासन के कर्मचारियों को धार्मिक चिह्नों के प्रदर्शन से रोक सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसा तटस्थ प्रशासनिक माहौल बनाने के लिए अहम है। यूरोपीय संघ के कोर्ट ऑफ जस्टिस (सीजेईयू) ने कहा कि राष्ट्रीय कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर तटस्थ प्रशासनिक माहौल बनाने के लिए सरकारी प्रशासन लोगों को उनकी धार्मिक मान्यता दिखाने वाले चिह्नों के इस्तेमाल से रोक सकता है। कोर्ट की तरफ से टिप्पणी में यह भी कहा गया कि यह नियम भेदभाव वाला नहीं है और यह सब पर लागू होगा।

कोर्ट का यह फैसला दरअसल उस केस के बाद आया है, जिसमें एक महिला ने बेल्जियम में एक निकाय पर आरोप लगाया था कि उसे उसके दफ्तर में हिजाब न पहनने देकर उसकी धार्मिक स्वतंत्रता में दखल दिया जा रहा है और उसके साथ भेदभाव किया जा रहा है। इस केस के बाद बेल्जियम की निकाय ने अपने नियमों को बदल दिया था और सभी कर्मचारियों के धर्म या वैचारिक चिह्नों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसी मसले पर बेल्जियम के लिएज शहर की कोर्ट ने ईयू की टॉप अदालत से पूछा था कि क्या निकाय का यह फैसला यूरोपीय संघ के नियमों के तहत भेदभाव में आता है। अब इस मामले में ईयू की अदालत ने कहा कि हर सदस्य देश और उसके निकाय को अपने हिसाब से प्रतिबंधों का स्तर तय करने की छूट है। लेकिन यह सख्ती और तटस्थता के साथ हर किसी पर समान रूप से लागू होना चाहिए। उन देशों की अदालतें अपने हिसाब से नियमों की निगरानी कर सकती हैं और अनिवार्य-गैर अनिवार्य पर फैसला दे सकती हैं।

कनाडा के आरोपों पर अमेरिका की नरमी, टेलिस बोले, बाइडन प्रशासन ने सीधे तौर पर नहीं कहे निंदा वाले शब्द

वाशिंगटन । भारत-अमेरिका मामलों के एक शीर्ष अमेरिकी विशेषज्ञ एशले जे. टेलिस का कहना है कि भारत से रिश्तों का महत्व समझते हुए बाइडन प्रशासन ने एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या को लेकर कनाडा द्वारा भारत पर लगाए गए आरोपों के संबंध में अपनी सार्वजनिक प्रतिक्रिया में अत्यधिक नम्रता बरती है। मुझे लगता है कि बाइडन प्रशासन ने नरमी बरती और सीधे तौर पर निंदा करने वाले कोई शब्द नहीं कहे।

टाटा चेयर फॉर स्ट्रेटेजिक अफेयर्स' और प्रतिष्ठित 'कार्नेगी एनडाउमेंट फॉर इंटरनेशन पीस' के शोधवेत्ता टेलिस ने कहा, अमेरिकी प्रतिक्रिया बहुत खास थी, क्योंकि कनाडा उसका करीबी सहयोगी है। यदि भारत के अलावा कोई अन्य देश होता तो अमेरिकी प्रतिक्रिया अधिक मुखर और अधिक स्पष्ट होती। कनाडा ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट का हाथ होने के आरोप लगाए थे, जिन्हें भारत ने 'बेतुका' बताकर खारिज कर दिया। अमेरिका ने इन आरोपों पर सिर्फ चिंता जताई और भारत से सहयोग की अपील की।

पन्नू केस में अमेरिका को सहयोग ओटावा। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के विरुद्ध हत्या की विफल साजिश की जांच पर कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कहा कि जानकारी कानूनी रूप से मान्य होने के चलते अमेरिका को भारत मदद कर रहा है। वहीं, कनाडा की ओर से उचित साक्ष्य न देने के कारण हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की कनाडाई जांच में भारत ने भाग लेने से इन्कार कर दिया है।

भारत-अमेरिकी रिश्ते शानदार

भारतीय मामलों पर सबसे सम्मानित एवं अग्रणी अमेरिकी विशेषज्ञ समझे जाने वाले टेलिस ने कहा कि बाइडन प्रशासन के 3 वर्ष भारत-अमेरिकी रिश्तों के लिए शानदार रहे हैं। उन्होंने कहा, ट्रंप के बाद नई दिल्ली से रिश्ते मजबूत करने का श्रेय वास्तव में राष्ट्रपति जो बाइडन को जाता है। बाइडन ने इस रिश्तों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राजकीय दौरे पर बुलाकर भव्यतम व्यवहार भी किया।

भारत-अमेरिका मामलों के शीर्ष अमेरिकी विशेषज्ञ एशले जे. टेलिस ने कनाडा के आरोपों पर कहा, प्रशासन की प्रतिक्रिया का स्वर और विषय-वस्तु दोनों काफी भिन्न हैं। उभारत एक मजबूत देश है और अमेरिका का भारत के विरोध में अधिक न कहना सचमुच एक कूटनीतिक कदम है।

यूएन महासभा में युद्धविराम का भारत ने किया स्वागत, बिना शर्त बंधकों की रिहाई का आह्वान

वाशिंगटन । संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भारत ने अंतरराष्ट्रीय एकजुटता दिवस के अवसर पर फलस्तीनी नागरिकों के साथ दीर्घकालिक संबंधों की पुष्टि की। भारत ने इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच विराम के फैसले का स्वागत किया। बता दें, युद्ध में करीब 15 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, पिछले पांच दिनों से दोनों पक्षों ने सीजफायर घोषित कर दिया है।

नागरिक संकट पर जाहिर की चिंता

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थाई प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि 29 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय एकजुटता दिवस है। इस अवसर पर भारत फलस्तीनी लोगों के साथ दीर्घकालिक संबंधों की पुष्टि करता है। हम फलस्तीनी लोगों के शांति और समृद्धि का समर्थन करते हैं। मध्य-पूर्व में स्थिति तनावग्रस्त है इजराइल-हमास युद्ध के कारण बड़ी मात्रा में नागरिक जीवन की हानि हो रही है। महिलाओं-बच्चों सहित अन्य लोग संकट में है। यह अस्वीकार्य है। हम नागरिकों की मौत की कड़ी निंदा करते हैं। हम उन तमाम फैसलों का स्वागत करते हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव कम हो सके।

पीएम मोदी ने गाजा में शांति के लिए प्रयास किए

कंबोज ने आगे कहा कि युद्ध के दौरान दोनों पक्षों ने सीजफायर का सम्मान किया। सीजफायर की घोषणा मानवीय संकट को कम करने के लिए स्वागत योग्य है। भारत आंतकवाद और नागरिकों को बंधक बनाने की कार्यवाही की निंदा करता है। बंधकों और उनके परिजनों के प्रति हमारी संभावनाएं हैं। बंधकों की रिहाई हो रही है, यह सुकून देता है। हालांकि, कंबोज ने शेष बंधकों की बिना शर्त रिहाई का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत आंतकवाद के खिलाफ सख्त है। युद्ध की शुरुआत होते ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शांति स्थापित करने के लिए तमाम प्रयास किए। पीएम मोदी और जयशंकर ने कूटनीति और बातचीत के लिए ढेरों कोशिशें की। हमारे नेताओं ने मानवीय सकंट पर हमेशा चिंता जाहिर की।

भारत की मदद का किया जिक्र

कंबोज ने महासभा में बताया कि भारत ने सिर्फ चिंता ही जाहिर नहीं की, बल्कि गाजा में राहत सामाग्री भी भिजवाई। भारत ने अपनी ओर से गाजा में 70 टन मानवीय सहायता भेजा। इसमें 16.5 टन तो सिर्फ दवाइयां और चिकित्सा सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने हमेशा इजराइल फलस्तीन मुद्दे पर बातचीत के माध्यम से दो-राज्य समाधान का समर्थन किया है। भारत एक संप्रभु और स्वतंत्र फलस्तीन की कामना करता है, जो सुरक्षित हो और आंतकियों से मुक्त हो।

विदेशी मीडिया ने की बचाव अभियान की सराहना, बीबीसी से लेकर सीएनएन तक ने ऐसे दी प्रतिक्रिया

लंदन । 17 दिनों बाद उत्तराखंड की एक पहाड़ी सुरंग में फंसे 41 श्रमिक कुशलतापूर्वक बाहर निकल आए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सफलतापूर्वक अभियान को पूरा करने के लिए रेस्क्यू दल सहित तमाम सहयोगियों की सराहना की। भारतीय नेताओं और अधिकारियों के साथ-साथ विदेशी मीडिया ने भी बचाव अभियान की सराहना की। हादसे की खबर को नियमित अपडेट कर रहे ब्रिटिश मीडिया कंपनी बीबीसी ने पहले व्यक्ति के सुरंग से बाहर निकलते ही जानकारी दी। बीबीसी ने अपनी वेबसाइट पर एक तस्वीर अपलोड की, जिसमें उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी और केंद्रीय मंत्री वीके सिंह सुरंग से निकले मजदूरों से साथ मिल रहे हैं। वहीं, अमेरिकी मीडिया कंपनी सीएनएन ने भी घटना को कवर किया। उन्होंने एक वीडियो साझा की, जिसमें सीएम धामी श्रमिकों से मुलाकात कर रहे हैं। वीडियो में मजदूरों की हालत बेहतर लग रही है। बाहर आते ही मजदूरों ने चैन की सांसे लीं। सीएनएन ने आंशिक रूप से हाथों से खुदाई करने और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयासों के लिए भारतीय सुरक्षा बलों की सराहना की।

सीमावर्ती क्षेत्र से सात करोड़ की हेरोइन बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ तथा पंजाब पुलिस ने सीमावर्ती क्षेत्र में संयुक्त आपरेशन चलाकर सात करोड़ रुपए की हेराइन बरामद की है। इस हेरोइन को ड्रोन से फेंके जाने का अंदेशा जताया जा रहा है। सीमावर्ती क्षेत्र के गांव रणिया के करीब ड्रोन मूवमेंट की सूचना के बाद बीसएफ और पंजाब पुलिस ने ज्वाइंट टीम बना सर्च अभियान चलाया। इस दौरान खेतों से दो पैकेट मिले, जिनके साथ रिंग लगे थे। माना जा रहा है कि इन्हें छोटे ड्रोन की मदद से फेंका गया था। सुरक्षा जांच के बाद दोनों पैकेट्स को जब्त करके जांच शुरू कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि ये दो छोटे पैकेट सफेद रंग के लिफाफे में थे। इन दोनों पैकेट्स से आधा-आधा किलो हेरोइन के पैकेट निकले, जिसकी कीमत करीब सात करोड़ आंकी गई है। फिलहाल इनके सैंपल जांच के लिए भेज दिए हैं।

मुख्यमंत्री गहलोत की ओर से लागू की गई गारंटियों पर जनता ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया : डोटासरा

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने दावा किया है कि राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से चुनाव घोषणा से पूर्व दी गई दस गारंटिया तथा पुन: सरकार बनने पर सात और गारंटियों की घोषणा को देखते हुए उन पर जनता ने विश्वास कर अधिकाधिक संख्या में कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की जो आपसी फूट व कलह थी, जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी के 7-8 लोग जो मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे थे, विपक्ष की भूमिका निभाने में असफल रहे। इस कारण जनता में भाजपा के प्रति नाराजगी देखी गई। दूसरी ओर कांग्रेस की सरकार द्वारा किए गए कार्य कांग्रेस के नेतृत्व तथा कांग्रेस की योजनाओं से प्रभावित होकर मतदाताओं ने कांग्रेस के पक्ष में डाला तथा तीन दिसम्बर को मतगणना के पश्चात निश्चित रूप से प्रदेश में पुन: कांग्रेस की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बनेगी। यह बात डोटासरा ने दिल्ली प्रवास पर जाने से पूर्व जयपुर आवास पर उपस्थित पत्रकारों से कही। डोटासरा ने कहा कि राजस्थान के मतदाताओं ने लोकतंत्र के पर्व में अधिकाधिक संख्या में मतदान करते हुए पिछली बार हुए मतदान से अधिक संख्या में वोट डाला। जिसके लिए सभी मतदाता साधुवाद के पात्र है। उन्होनें कहा कि प्रदेश में निर्वाचन आयोग में कार्यरत तथा अन्य विभागों के कार्यरत कार्मिक जिन्होंने प्रदेश के विधानसभा चुनावों को शांतिपूर्वक सम्पन्न करवाने में अपनी भूमिका निभाई, वे भी धन्यवाद के पात्र है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सम्पन्न हुए विधानसभा चुनावों में प्रदेशवासियों ने राजस्थान सरकार की गुड गर्वनेन्स, कोरोना काल में हुए बेहतरीन प्रबंधन जिससे लोगों के जीवन की रक्षा हुई, कोई भूखा नहीं सोया तथा राजस्थान सरकार ने जो बेहतरीन बजट एवं लोककल्याणकारी फ्लेगशिप योजनाएं लागू की। जिन्हें न सिर्फ राजस्थान बल्कि पूरे देश के लोगों ने सराहा है, के आधार पर राजस्थान के मतदाताओं ने कांग्रेस पर विश्वास जताया है।

पुलिस के खिलाफ किन्नरों ने किया प्रदर्शन

यमुनानगर (हिंस)। नशा करने वाले युवकों द्वारा किन्नर पर हुए जानलेवा हमले के आरोपियों पर पुलिस द्वारा एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे नाराज किन्नरों ने अपनी गुरु महंत रेशमा के नेतृत्व में बुधवार को सदर यमुनानगर पुलिस थाने के बाहर खड़े होकर प्रदर्शन किया। पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के मांग की। गौरतलब है कि यमुनानगर के तीर्थनगर क्षेत्र में 22 नवंबर को महंत गुरु मनीषा किन्नर के डेरे पर नशा कर रहे आधा दर्जन से अधिक युवकों ने डेरे पर रहने वाली किन्नर तन्नू और जारा पर डंडों और लोहे की राड से जानलेवा हमला कर उनके बैग से करीब डेढ़ लाख रुपए नगदी व गहने लूट लिए थे। जिस मामले में थाना सदर यमुनानगर में शिकायत दी थी। लेकिन पुलिस द्वारा कार्यवाही ना किए जाने की वजह से आज किन्नर समाज के लोगों ने थाना सदर यमुनानगर मे जमकर अपना विरोध प्रदर्शन किया। महंत रेशमा किन्नर ने आरोप लगाया कि महंत मनीषा खुद डेरे पर नशा बेचने का काम करती है और वह पहले भी जेल जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है तथा हमला करने वाले आरोपियों द्वारा बार-बार धमकियां मिल रही है। जिसको लेकर हमे भी जान का खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पुलिस जल्द से जल्द उन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे डाले।

इलाज के बाद भी नशे की तरफ लौट रहे युवा : डॉ. बलबीर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने विधानसभा में स्वीकार किया है कि ओरल मेडिसिन के बाद डी-एडिक्शन करवाने पर भी 80-90 प्रतिशत युवा वापस लौट कर नशे की ओर जा रहे हैं। इन्हें रोकने के लिए मेंटल हेल्थ पॉलिसी को रिवाइज किया जा रहा है। इसमें योगा कम मेडिकेशन व री-हेबिलिटेट करने का प्रयास किया जा रहा है। पंजाब विधानसभा में बुधवार को नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा समेत कई विधायकों ने पंजाब में स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर सरकार को घेरा। विपक्ष की ओर से दावा किया जा रहा है कि मोहल्ला क्लीनिक खोलने में जहां सरकार भेदभाव कर रही है, वहीं इनमें सुविधाओं का अभाव है।

पंजाब में वाई-फाई से जुड़ेंगे बीस हजार स्कूल : बैंस

31 मार्च तक कोई स्कूल नहीं रहेगा टीचर रहित

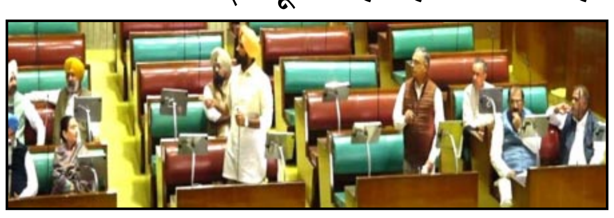

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने कहा है कि पंजाब सरकार ने योजना बनाई है कि 31 मार्च 2024 तक प्रदेश का कोई भी स्कूल एक टीचर या टीचर रहित नहीं रहेगा। बुधवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में प्रश्नकाल के दौरान सवाल का जवाब देते हुए बैंस ने कहा कि आने वाले दिनों में प्रदेश के बीस हजार स्कूलों को वाई-फाई से जोड़ा जाएगा। इतना ही नहीं चार हजार स्कूलों में अभी तक वाईफाई लग चुके हैं और आठ हजार स्कूलों में चाहरदीवारी का काम चल रहा है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस समय नौवीं से 11वीं कक्षा तक के 8400 बच्चे 117 स्कूल ऑफ इमीनेंस के माध्यम से पढ़ रहे हैं।

हरियाणा में महिला उत्पीड़न केसों की सुनवाई को बनेंगे छह नई फास्ट ट्रैक कोर्ट

डीएसपी स्तर के अधिकारियों को बनाया नोडल अधिकारी

चंडीगढ़ (हिंस)। प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में महिलाओं के विरुद्ध अपराध जैसे बलात्कार, छेड़छाड़ तथा मानसिक उत्पीड़न संबंधित लंबित मामलों की सुनवाई के लिए छह नए फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बुधवार को बताया कि महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है ताकि महिलाओं को न्याय को जल्द न्याय मिल सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश के फरीदाबाद में दो तथा गुरुग्राम, पानीपत, सोनीपत तथा नूंह जिला में 1-1 फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित की जाएगी। कपूर ने बताया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए हरियाणा पुलिस अकादमी में महिला जांच अधिकारियों के लिए नियमित तौर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा रिफ्रेशर कोर्सेज कराए जा रहे हैं ताकि वे न केवल कानूनी प्रावधानों में हुए नए संशोधनों के बारे में अपडेटेड रहे बल्कि मामले की प्रभावी तथा समयबद्ध तरीके से जांच कर सके। उन्होंने बताया कि सीन ऑफ क्राइम टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक तरीके से आवश्यक साक्ष्य जुटाने के लिए सभी जिलों में जांच अधिकारियों को इन्वेस्टिगेशन किट उपलब्ध करवाई गई है। यह इन्वेस्टिगेशन किट वैज्ञानिक तरीके से काफी उच्चतर है, जिससे जांच प्रक्रिया को और अधिक निष्पक्ष बनाया जा सकता है। महिला सुरक्षा की डीआईजी नाजनीन भसीन ने बताया कि महिला विरुद्ध अपराधों की मॉनिटरिंग को लेकर प्रदेश के प्रत्येक जिले में डीएसपी स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, महिला पुलिस थानों में ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए महिला पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति की गई है ताकि महिलाएं बिना किसी झिझक अथवा संकोच के सुरक्षित वातावरण में अपनी समस्याओं के बारे में बता सके।

दुल्हन की डोली पहुंचने से पहले घर में पसरा मातम

पलवल (हिंस)। पलवल के गोपालगढ़ (औरंगाबाद) गांव में मंगलवार देर रात तक शादी की शहनाई गूंज रही थी। घर में माहौल हंसी खुशी से लबालब था। वहीं रात्रि 11 बजे के बाद रोने, चीखने व चिल्लाने की आवाजों से पूरा माहौल मातम में बदल गया। शादी के घर से रोने की आवाजें सुनकर गांव की महिलाएं वहां पहुंचनी शुरू हो गईं। पता चला कि वापस लौटते समय बारातियों की मिनी बस ट्रक से टकरा गई, जिसमें चार बारातियों की मौत हो गई। चार अन्य घायल हो गए। मिली जानकारी अनुसार गोपालगढ़ गांव निवासी ओमबीर उर्फ कल्लू के दो बेटों कृष्ण व कैलाश की शादी जिला मथुरा (यूपी) के उमराया गांव से तय हुई थी। मंगलवार को गोपालगढ़ से उमराया यूपी बारात गई थी।

शिक्षा नीति पर प्रदेश सरकार पर कोर्ट का जुर्माना शर्मनाक : अनुराग ढांडा

यमुजनगर (हिंस)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कहा कि भाजपा सरकार की कार्यशैली पर बड़ा प्रहार किया। उन्होंने प्रदेश में स्कूलों की दयनीय स्थिति को लेकर कहा कि स्थानीय जगाधरी से स्कूल शिक्षा मंत्री के विभाग को उच्च न्यायालय के द्वारा 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाना प्रदेश की शिक्षा नीति की कार्यशैली पर बड़े प्रश्न खड़े करता है। वे बुधवार को यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री कंवरपाल हमारे दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल से स्कूलों को लेकर दावा करते है। लेकिन उच्च न्यायालय के द्वारा जुर्माना लगाना इसकी सच्चाई दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि 500 से अधिक स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है। एक हजार से अधिक स्कूलों में लड़कों के लिए शौचालय नहीं है। 250 से अधिक स्कूलों में बिजली नहीं है। प्रदेश में सिर्फ शिक्षा ही नहीं कानून व्यवस्था भी चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब मामले में कहा कि सरकार ने अपने चहेतों को बचाने के लिए लीपापोती की है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सीबीआई की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने केजरीवाल की नकल कर लड़कियों के लिए फ्री शिक्षा की घोषणा की है। लेकिन उसके लिए इनकी मात्र घोषणा है। दिल्ली की सरकार कैसे मुफ्त शिक्षा उपलब्ध करवा रही है यह देखने के इन्हें दिल्ली जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सरकार का काम मात्र घोषणा करना है। इस मौके पर लक्ष्मण विनायक, ललित त्यागी, कर्मवीर सिंह बुटर और रघुबीर सिंह छिंदा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहें।

कर्नाटक से आए दस हजार लोगों ने लिया नशामुक्त भारत का संकल्प

आबू रोड (हिंस)। ब्रह्माकुमारी संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में चल रहे परमात्म अनुभूति शिविर में कर्नाटक से पहुंचे दस हजार से अधिक लोगों को नशामुक्त भारत बनाने का संकल्प कराया। कार्यक्रम में मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल ने सभी को संकल्प कराते हुए कहा कि आज इस पावन धरा पर सभी संकल्प करें कि हम अपने परिवार, आस-पड़ोस और समाज में जो व्यक्ति नशा करता है उसे इससे दूर रहने की समझाइश देकर नशा मुक्त करेंगे। नशे की गिरफ्त में फंसे लोगों को ज्ञान देकर उनका मार्गदर्शन करेंगे। नशे से होने वाले दुष्परिणाम से रुबरु कराएंगे। उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा देकर जीवन को सुख-शांतिमय बनाने में अपना तन-मन, समय, संकल्प से सहयोग देंगे। भारत को नशामुक्त बनाने में अपना संपूर्ण रीति सहयोग देंगे। उन्होंने कहा कि संपूर्ण देश में चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान को सहकारी और गैर-सहकारी संगठनों से सकारात्मक सहयोग मिल रहा है। लोग तेजी से अभियान से जुड़ रहे हैं। हजारों लोगों ने इन कार्यक्रमों से जुड़कर नशामुक्ति का संकल्प लिया है। लोगों की सेवाकेंद्रों के माध्यम से काउंसलिंग कर नशा छुड़ाया जा रहा है। इस दौरान वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके ऊषा दीदी ने कहा कि परमात्मा की हम बच्चों से आस है कि मेरे लाडले बच्चे तुम्हें स्वं का उद्धार कर जग परिवर्तन के कार्य में अपना सहयोग देना है। जैसे हमारा जीवन बदला है ऐसे दूसरों का जीवन बदलना है। इसलिए पहले ज्ञान-योग से अपने जीवन को आदर्श बनाकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बनना है। इस मौके पर कर्नाटक से आए दस हजार से अधिक लोग मौजूद रहे।

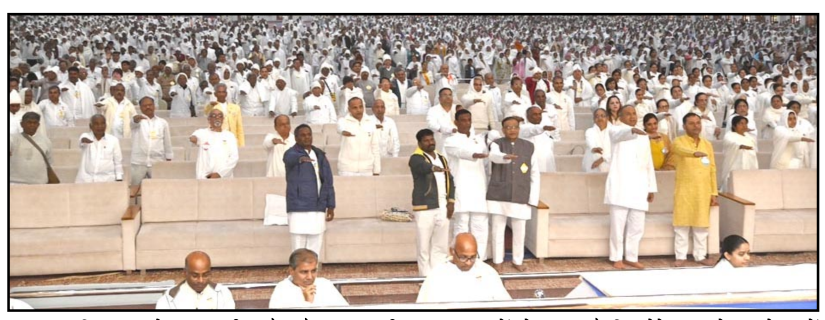

पंजाब विस : कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर कांग्रेस का हंगामा व वाकआउट, चार बिल पारित

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विधानसभा में शीतकालीन सत्र के दूसरे व अंतिम दिन कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर चर्चा करवाने के लिए विपक्ष अड़ा रहा, लेकिन सरकार ने कोई तव्वजो नहीं दी। इसके बाद विपक्ष ने सदन से वाकआउट किया। जिसके बाद सदन में चार बिलों को पास करने के बाद सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। सदन में शून्यकाल के दौरान अकाली दल विधायक सुखविंदर सिंह सुखी ने पंजाब के लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति पर भी चिंता जाहिर की। विधायक सुखी ने कहा कि पंजाब में तकरीबन 7 महीने पहले जेल से लॉरेंस का इंटरव्यू ब्रॉडकास्ट हुआ था। ये मुद्दा पंजाब व हरियाणा सरकार ने उठाया गया, लेकिन उसमें हैरान करने वाला जवाब एडीजीपी जेल की तरफ से दिया गया कि इंटरव्यू कब और कहां हुआ, उसे ट्रेस नहीं किया जा सकता। कांग्रेस विधायक परगट सिंह ने सतलुज यमुना लिंक नहर का मुद्दा उठाया और विधानसभा में इस पर लंबी चर्चा कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस चर्चा को लुधियाना तक ले गए। उन्होंने मांग की कि इस संबंध में सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए, जिसमें विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाएं। वर्ष 1982 के बाद पानी पर कोई श्वेत पत्र नहीं आया। सदन में शून्यकाल में प्रस्ताव पेश करने के दौरान विपक्ष नेता प्रताप सिंह बाजवा ने पंजाब के मुद्दों को उठाने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने स्पष्ट किया कि मुद्दे उठाए जा चुके हैं तो विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। काफी देर हंगामे के बाद कांग्रेस ने सदन से वाकआउट कर दिया। कांग्रेस के सदन से बाहर जाते ही तीन मनी बिलों सहित कुल चार बिल सदन में पास किए गए। इनमें ट्रांसफर ऑफ प्रॉपर्टी शोध बिल 2023, रजिस्ट्रेशन शोध बिल 2023, इंडियन स्टांप बिल 2023 और पंजाब कनाल एंड ड्रेनेज बिल 2023 को पास किया गया। सदन के बाहर पत्रकारों से बातचीत में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि पंजाब में कानून-व्यवस्था के मामले पर चर्चा होनी चाहिए थी। सत्र को सिर्फ दो दिन बुलाना सही नहीं है। ऐसे में पंजाब के मुद्दों को सही से उठाया नहीं जा सकता। उन्होंने इसके बाद सरकार के विरोध में नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया।

केवल नेकां ही जम्मू-कश्मीर को अंधेरे से बाहर ला सकती है : रतन लाल

जम्मू (हिंस)। नेकां के जम्मू के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने बुधवार को कहा कि आम जनता विकास की कमी का सामना कर रही है लेकिन सरकार जम्मू-कश्मीर में भारी विकास की झूठी कहानी फैलाने में व्यस्त है जो सच नहीं है क्योंकि जमीनी स्तर पर लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इनका कोई समाधान नहीं दिख रहा है और इसका समाधान केवल नेशनल कांफ्रेंस ही है जो लोगों को इस दुख से उबार सकती है। नेकां नेता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा बनाए गए विकास के हवाई किले हकीकत से कोसों दूर हैं। यह बात नेशनल कांफ्रेंस जम्मू के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने शेर-ए-कश्मीर भवन जम्मू में जम्मू शहरी, ग्रामीण ए, ग्रामीण बी और सांबा जिलों के पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। बैठक में चंद्र मोहन शर्मा जिला अध्यक्ष जम्मू शहरी, रघबीर सिंह मन्हास जिला अध्यक्ष जम्मू ग्रामीण ए, नरेश बिट्टू जिला अध्यक्ष जम्मू ग्रामीण बी, सौदागर गुप्ता जिला अध्यक्ष सांबा, पिंकी खालसा जिला अध्यक्ष जम्मू शहरी महिला विंग और तेजिंदर सिंह जिला अध्यक्ष जम्मू शहरी वाईएनसी सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में शेर-ए-कश्मीर शेख मोहम्मद अब्दुल्ला का 5 दिसंबर 2023 को 118वां जन्मदिन मनाने के लिए विस्तृत कार्यक्रम बनाया गया। अन्य सभी जिले अपने-अपने मुख्यालयों पर हमेशा की तरह यह दिन मनाएंगे। इस दौरान उपस्थित लोगों में शेख बशीर अहमद प्रांतीय सचिव जम्मू, दीपिंदर कौर पूर्व एमएलसी, अब्दुल गनी तेली अध्यक्ष ओबीसी सेल, विजय लोचन अध्यक्ष एससी सेल, प्रदीप बाली, अयूब मलिक प्रांतीय सचिव, सतवंत कौर डोगरा महिला विंग जम्मू, विजय लक्ष्मी दत्ता, ठा. यशवर्धन सिंह अतिरिक्त प्रवक्ता जम्मू, राकेश सिंह राका, वारिस गिल, अशोक अत्री, चंदर उदय सिंह, दिलशाद मलिक, गुरनाम सिंह, तेजिंदर सिंह, रणधीर सिंह चिब, अशोक डोगरा, सोम राज तारोच, हसीना बेगम, चौ. रेयाज हकला, हमीद चौधरी और अन्य शामिल थे।

फरीदाबाद : प्रेमजाल में फंसा कराया धर्म परिवर्तन, शादी के बाद किया गैंगरेप

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद में नाबालिग को नाम बदलकर प्रेम जाल में फंसाया गया। अश्लील वीडियो बना ब्लैकमेल कर उसके साथ रेप किया गया। फिर उसे किडनैप कर धर्म परिवर्तन कराया गया। इसके बाद उसके साथ गैंगरेप किया गया। उसने विरोध किया तो मनाली ले जाकर उसे पहाड़ों से नीचे फेंककर कत्ल की साजिश रची गई। बालिग हो चुकी नाबालिग ने अब पुलिस को इसकी शिकायत की, जिसके बाद पुलिस ने 14 लोगों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट की धारा 3, पोस्को एक्ट की धारा 12 ओर 4, हरियाणा धर्म परिवर्तन निरोधक एक्ट की धारा 3 आईपीसी की धारा 120बी, 313, 323, 328, 354डी, 365, 376डी, 377 और 506 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों का क्रिमिनल रिकॉर्ड जांच रही है। फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में रहने वाली युवती ने सेक्टर-16 के महिला थाना सेंट्रल में शिकायत दी। युवती ने बताया कि जब वह नाबालिग थी तो एक युवक ने उसके साथ फ्रेंडशिप की। युवक ने तब खुद को हिंदू बताया था, उसने अपना धर्म और नाम बदला हुआ था, जिसकी वजह से उसकी युवक के साथ दोस्ती हो गई। युवती ने बताया कि युवक ने दोस्ती के बाद उसे प्रेम के जाल में फंसा लिया। इसके बाद एक दिन उसे बहाने से किसी होटल में ले गया, वहां उसे बहाने से नशीला पदार्थ पिला दिया, जिसके बाद उसकी अश्लील वीडियो बना ली। युवती ने आगे बताया कि इसके बाद आरोपी ने उसे अश्लील वीडियो दिखाई, जिसका डर दिखाकर उससे रेप करता रहा। आरोपी ने धमकी दी कि अगर उसने विरोध तो उसे वायरल कर देगा, ब्लैकमेलिंग कर एक साल तक उसके साथ बलात्कार करता रहा। युवती ने कहा कि जब वह बालिग हो गई तो आरोपी ने उसका धर्म परिवर्तन करा दिया, फिर उसके साथ जबरन शादी रचा ली। इसके बाद वह उसे ससुराल ले गया। युवती ने आरोप लगाया कि जब वह ससुराल पहुंची तो पति का असली चेहरा सामने आया, पहले पति के भाईयों ने उसके साथ रेप किया, इसके बाद पति के भाईयों के सालों ने भी ससुराल आकर उसके साथ रेप किया। सबने मिलकर उसका गैंगरेप किया। युवती ने कहा कि जब वह विरोध करने लगी तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की साजिश रची, उसे बहाने से मनाली ले गए, वहां से उसे पहाड़ी से नीचे फैंकने की प्लानिंग की थी। युवती ने बताया कि जब उसे पहाड़ी से फेंककर मारने की प्लानिंग का शक हुआ तो उसने अपने परिजनों को फोन कर दिया, उन्हें पूरी बात बता दी, जिसके बाद आरोपियों को डर लगा कि अगर अब कुछ किया तो परिजन पुलिस को बता देंगे इसलिए उन्होंने यह प्लान केंसिल कर दिया। पीड़िता का कहना है कि आरोपियों पर पहले भी कई केस दर्ज है। फरीदाबाद के सेक्टर-16 महिला थाना सेंट्रल की एसएचओ इंदूबाला ने बुधवार को बताया कि युवती ने शिकायत दी है, जिसमें धर्म परिवर्तन, गैंगरेप और किडनैपिंग जैसी गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। मामले की जांच कर सबूत इकठा किए जा रहे हैं। आरोपियों के पुराने केसों की भी कुंडली खंगाल रहे है, आरोपियों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

श्री राम जानकी विवाह महोत्सव : पुष्प वाटिका उत्सव में सिया जी ने किया गौरी पूजन

जयपुर(हिंस)। चांदपोल बाजार स्थित श्री रामचंद्र जी मंदिर में राम जानकी विवाह महोत्सव के तहत बुधवार को पुष्प वाटिका प्रसंग साकार हुआ। मंदिर को पुष्प वाटिका का स्वरूप दिया गया, जिसमें तरह तरह के पौधे,बेल,बन्दरवाल आदि से सजावट के गई। जहां सीता जी माता पार्वती जी की पूजा के लिए सखियों के साथ आई। इसके अलावा मंदिर जग-मोहन के बीच मे एक बड़ा फवारा लगाया गया। जहां सीता जी ने अपनी सखियों के साथ उसका जल लेकर पूजन किया और दूसरी तरफ ऊंचाई पर बने अटारी (बालकनी) से रामजी ने उनको निहारा। साथ ही सीताजी माता पार्वती से श्रीरामजी को पति के रूप में पाने के लिए प्रार्थना की। महंत नरेंद्र तिवाड़ी ने बताया कि इस उत्सव में मंदिर भक्तसमाज की ओर से बधाई गायन भी हुआ। जिसमें गौरी पुजन को दिन छे आज सखी और सिया पूजत गौरी को आदि विशेष पद गाए गए। तिवाड़ी ने बताया कि इस महोत्सव में गुरुवार को धनुष यज्ञ प्रसंग साकार होगा। इससे पहले अयोध्या नगरी में विवाह निमंत्रण दिया जाएगा। महोत्सव में एक दिसंबर को श्री ठाकुरजी का सगाई तिलक समारोह व मेंहदी उत्सव, मटकोर पूजन आदि कार्यक्रम होंगे। वहीं 2 दिसंबर को बारात निकासी, फेरे, भावरी उत्सव व सिंदूर दान उत्सव का आयोजन होगा। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले मंगलवार को मंदिर परिसर को जनकपुर का स्वरूप दिया गया। जहां कई तरह की दुकानें सजाई गई। मंदिर में श्रीराम के नगर दर्शन का चरित्र साकार हुआ, जिसके तहत श्री राम और लक्ष्मण जी मिथिला दर्शन को निकले और मिथिला में सारे बाजार का दर्शन किया। सारे मिथिला वासी दोनों भाइयों के रूप को देखकर मंत्रमुग्ध जो गए एवं सभी नारियां मन ही मन गौरी गणेश को मनाने लगी कि यह किशोर सिर्फ सीता जी के ही लायक है और श्री राम और सीता जी का विवाह हो जाए।

चीन में फैले वायरस के बाद हरियाणा में अलर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। चीन में तेजी से फैल रहे नए वायरस के बाद हरियाणा के अस्पतालों को भी अलर्ट कर दिया गया है। केंद्र सरकार की सलाह पर राज्य के स्वास्थ्य महानिदेशक ने प्रदेश के सभी सिविल सर्जनों को एक पत्र लिखकर सभी अस्पतालों में आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि अभी हरियाणा में इस बीमारी का कोई केस सामने नहीं आया है लेकिन नए वायरस से बच्चों को बचाने की जरूरत है। ऐसे में प्रदेश के सभी सिविल सर्जन अपने अधिकार क्षेत्र के सभी अस्पतालों में आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी प्रबंध पूरे किए जाएं। अस्पतालों में पर्याप्त संख्या में बैड, टेस्टिंग व्यवस्था, मेडिकल काउंटर, दवाइयां आदि उपलब्ध हैं। कोरोना के दौरान जिस तरह से अस्पतालों में व्यवस्था की गई थी। उसी तरह से अब भी किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए व्यवस्था की जाए। सभी सिविल सर्जन अपने आसपास की लैब संचालकों के साथ बैठक करेंगे। अस्पतालों में चल रही लैब की भी स्टेटस रिपोर्ट ली जाएगी।

एडवेंचर बाइक 'हिमालयन' नेक्स्ट जनरेशन मॉडल लांच–सफर में ले सकते हैं म्यूजिक का मजा

नई दिल्ली।
रॉयल एनफील्ड ने लोकप्रिय एडवेंचर बाइक 'हिमालयन' नेक्स्ट जनरेशन मॉडल को लॉन्च कर दिया है। नई हिमालयन की शुरूआती कीमत 2.69 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। इसके टॉप मॉडल की कीमत 2.84 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है।

फिलहाल ये कीमतें इंट्रोडक्टरी हैं और केवल 31 दिसंबर 2023 तक वैलिड रहेंगी। इसके बाद कंपनी कीमतों में इजाफा कर सकती है। बता दें कि नई रॉयल एनफील्ड हिमालयन अपने पिछले मॉडल की तुलना में महंगी है। हिमालयन 411 की कीमत 2.15 लाख रुपये से 2.30 लाख रुपये के बीच थी। इस लिहाज से देखा जाए तो नई हिमालयन 54,000 रुपये महंगी है। कंपनी ने बाइक में अपडेट को देखते हुए कीमतों में इजाफा किया है। नई हिमालयन पूरी तरह अपने पुराने मॉडल से अलग है। इसमें नया डिजाइन, नया इंजन और कई सारे नए और एडवांस फीचर्स शामिल किए गए हैं।नई हिमालयन राउंड आकर के फ्यूल टैंक के साथ आती है। पिछले मॉडल में फ्यूल टैंक रेक्टैंग्युलर आकार में था। टैंक का आकार बदलने से इसकी क्षमता भी बढ़ गई है। इसकी कैपेसिटी 15 लीटर से बढ़कर 17 लीटर की हो गई है। कंपनी ने हेडलाइट, इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, फ्रेम और सीट के डिजाइन में भी बदलाव किया है। हालांकि, ये अब भी स्प्लिट सीट सेटअप में आ रही है। इसके अलावा साइड पैनल, आगे और पीछे के फेंडर्स भी नए दिए गए हैं। कंपनी अब इस बाइक में सभी तरह की लाइटिंग एलईडी में दे रही है। रॉयल एनफील्ड ने हिमालयन में बिलकुल नया 452ष्ठ क्षमता का सिंगल सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया है जो लगभग 40 बीएचपी का पॉवर और 40 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। पुरानी हिमालयन में 411ष्ठ क्षमता है एयर/ऑयल कूल्ड इंजन दिया गया था, जो महज 24.3 बीएचपी का पॉवर जनरेट करता था। पिछले हिमालयन में 5-स्पीड गियरबॉक्स मिलता था। लेकिन नए हिमालयन में 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ असिस्ट और स्लिपर क्लच फंक्शन भी दिया जा रहा है।कंपनी इस बाइक में म्यूजिक प्लेबैक की भी सुविधा दे रही है जिससे आप सफर के दौरान म्यूजिक का आनंद ले सकते हैं। सेफ्टी के लिए बाइक में स्विचेबल डुअल चैनल एबीएस दिया गया है। नए हिमालयन में कंपनी ने एलईडी लाइट्स, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, मैप नेविगेशन, राइड बाय वायर, दो राइड मोड, 4-इंच का फुल टीएफटी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बढ़त के साथ खुली भारतीय करेंसी, डॉलर के मुकाबले इतने पैसे तेज हुआ रुपया

नई दिल्ली। बुधवार को रुपया बढ़त के साथ खुला है। विदेशी निवेशकों द्वारा खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर में गिरावट ने भारती करेंसी को सीमित दायरे से बाहर निकालने में मदद की है। स्टॉक मार्केट के सभी सूचकांक हरे निशान पर खुले हैं। हालांकि, इसके बाद बाजार में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। फॉरेक्स ट्रेडर्स का कहना है कि शेयर मार्केट में आई तेजी औरह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भारतीय करेंसी को प्रभावित किया है। बुधवार के शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.30 पर मजबूत खुला, लेकिन फिसलकर 83.33 पर आ गया। बाद में यह ग्रीनबैक के मुकाबले 83.28 पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद के मुकाबले 6 पैसे अधिक था। बीते दिन रुपया रिकॉर्ड निचले स्तरों से पलट गया और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 6 पैसे बढ़कर 83.34 पर बंद हुआ। इस बीच, डॉलर सूचकांक में डॉलर 0.13 प्रतिशत कम होकर 102.61 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.04 प्रतिशत गिरकर 81.65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बीएसई सेंसेक्स 266.56 अंक या 0.40 प्रतिशत बढ़कर 66,440.76 पर कारोबार कर रहा था, जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 86.10 अंक या 0.43 प्रतिशत बढ़कर 19,975.80 पर पहुंच गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध खरीदार थे, क्योंकि उन्होंने 783.82 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सबसे ज्यादा रेंज देने वाला स्कूटर है सिंपल वन, सिंगल चार्ज पर चलता है 212 किलोमीटर

नईदिल्ली । भारतीय दोपहिया वाहनों के बाजार में कई ऐसे इलेक्ट्रिक स्कूटर मौजूद हैं जो पर्यावरण के लिए बेहतर तो हैं ही, साथ में रेंज के मामले में भी अपना दबदबा बनाए हुए हैं।सबसे ज्यादा रेंज देने वाला स्कूटर सिंपल वन है जो सिंगल चार्ज पर 212 किलोमीटर की जबरदस्त रेंज ऑफर करता है। इसमें 5केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक का इस्तेमाल किया गया है। आप इसे 1.45 लाख रुपये शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं। ओला एस1 प्रो स्कूटर इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर फुल चार्ज पर 181 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में 4 केडब्ल्यूएच क्षमता की लिथियम आयन बैटरी मिलती है। इसे 1.40 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत में खरीदा जा सकता है। इस लिस्ट में तीसरा नाम हीरो विडा वी1 इलेक्ट्रिक स्कूटर का है, जो एक बार के फुल चार्ज पर 165 किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है। हीरो मोटोकॉर्प की विडा वी1 इलेक्ट्रिक स्कूटर को आप 1.26 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं। इस लिस्ट में चौथा इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर 450एक्स है जो फुल चार्ज पर 146 किलोमीटर की रेंज ऑफर करता है।

गौतम अदाणी एक बार फिर दुनिया के टॉप 20 अमीरों की लिस्ट में, समूह के शेयरों में मजबूती से फायदा

नई दिल्ली । ब्लूमबर्ग के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, गौतम अदाणी एक बार फिर दुनिया के शीर्ष 20 अमीरों की सूची में शामिल हो गए हैं। बता दें कि पिछले साल अदाणी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एक समय पर दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे। लेकिन, अदाणी समूह के बारे में हिंडनबर्ग की रिसर्च रिपोर्ट के बाद समूह के कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी और वे टॉप 20 से बाहर हो गए थे। अदाणी की 10-सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों ने मार्केट कैप में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि की और एक बार फिर वे दुनिया के शीर्ष 20 अरबपतियों की सूची में शामिल हो गए हैं। ब्लूमबर्ग के अनुसार, दूसरे सबसे अमीर भारतीय की संपत्ति में एक दिन में ही लगभग 6.5 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ, और उनकी संपत्ति 66.7 बिलियन डॉलर हो गई। वह अब जूलिया फ्लेशर कोच एंड फैमिली (64.7 बिलियन डॉलर), चीन के झोंग शानशान (64.10 बिलियन डॉलर) और अमेरिका के चार्ल्स कोच (60.70 बिलियन डॉलर) से आगे हैं। इस वृद्धि से पहले पहले गौतम अदाणी सूची में 22वें नंबर पर थे।

शी जिनपिंग के साथ 40 हजार डॉलर का डिनर ! चीन में व्यापार मंजूरी की यह है कीमत

वॉशिंगटन।
चीन और अमेरिका के बीच में अक्सर खटास देखी गई है। कभी व्यापार तो कभी किसी अन्य देश की मदद करने को लेकर दोनों के बीच मनमुटाव बना रहता है। हाल के वर्षों में, चीन में व्यापार करना अमेरिका और अन्य विदेशी कंपनियों के लिए पहले से भी ज्यादा कठिन हो गया है। यह चीनी स्टॉक और बॉन्ड से वापस लिए गए निवेश से साफ है।

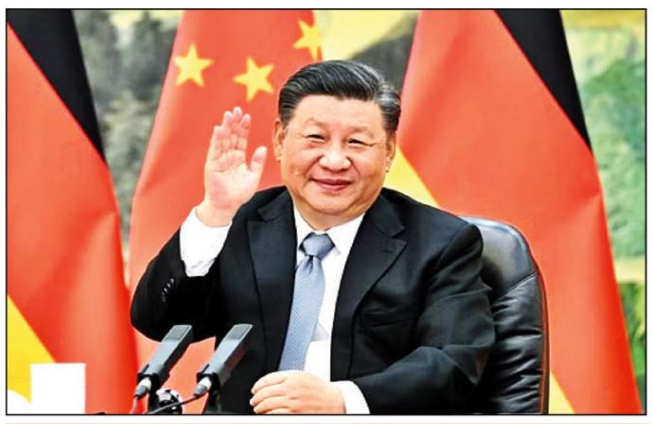

188 अरब डॉलर का निवेश कम

ब्लूमबर्ग ने चीन के केंद्रीय बैंक के हालिया आंकड़ों को जारी किया। बताया गया कि इस साल जून के अंत तक चीनी इक्विटी और बॉन्ड में विदेशी निवेश करीब 1.37 ट्रिलियन युआन यानी 188 अरब डॉलर कम हुआ है। दिसंबर 2021 में निवेश अपने चरम पर पहुंचा था, जो अब 17 फीसदी कम है।

यह कीमत चुकानी होगी

अब ऐसे में सवाल उठता है कि अगर चीन में कंपनियों को व्यापार करना है तो इसे पूरा करने के लिए कौन सा तरीका अपनाना चाहिए। इसका जवाब वॉल स्ट्रीट जर्नल में दिया गया है। इसकी एक रिपोर्ट के अनुसार, आप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ डिनर कर सकते हैं, जिसके लिए 40 हजार डॉलर चुकाने होंगे।

इन सौदों को कर चुका है टालमटोल

रिपोर्ट के अनुसार, कई महीनों तक चीनी अधिकारियों ने एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर कंपनी वीएमवेयर को खरीदने के ब्रॉडकॉम के प्रस्ताव को मंजूरी देने में देरी की, जिसकी बाद में पिछले साल मई में घोषणा की गई। देरी होने की वजह से तीन बार इस सौदे को टालने की बात उठी। ऐसी देरी होना कोई नई बात नहीं थी। इससे पहले, इंटेल द्वारा इजराइली कंपनी टॉवर सेमीकंडक्टर के 5.4 अरब डॉलर के अधिग्रहण की योजना विफल हो गई थी, क्योंकि चीन कथित तौर पर सौदे को पूरा करने के लिए दोनों कंपनियों द्वारा सहमत समय सीमा को पूरा करने के लिए समय पर सौदे को मंजूरी देने में विफल रहा था।

डिनर से फायदा

इन सबके बावजूद, ब्रॉडकॉम के सीईओ हॉक टैन ने इस महीने में सैन फ्रांसिस्को में चीनी नेता शी जिनपिंग के साथ डिनर में शामिल होने के लिए 40 हजार डॉलर का भुगतान किया। इतनी बड़ी कीमत टैन ने सिर्फ इसलिए चुकाई थी कि चीन 69 अरब डॉलर के सौदे को मंजूरी दे दे।

हालांकि, सैन फ्रांसिस्को में हुए डिनर के तुरंत बाद चीन ने ब्रॉडकॉम के अधिग्रहण को मंजूरी भी दे दी। लगभग उसी समय, न्यूयॉर्क स्थित मास्टरकार्ड को भी चीन में युआन-नामित कार्ड जारी करने की मंजूरी मिली, जिसके फैसले का लंबे समय से इंतजार था। बता दें, अमेरिकी कारोबारी समूहों द्वारा आयोजित डिनर में ब्रॉडकॉम, मास्टरकार्ड और बोइंग शामिल थे। इस डिनर के बाद मास्टरकार्ड ने अपनी वर्षों से की जा रही मांग तक पहुंच बनाई। वहीं, बोइंग को चीन में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। देश ने 2017 के बाद से बोइंग से यात्री विमान नहीं खरीदे हैं। इस पर भी चर्चा हुई।

सुधार के संकेत

इन सब मंजूरियों को अमेरिका-चीन के रिश्ते में सुधार के संकेत के रूप में देखा गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रॉडकॉम ने इन घटनाक्रमों पर टिप्पणी नहीं करने का फैसला किया और मास्टरकार्ड ने कोई जवाब नहीं दिया।

काले धन से संबंधित एसआईटी जल्द आठवीं अंतरिम रिपोर्ट जमा करेगी, उपाध्यक्ष पसायत ने कही यह बात

नई दिल्ली । काले धन का पता लगाने के लिए उच्चतम न्यायालय की ओर से नियुक्त विशेष जांच दल (एसआईटी) जल्द ही अपनी अंतरिम रिपोर्ट शीर्ष अदालत को सौंपेगा। एसआईटी के उपाध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरिजीत पसायत ने यहां यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने मई 2014 में सत्ता में आने के बाद अपनी पहली कैबिनेट बैठक में उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार एसआईटी के गठन को मंजूरी दी थी। पिछले नौ साल में एसआईटी ने सात अंतरिम रिपोर्ट शीर्ष अदालत को सौंपी हैं। न्यायमूर्ति पसायत ने देश में काले धन का पता लगाने और उस पर रोकथाम के सिलसिले में केंद्र और राज्य सरकारों के अधिकारियों के साथ यहां अपने आवास पर बैठक की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, सीमाशुल्क और उत्पाद शुल्क विभाग और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर विभाग के अधिकारियों की बैठक दो घंटे से अधिक समय तक चली जिसमें भारत और विदेशों में काले धन का पता लगाने और इस पर रोकथाम के लिए लागू होने वाले तरीकों के बारे में चर्चा की गई।

पांच वर्षों तक चलती रहेगी गरीब कल्याण अन्न योजना, महिला स्वयं सहायता समूहों को मिलेगा ड्रोन

नई दिल्ली ।
केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को सरकार की ओर से लिए गए दो अहम निर्णयों की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया है कि गरीब कल्याण अन्न योजना को 1 जनवरी 2024 से अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाया जाएगा। इस योजना की शुरुआत कोविड 19 महामारी के दौरान की गई थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में, लगभग 13.50 करोड़ भारतीय गरीबी के स्तर से ऊपर उठे। यह मोदी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है।

अनुराग ठाकुर ने बताया है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान करने की योजना को भी मंजूरी दी है। कृषि उपयोग के लिए किसानों को किराये की सेवाएं प्रदान करने के लिए 2023-24 से 2025-2026 के दौरान 15,000 चयनित महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सरकार के इस फैसले की जानकारी दी है।

ड्रोन परियोजना पर सरकार 1,261 करोड़ रुपये खर्च करेगी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दो वर्षों के लिए 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन उपलब्ध कराने की एक केंद्रीय योजना को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर सरकार 1,261 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को पत्रकारों को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में निर्णय किया गया। ठाकुर ने कहा, '' योजना का मकसद 2024-25 से 2025-2026 के दौरान किसानों को कृषि उद्देश्य के लिए किराए की सेवाएं प्रदान करने के लिए 15,000 चयनित महिला एसएचजी को ड्रोन प्रदान करना है।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, योजना के तहत स्वीकृत पहल 15,000 एसएचजी को स्थायी व्यवसाय तथा आजीविका सहायता प्रदान करेगी। इससे वे प्रति वर्ष कम से कम 1,00,000 रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित करने में सक्षम होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में लाल किले से एसएचजी को ड्रोन प्रौद्योगिकी से सशक्त बनाने की घोषणा की थी।

भारतीय शेयर बाजार का मार्केट कैप पहली बार 4 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंचा, 2023 में 15 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली ।
देश के प्रमुख शेयर बाजार बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण बुधवार को पहली बार चार ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 305.44 अंक चढ़कर 66,479.64 अंक पर पहुंच गया। शेयर बाजार में खरीदारी की बदौलत बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बुधवार को सुबह के कारोबार में 3,33,26,881.49 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। 83.31 रुपये के विनिमय मूल्य पर यह राशि चार ट्रिलियन डॉलर से अधिक है।

वैश्विक बाजारों में भारतीय शेयर बाजार मार्केट के लिहाज से अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाद पांचवें स्थान पर है। जबकि निफ्टी कैलेंडर वर्ष में अब तक 10 प्रतिशत से अधिक मजबूत हुआ है। भारत का एम-कैप 2023 में लगभग 51 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया है। ऐसा छोटे और मिडकैप शेयरों के बेहतर प्रदर्शन और दलाल स्ट्रीट पर एक के बाद एक आने वाले आईपीओ के कारण है। भारत मई 2021 तीन ट्रिलियन डॉलर के क्लब में शामिल हुआ था।

लगभग 48 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ, अमेरिका अब तक दुनिया का सबसे बड़ा इक्विटी बाजार है। इसके बाद चीन (9.7 ट्रिलियन डॉलर) और जापान (6 ट्रिलियन डॉलर) का स्थान है।

इस कैलेंडर ईयर में अब तक भारत का मार्केट कैप करीब 15 पर्सेंट बढ़ा है, जबकि चीन के मार्केट कैप में 5 पर्सेंट की गिरावट आई है। टॉप-10 मार्केट कैप क्लब में अमेरिका एकमात्र ऐसा मार्केट है, जो 17 फीसदी के साथ भारत की तुलना में तेज रफ्तार से बढ़ा है। इस साल दुनिया के सभी बाजारों का संयुक्त मार्केट कैप 10 प्रतिशत बढ़कर 106 ट्रिलियन डॉलर हो गया है।

डॉलर इंडेक्स गिरने से सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे सोने के भाव, चांदी भी उछली

नई दिल्ली ।
डॉलर इंडेक्स 3 महीने के निचले स्तर पर पहुंचने से देश में सोने व चांदी के भावों में तेजी आई है। सराफा बाजार की बात करें तो बीते कुछ दिनों से सोने की वायदा कीमतों में लगातार तेजी दिखी है। मिली जानकारी के अनुसार जहां सोने के वायदा भाव आज सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे हैं वहीं चांदी की वायदा कीमतों में भी काफी तेजी आई है। उधर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। इसकी वजह बताते हुए एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटी व करेंसी प्रमुख अनुज गुप्ता ने बताया कि डॉलर इंडेक्स 3 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया है। इस वजह से सोने—चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव 2,000 डॉलर पार कर 2,050 डॉलर की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं चांदी के वायदा भाव 25 डॉलर को पार कर चुके हैं। घरेलू बाजार में भी सोने के वायदा भाव अपने सर्वोच्च स्तर को छू चुके हैं। अनुमान है कि अगले साल सोने के वायदा भाव 65 से 67 हजार रुपये तक जा सकते हैं, जबकि चांदी के वायदा भाव 78 से 80 हजार रुपये तक जाने की उम्मीद है। बुधवर को सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट आज 217 रुपये की तेजी के साथ 62,602 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 115 रुपये की तेजी के साथ 62,500 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 62,602 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 62,431 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। बीते दो दिन रिकॉर्ड स्तर बनाने से पहले सोने के वायदा ने मई महीने में 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 158 रुपये की तेजी के साथ 75,457 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 75,600 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 75,310 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर प्राप्त कर लिया।

हाईक्रॉस के लिए वेटिंग पीरियड 1 साल तक , गाडी में कमाल के हैं फीचर्स

नई दिल्ली ।
टोयोटा इनोवा के प्रीमियम मॉडल हाईक्रॉस वैरिएंट के लिए वेटिंग पीरियड 1 साल तक पहुंच चुका है। इसके हाइब्रिड वैरिएंट के लिए वेटिंग पीरियड 9 से 12 महीने है, जबकि पेट्रोल वैरिएंट के लिए ग्राहकों को 4 से 6 महीने का वेटिंग पीरियड दिया जा रहा है। टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस को चार वैरिएंट में बेचा जा रहा है, जिसके टॉप झेडएक्स वैरिएंट की बुकिंग कंपनी ने कुछ दिनों के लिए बंद कर दी थी। वीएक्स और वीएक्स (ओ) ट्रिम के लिए वेटिंग पीरियड 9-12 महीनों तक पहुंच गया है। वहीं जी और जीएक्स पेट्रोल ट्रिम की डिलीवरी के लिए ग्राहकों को 4 से 6 महीनों का वेटिंग पीरियड दिया जा रहा है। पेट्रोल हाईक्रॉस की कीमतें 18.82 लाख-19.72 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच हैं, जबकि हाइब्रिड वेरिएंट (वीएक्स और वीएक्स (ओ) की कीमत 25.3 लाख-27.32 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है।टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस को दो पॉवरट्रेन विकल्प में पेश किया गया है जिसमें 2.0-लीटर पेट्रोल और 2.0 लीटर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन शामिल है। ये इंजन क्रमशः 172 बीएचपी और 184 बीएचपी की पॉवर जनरेट करते हैं। पेट्रोल इंजन में ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन, जबकि हाइब्रिड इंजन के साथ ई-सीवीटी गियरबॉक्स दिया गया है। टोयोटा हाइब्रिड वैरिएंट के लिए 23.24 किलोमीटर प्रति लीटर और पेट्रोल वैरिएंट के लिए 16.13 किलोमीटर प्रति लीटर की माइलेज क्लेम करती है।

वारेन बफेट के बिजनेस पार्टनर चार्ल्स मंगर नहीं रहे, निवेश का सम्राज्य खड़ा करने में था योगदान

नई दिल्ली । बर्कशायर हैथवे को एक असफल कपड़ा निर्माण कंपनी से एक बड़े साम्राज्य में बदलने के लिए वॉरेन बफेट के साथ मिलकर लगभग 60 वर्षों तक काम करने वाले चार्ल्स उर्फ चार्ली मंगर का निधन हो गया है। वे 99 वर्ष के थे। बफेट ने एक बयान में कहा कि कैलिफोर्निया के एक अस्पताल में उनका निधन हो गया। वह लंबे समय से लॉस एंजिल्स में रह रहे थे। बफेट के अनुसार चार्ली की प्रेरणा, ज्ञान और भागीदारी के बिना बर्कशायर हैथवे को उसकी वर्तमान स्थिति में नहीं लाया जा सकता था। पेशे से वकील मंगर ने एक समय पर बफेट की मदद की थी जो उनसे सात साल छोटे थे, उन्होंने लंबी अवधि के लिए कंपनियों में निवेश करने का दर्शन तैयार किया था। उनके प्रबंधन के तहत, बर्कशायर ने 1965 से 2022 तक 20 प्रतिशत का औसत वार्षिक मुनाफा हासिल किया। जो गति एसएंडपी 500 में वृद्धि की गति से लगभग दोगुना है। अपने निवेश पर दशकों के रिटर्न से बफेट और मंगर की जोड़ी अरबपति बनने के साथ-साथ निवेशकों के बीच बड़ा चेहरा बन गए। मंगर बर्कशायर के उपाध्यक्ष थे और इसके सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक थे, जिसका स्टॉक मूल्य लगभग 2.2 बिलियन डॉलर था। फोर्ब्स के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति लगभग 2.6 बिलियन डॉलर थी।

आयुष्मान खुराना बनाना चाहते हैं क्रिकेट पर फिल्म, कौशल आएगा काम

मुंबई (ईएमएस)। क्रिकेट के दीवाने एक्टर आयुष्मान खुराना अपने कौशल का भरपूर उपयोग करने के लिए क्रिकेट पर फिल्म बनाना चाहते हैं। उन्होंने खुलासा किया कि वह जल्द ही इस खेल पर एक बढिया फिल्म बनाने जा रहे हैं। आयुष्मान ने कहा कि जब भी ऐसा होगा तो उनका क्रिकेट स्किल काम आएगा। आयुष्मान को विक्की डोनर, दम लगा के हईशा, आर्टिकल 15, अंधाधुन जैसी कई अन्य फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। एक्टर खुराना ने कहा कि क्रिकेट पर उनकी नॉलेज और ऑब्जरवेशन अच्छी हैं। उन्होंने दुनिया भर के क्रिकेट फैंस के साथ बातचीत की और बताया कि वह इस खेल के उत्साही फॉलोअर भी हैं। आयुष्मान ने खुलासा किया कि वह पंजाब में अंडर-19 डिस्ट्रिक्ट लेवल के क्रिकेटर थे और वह इस खेल को बहुत जुनून के साथ खेलते हैं। उन्होंने कहा कि क्रिकेट पर फिल्म बनाना मेरी बकेट-लिस्ट का हिस्सा है और मुझे उम्मीद है कि यह जल्द ही पूरा हो जाएगा।

मुझे लगता है कि जब भी ऐसी फिल्म बनेगी तो मेरा क्रिकेट स्किल वास्तव में काम आएगा। यह लंबे समय से अफवाह है कि आयुष्मान महान भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक में उनका किरदार निभाने वाले हैं, जो निश्चित रूप से देश का ध्यान खींचेगी। उन्हें आखिरी बार फिल्म एन एक्शन हीरो में देखा गया था। उनकी अगली फिल्म लवबड्र्स जल्दी ही देखने को भी मिलने जा रही है।

इमरजेंसी में कंगना निभाएंगी इंदिरा गांधी का रोल

-अभिनेत्री ने प्रधानमंत्री संग्रहालय का किया दौरा

मुंबई (ईएमएस)। ऐतिहासिक फिल्म इमरजेंसी में अभिनेत्री कंगना रनौत पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाएंगी। इसी सिलसिले में कंगना ने प्रधानमंत्री संग्रहालय का दौरा किया। यहां उन्होंने इंदिरा गांधी के एआई-निर्मित संस्करण के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। एक्ट्रेस वीरांगनाओं की महागाथा नामक लाइट एंड साउंड शो के लॉन्च में शामिल हुईं। मालूम हो कि आगामी फिल्म इमरजेंसी भारतीय आपातकाल पर आधारित है, और इसमें अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

सोशल मीडिया पर क्वीन अभिनेत्री ने प्रधानमंत्री संग्रहालय की अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें साझा की। अभिनेत्री ने पिस्ता हरे रंग की साड़ी, स्लीवलेस ब्लाउज और मैचिंग चोकर नेकपीस और झुमके पहने थे। उन्होंने अपने बालों को जूड़े में बांध रखा था और कम से कम मेकअप का विकल्प चुना था। तस्वीरों में कंगना को इंदिरा गांधी के एआई-निर्मित संस्करण के साथ एक कुर्सी पर बैठे देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, आईजी के साथ बातचीत करना बहुत अच्छा रहा... तस्वीरों में कंगना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एआई-निर्मित छवि के साथ पोज देते हुए भी दिखाया गया है। कंगना ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, आज दिल्ली में वीरांगनाओं की महागाथा नामक एक शानदार लाइट और साउंड शो लॉन्च किया गया है। हमारे महान इतिहास और शक्ति भावना के पुनरुद्धार में कितना अविश्वसनीय कदम है। पोस्ट में लिखा, इतिहास के कई अध्याय विभिन्न आख्यान कुछ पुराने तरीकों के माध्यम से और कुछ भविष्य की तकनीकों के माध्यम से मेरी आंखों के सामने खुल गए। हर किसी को वहां अवश्य जाना चाहिए, इसे एक पारिवारिक सैर बनाएं, देखने के लिए बहुत कुछ है, मनोरंजन करते हुए जानकारी प्राप्त करें और अपने दिन की समाप्ति लंबे समय से खोए हुए नायकों के बारे में एक सुपर रोमांचक लाइट और साउंड शो के साथ करें। मैं अपने भतीजे पृथ्वी को जल्द ही वहां ले जाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती... जय हिंद।

कमाई से बॉक्स ऑफिस हिला दिया था मि इंडिया ने

-भारी भरकम बजट में बनी थी ये फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। साल 1987 में आई एक्टर अनिल कपूर और श्रीदेवी की फिल्म मि इंडिया में अनिल कपूर ने अरुण नाम के शख्स का किरदार निभाया था, जो बाद में एक सुपरहीरो बनकर देश में करप्शन फैला रहे लोगों की अकल ठिकाने लगाता है अरुण एक अनाथाश्रम चलाता है, जिसमें कई बच्चे रहते हैं। साल 1987 में सिनेमाघरों में जब इस फिल्म ने दस्तक दी तो कमाई से बॉक्स ऑफिस हिला कर रख दिया था। उस साल भारी भरकम बजट में बनी ये फिल्म और इसके गाने काफी पसंद किए गए थे। कपिल शर्मा के शो में बोनी कपूर ने इस फिल्म के हिट गाने के बारे में बताया था, काटे नहीं कटते के लिए, हमने एक लाल सेट मॉडल बनाया था। पहले ये फैसला लिया गया था कि इस गाने में सिर्फ श्रीदेवी को ही एक्ट करना था। लेकिन रिकॉर्डिंग के बाद, अनिल ने कहा कि वो इस गाने में भी काम करना चाहते है। उन्हें अंदाजा हो गया था कि ये गाना आगे चलकर हिट होने वाला है। हालांकि अनिल को इस गाने में लेने के बाद उसमें बदलाव भी किया गया था। ताकि ये दिखाया जा सके कि अनिल गाना गा रहे हैं।

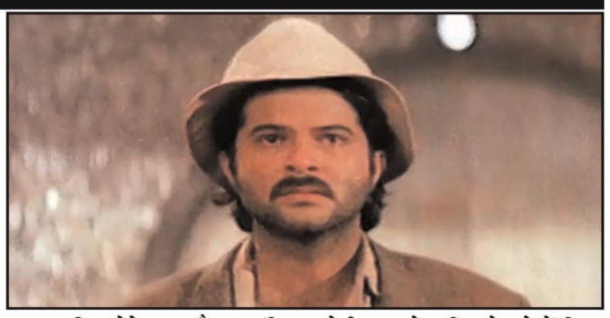

उस दौर में जब बड़े स्टार्स वाली बड़ी फिल्में 1 और 1.5 करोड़ रुपये के बजट में बनाई जाती थीं। उस वक्त बोनी कपूर ने इस फिल्म पर पानी की तरह पैसा बहाया था। फिल्म का टोटल बजट 3 करोड़ 20 लाख था। इस फिल्म की रिलीज के दौरान उन्हें 80 लाख का नुकसान हुआ था। इस बात का खुलासा खुद बोनी कपूर ने कपिल के शो में किया था। लेकिन जब ये फिल्म रिलीज हुई बोनी कपूर भी मालामाल हो गए थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ दिए थे। कमाई के मामले में फिल्म ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। बता दें कि सिर्फ अनिल कपूर या श्रीदेवी ही नहीं इस फिल्म में विलेन के रोल में नजर आए अमरीश पुरी की भी लॉटरी लग गई थी। फिल्म में उनका निभाया मोगैंबो का किरदार काफी पसंद किया गया था। उनके इस किरदार की वजह से उनका करियर चमक उठा था।

9 साल का हो गया रितेश-जेनेलिया का बेटा रियान

बीते शनिवार बालीवुड एक्टररितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा का बड़ा बेटा रियान 9 साल का हो गया। इस मौके पर कपल ने एक पार्टी होस्ट की, जहां देशमुख फैमिली एक साथ नजर आईं। अब उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर लोगों का खूब दिल जीत रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि रितेश और जेनेलिया अपने दोनों बेटों के साथ पोज दे रहे हैं। इन फोटोज में जो सबसे खास बात है वो है कि सभी हाथ जोड़कर पोज दे रहे हैं। रितेश-जेनेलिया और उनके बच्चे सभी कैमरे के सामने दोनों हाथ जोड़े नजर आ रहे है और उनका ये अंदाज सबका दिल जीत रहा है। इस दौरान जेनेलिया के दोनों लाडले पिंक और ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग करते नजर आ रहे हैं। वहीं, जेनेलिया और रितेश बेटे की बर्थडे पार्टी में बच्चों की तरह कपड़े पहने बच्चे बने नजर आ रहे हैं। बता दें कि रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा बॉलीवुड इंडस्ट्री के पावर कपल होने के साथ ही एक बेस्ट पेरेंट्स भी हैं। दोनों अपने दोनों बेटों की खूब केयर करते हैं।

ये क्या नया शुरू हो गया है आलू जी?: आलिया

-पैपराजी ने दिया आलिया को नया निक नेम

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट को मुंबई के सेंट रेजिस होटल में जीक्यू के मेन ऑफ द ईयर इवेंट में स्पॉट किया गया था। इस दौरान पैप्स ने जब एक्ट्रेस को उनके निक नेम से बुलाया तो आलिया का रिएक्शन भी देखने लायक था। जीक्यू के मेन ऑफ द ईयर इवेंट में आलिया काफी ग्लैमरस अवतार में पहुंची थीं। आलिया ने मैचिंग हील्स और स्ट्रेट बालों के साथ ब्रिक-रेड प्लेसूट पहन रखा था, जिसमें बेहद खूबसूरत लग रही थीं। आलिया ने अपने इस आउटफिट के लिए काफी तारीफ बटोरी। वहीं इस दौरान आलिया पैप्स के साथ मस्तीभरी नोकझोंक करती भी दिखीं जो अब काफी वायरल हो गई है। दरअसल जब आलिया इवेंट में कैमरे के लिए पोज दे रही थी, तो पैपराजी ने उन्हें उनके निक नेक आलू जी से बुलाया। ये सुनकर आलिया पहले तो कंफ्यूज नजर आईं और फिर उन्होंने इस पर रिएक्ट करते हुए कहा कि ये क्या नया शुरू हो गया है आलू जी? इसके बाद वह हंस पड़ीं जब लोगों ने उनके लुक की तारीफ की। आलिया भट्ट के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस को आखरी बार स्क्रीन पर करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर सिंह के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए देखा गया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म किया और इसमें आलिया की एक्टिंग के साथ उनकी साड़ियों की भी खूब तारीफ हुई। वहीं आलिया फिलहाल वासन बाला के निर्देशन में बन रही अपनी अगली फिल्म जिगरा की शूटिंग कर रही हैं। इस फिल्म में आलिया न केवल नायिका हैं बल्कि वे करण जौहर के साथ को-प्रोड्यूसर भी हैं। बता दें कि आलिया भट्ट फिल्म उद्योग की मोस्ट टैलेंटेड एक्टर्स में एक हैं। आलिया भट्ट ने अपने अब तक के करियर में कई सुपर डुपर हिट फिल्में दी हैं। हाल ही में आलिया को गंगूबाई काठियावाड़ी में उनकी दमदार परफॉर्मेंस के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था।

खजुराहो में जल्द होगा फिल्म फेस्टिवल का 9वां सीजन

-16 दिसंबर से 22 दिसंबर के बीच आयोजित होगा कार्यक्रम

मुंबई (ईएमएस)। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े पर्यटन केंद्रों में से एक खजुराहो में अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल का 9वां एडिशन भी जल्द शुरू होने जा रहा है, जो 16 दिसंबर से 22 दिसंबर के बीच खजुराहो के बुंदेला रिसोर्ट में आयोजित होगा। सात दिनों तक चलने वाले इस समारोह का आयोजन फिल्म अभिनेता व बुंदेलखंड विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष राजा बुन्देला के प्रयास प्रोडक्शन के बैनर तले होता है। इस बार समारोह की थीम बॉलीवुड की महान अभिनेत्री श्रीदेवी पर आधारित है। इस दौरान उनकी लाडला, नगीना, इंग्लिश विंग्लिश, मॉम जैसी कुछ विशेष फिल्मों के साथ-साथ भारतीय और विदेशी फिल्मों के अलावा शार्ट फिक्शन फिल्म्स, नई बुंदेली फिल्म्स, यूरोपियन फिल्म्स, मोबाइल शार्ट फिल्म्स, सर्वश्रेष्ठ रील, ट्रिब्यूट श्रीदेवी फिल्म व महिला फिल्म मेकर्स की फिल्मों का प्रदर्शन भी देखने को मिलेगा। किफ खजुराहो की आधिकारिक वेबसाइट पर दी जानकारी के अनुसार, इस बार अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त आगंतुकों को समारोह में उपस्थित रहने वाले सेलिब्रिटीज के साथ डिनर करने का अवसर भी प्राप्त होगा, जिसके लिए उपयुक्त पास की व्यवस्था की जाएगी। इसके अतिरिक्त फिल्म वर्कशॉप में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को स्कॉलर्शिप भी प्रदान की जाएगी। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फ्रांस और न्यूजीलैंड की फिल्में भी प्रदर्शित की जाएंगी। फिल्म एक्टर व डायरेक्टर चंद्र प्रकाश द्विवेदी, रमेश सिप्पी, प्रोडूसर मनमोहन सेठी, फ्रेंच एक्ट्रेस मैरिएन बोर्गो आदि प्रमुख रूप से शामिल होंगे। समारोह से सम्बंधित जानकारियों के लिए जल्द ही आयोजक मंडल की तरफ से एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कार्यक्रम की सम्पूर्ण रूपरेखा देखने को मिलेगी। संभवतः बोनी और जानवी कपूर भी इस समारोह का हिस्सा होंगे। बता दें कि खजुराहो फिल्म फेस्टिवल के माध्यम से देश के जाने माने फिल्म मेकर्स के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को भी प्रभावशाली मंच प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। इस बार कुछ नए अंदाज और इवेंट्स के साथ किफ को और अधिक शानदार बनाने का प्रयास किया जा रहा है। जाहिर तौर पर किफ के माध्यम से बुंदेली कला संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थानीय लोक कलाकारों को मंचन का भरपूर अवसर भी मिलता है। समारोह में न केवल खजुराहो बल्कि देश के अलग अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में दर्शक पहुँचते हैं। वहीं पर्यटन नगरी होने के कारण, समारोह में देशी-विदेशी पर्यटकों का जमावड़ा भी लगा रहता है। बता दें कि बेशकीमती शिल्पकलाओं के लिए विश्वविख्यात खजुराहो को अब बांस-बल्लियों से तैयार की गई टापरा टॉकीज में फिल्मों की प्रदर्शनी वाले अपने अनोखे अंतराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के लिए भी जाना जाता है।

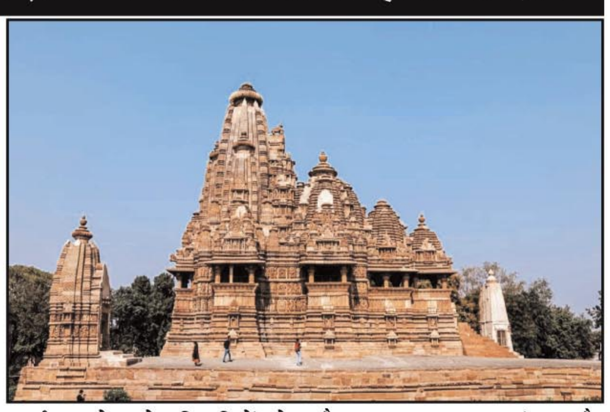

परिणीति ने फैन क्लब की लगाई क्लास

हाल ही में एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने उन लोगों पर अपनी भड़ास निकाली, जो उनका नाम लेकर गलत बयानबाजी करते हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए फैन क्लब की क्लास लगाई है। दरअसल, सोशल मीडिया पर परिणीति चोपड़ा के नाम से कई फैन क्लब हैं। ऐसे में कुछ लोगों ने उनके नाम का इस्तेमाल कर उनके इंटरव्यू के गलत क्वोट शेयर कर रहे हैं, जिससे वह काफी भड़क गई हैं। हाल ही में अपनी भड़ास निकालते हुए उन्होंने पोस्ट में लिखा- देख रही हूं कि फैन क्लब मेरे नाम का इस्तेमाल करते हुए अपने कलाकारों के फेवर में क्वोट्स दे रहे हैं। ये नकली हैं। मैंने किसी के बारे में कोई इंटरव्यू या क्वोट नहीं दिया है। न उन्हें बधाई दी है और ना ही उनकी सराहना की है। मैं देख रही हूं और रिपोर्ट करूंगी। और हां, पहले अपना फेक्ट चेक करें। एक छोटा सा गूगलिंग किसी को हानि नहीं पहुंचाता है। वहीं, काम की बात करें तो परिणीति चोपड़ा को आखिरी बार अक्षय कुमार के साथ फिल्म मिशन रानीगंज में देखा गया था।

लुक से फैंस को इम्प्रेस करती नजर आई सोफिया

हाल ही में हॉलीवुड एक्ट्रेस सोफिया वर्गरा को लॉस एंजिल्स में आउटिंग पर स्पॉट किया गया, जहां एक बार फिर वह अपने लुक से फैंस को इम्प्रेस करती नजर आईं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान सोफिया वर्गरा का डेनिम लुक देखने को मिला। डेनिम शर्ट और पैंट के साथ ब्लैक लैदर हाई बूट्स से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कंप्लीट किया है और साथ ही ब्लैक पर्स भी कैरी किया है। चेहरे पर चश्मा और खुले बालों से अपने लुक को स्टाइलिश बनाते हुए सोफिया एलए की सड़कों पर जबरदस्त पोज दे रही हैं। काम की बात करें तो सोफिया वर्गरा को आखरी बार फिल्म स्ट्रायस में देखा गया था। बता दें कि सोफिया वर्गरा एक जानी मानी कोलंबियाई-अमेरिकी एक्ट्रेस और मॉडल हैं, जो अक्सर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। सोफिया 51 की उम्र में भी अपने लुक से फैंस को मात देती हैं।

संदीपा धर ने भाई को दी टक्कर

कश्मीर पहाड़ियों के बीच एक सुरम्य सेटिंग में बॉलीवुड अभिनेत्री संदीपा धर हाल ही में अपने भाई के साथ एक सामान्य भाई-बहन की प्रतिद्वंद्विता में शामिल हुईं। प्रतियोगिता? एक क्लासिक प्लैंक-होल्डिंग शोडाउन जिसने उनके सप्ताहांत को एक यादगार भाई-बहन के तमाशे में बदल दिया। जैसा कि अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया फीड पर पोस्ट किया, भाई-बहन की जोड़ी ने खुद को एक दोस्ताना युद्ध के मैदान में पाया। चुनौती निर्धारित थी, मंच पर कश्मीर की बीहड़ सुंदरता थी, और लक्ष्य सरल थाः सबसे लंबे समय तक तख़्त स्थिति पर कौन रह सकता है? यह सिर्फ एक शारीरिक चुनौती नहीं थी; यह भाई-बहन के बंधनों का एक चंचल झगड़ा था। अंत में, संदीपा ही विजयी रहीं, जिन्होंने अपने भाई से कुछ कीमती सेकंड अधिक समय तक तख्ती पकड़ी रखी। इसके बाद हुए खुशी के जश्न ने न केवल शारीरिक शक्ति की विजय बल्कि पारिवारिक सौहार्द की विजय को भी प्रदर्शित किया।

फिल्म 'कल हो ना हो' के 20 साल पूरे होने पर करण जौहर की इमोशनल पोस्ट

शाहरुख खान, सैफ अली खान और प्रीति जिंटा स्टारर कल हो ना हो को आज 20 साल पूरे हो गए। यह फि ल्म 28 नवंबर, 2003 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने हर किसी के मन पर एक अलग ही जादू कर दिया। हर किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। करण जौहर ने इस फिल्म के अहम पलों को एक वीडियो के तौर पर शेयर किया है और पुरानी यादें ताजा की हैं। वीडियो में अमन माथुर का नैना के लिए प्यार, उनकी दोस्ती, रोहित पटेल और नैना की शादी, परिवारों के बीच का प्यार देखा जा सकता है।

करण लिखते हैं, इस फिल्म का पूरा सफर मेरे लिए काफी इमोशनल था। आज भले ही कई साल बीत गए हैं, लेकिन कल हो ना हो की यादें हर किसी के जेहन में ताजा हैं। बेहतरीन कथानक, दमदार स्टारकास्ट, इस फिल्म में सब कुछ था। न केवल कलाकारों को बल्कि इस फिल्म के लिए कैमरे के पीछे काम करने वाले सभी लोगों को बहुत-बहुत बधाई... करण अंत में लिखते हैं, धन्यवाद निखिल, एक निर्देशक के रूप में यह आपकी पहली फिल्म थी और इसने आपको जीवन भर के लिए पर्याप्त प्यार दिया। इतनी खूबसूरत फिल्म के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद!

सूडोकु नवताल- 6627

★★★✯☆ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6626 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7374

शब्दजाल में 'ना' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

ना	हु	मे	रि	ना	ट	क	ल	च	ट	जी
ज	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
नी	पी	ना	यि	का	ग	बा	द	ह	प	ल
न	ग	ए	ना	मु	म	कि	न	ह	लि	ना
व	र	ना	ग	रि	क	ला	कि	यो	प	मा
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	कू
न	ना	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	ल
क	रि	का	र	य	र	ना	का	म	वि	रे
र	या	बा	बि	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ल	व	ना	का	रा	टि	ल
बां	स	ना	रा	य	ण	ले	स	सु	रा	ल

नामाकूल,नाकारा,नाकाबिल,नाजनीन, नागरिक,नाटक,नामुमकिन,नाकाम, नारायण,नायिका

शब्दजाल - 7373 का हल

गं	ल	जें	द्र	कु	मा	रा	श	न	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
वि	स	रा	म	रा	ज	नी	ति	ल	ख	म
रा	स	स	क्ष	दि	वा	ज	ध	रा	श	दु
ज्य	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	म	झ	रा
पा	ल	ला	र	दि	म	रा	ती	चं	घ	ज
ल	व	रा	ज	तं	त्र	ह	ज	द्र	व	धा
श	एं	वा	ई	द	ब	गी	डू	ए	श	नी
मी	ड	ल	रा	व	ण	र	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	रा	ज	म	ह	ल	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6327

3		4	6			7
	32		32	1	30	3
1		5		3		2
	35		35		32	
7		6		4		
	34	1	34	5	28	4
4	3	2			1	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6326 का हल

3	1	4	6	2	5	7
5	32	7	32	1	30	3
1	6	5	4	3	7	2
2	26	3	37	7	37	6
4	3	2	7	6	1	5
6	34	1	34	5	28	4
7	5	6	3	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

नेशनल लेवल पर फुटबॉल खेलकर गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों की दुर्दशा, आटा-चावल बेचकर कर रहे हैं गुजारा

निचितपुर।
राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने वाले निचितपुर टाउनशिप कालोनी के दो फुटबाल खिलाड़ी शुभम कुमार व अरूण कुमार का हाल बेहाल हैद्य शुभम कुमार निचितपुर टाउनशिप कालोनी में आटा-चावल बेचने को विवश है ।

झारखंड की तरफ से खेलकर जीत चुके हैं गोल्ड

उसने अपने स्वजनों के भरण पोषण के लिए एक छोटा सा दुकान खोला है द्य आर्थिक तंगी के कारण उसका खेल छूट गया है द्य पंचायति युवा क्रीड़ा खेल एसोसिएशन के द्वारा वर्ष 2019 में दिल्ली में हुई पंचायती युवा क्रीड़ा खेल एसोसिएशन कप फ फुटबाल प्रतियोगिता में उसने झारखंड की ओर से खेला था और अपने टीम को जीत दिलाने में सहयोग किया था द्य इसके लिए शुभम को गोल्ड मेडल मिला था।

अब भूख मिटाने के लिए चलाते हैं दुकान

शुभम ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण उसका खेल छूट गया। खेल के लिए सरकारी स्तर से कोई मदद नहीं मिली है द्य अपने व स्वजनों के पेट की भूख मिटाने के लिए एक छोटा सा दुकान खोले हैं द्य दुकान खोलने के लिए अपने पिता से कुछ राशि लिए हैं उसी राशि से दुकान में पूंजी लगाएं हैं।

सड़कों पर मारे-मारे फिर रहे हैं खिलाड़ी

निचितपुर टाउनशिप कालोनी में ही रहने वाले अरूण कुमार भी दिल्ली में 2019 में हुई इसी राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता में खेला और झारखंड की टीम को फाइनल मैच में जीत दिलाने में सहयोग किया।

इस प्रतियोगिता उसे भी गोल्ड मेडल मिला लेकिन यह खिलाड़ी सड़को पर मारे-मारे फिर रहे हैं द्य इनके पिता गोपाल बड़की बौआ मोड़ के पास एक फास्टफूड की दुकान में काम करते हैं।

अरूण भी अपने पिता को काम में सहयोग करने के लिए कभी-कभी दुकान जाते हैं द्य अरूण ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण उसका खेल छूट गया है ।

न्यूज ब्रीफ

गुजरात के लिए शुभमन गिल कर चुके रनों की बौछार, तभी मिली है कप्तानी

नई दिल्ली । रनों की लगातार बौछार करने के कारण ही शुभमन गिल को इतना बढिया मुकाम हासिल हुआ है कि आज वे हार्दिक की जगह पर गुजरात टीम की कप्तानी कर रहे हैं। बता दें कि आईपीएल 2022 विजेता गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2024 सीजन से पहले शुभमन गिल को टीम का कप्तान बनाया है। दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज गिल ने हार्दिक पांड्या की जगह ली है, जिन्हें मुंबई इंडियंस में ट्रेड किया गया है। आईपीएल 2024 में गुजरात की कप्तानी करना सीनियर पुरुष क्रिकेट में कप्तान के रूप में गिल का पहला सीजन होगा। गिल ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा कि मुझे गुजरात टाइटंस की कप्तानी संभालने पर खुशी और गर्व है। टीम ने मुझ पर भरोसा दिखाया जिसके लिए मैं फ्रेंचाइजी को धन्यवाद देता हूं। हमारे पिछले दोनों सीजन शानदार रहे और मैं टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हूं। जीटी के साथ अपने पहले सीजन में गिल ने 16 मैचों में 34 ।50 के औसत और 132.33 के स्ट्राइक-रेट से 483 रन बनाए, जिसमें चार अर्धशतक शामिल थे। बता दें कि गिल आईपीएल 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। गिल ने 17 मैचों में 59 ।33 की औसत और 157 ।80 के स्ट्राइक-रेट से 890 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और चार अर्द्धशतक शामिल थे।

क्रिकेट विश्व कप में मात खाए शाकिब अल हसन अब लड़ेंगे चुनाव

नई दिल्ली । क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान बांग्लादेश के खराब प्रदर्शन के बाद से ही शाकिब अल हसन आलोचकों के निशाने पर आ गए थे। हालांकि शाकिब अल हसन ने अब राजनीति का रुख कर लिया है। बताया जा रहा है कि 36 वर्षीय शाकिब जल्द ही सत्तारूढ़ अवामी लीग के लिए संसदीय चुनाव लड़ेंगे। शाकिब को उनके गृह जिले, मगुरा-1 निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ाया जाएगा। वहां पर मतदान 7 जनवरी, 2024 को होना है। ऐसे में दिसंबर का पूरा महीना शाकिब चुनाव प्रचार में ही गुजारेंगे। बताया जा रहा है कि शाकिब राजनीति में आने वाले पहले बांग्लादेशी क्रिकेटर नहीं हैं। उनके अलावा बीसीबी अध्यक्ष नजमुल हसन, निदेशक शफीउल आलम चौधरी सक्रिय राजनीति में हैं। मशरफे मुर्तजा पिछले चुनाव के दौरान सांसद थे और उन्हें इस साल के चुनाव के लिए भी टिकट मिला है। हालांकि विश्व क्रिकेट में भी ऐसे कई क्रिकेटर है जोकि राजनीति में आए हैं। इनमें ज्यदातर प्लेयर भारत और पाकिस्तान से हैं। शाकिब अल हसन आईसीसी विश्व कप 2023 में उंगली की चोट के कारण वह फिलहाल एक्शन से बाहर हैं। इस बीच, बांग्लादेश की टीम न्यूजीलैंड का दौरा कर रही है।

टीम इंडिया के तेज गेंदाज मुकेश कुमार ने बिहार की लड़की से रचाई शादी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने बिहार की लड़की से शादी रचा ली है। मिली जानकारी के अनुसार गोरखपुर के एक होटल में इस तेज गेंदबाज की शादी हुई। मुकेश ने छपरा के बनियापुर बेरुई गांव की रहनेवाली दिव्या सिंह के साथ सात फेरे लिए। हालांकि गोरखपुर में हुई ये शादी काफी खास थी। मुकेश की शादी में कई सेलेब्स भी शामिल हुए। दिव्या मुकेश कुमार की लाइफ पार्टनर बनीं। गोरखपुर में हुई इस ग्रैंड शादी के बाद अब चार दिसंबर को मुकेश कुमार के गोपालगंज जिला स्थित पैतृक गांव काकड़कुंड में बहूभोज होगा। बता दें कि मुकेश कुमार की शादी में भारतीय टीम के कई क्रिकेटर और सेलिब्रिटी भी शामिल हुए। गोपालगंज से काफी संख्या में लोग क्रिकेटर मुकेश कुमार की शादी में बाराती बनकर गोरखपुर पहुंचे थे। इनमें मुकेश कुमार के कई बचपन के क्रिक्रेटर साथी भी थे। उनकी शादी की कई तस्वीरें भी सामने आ चुकी है। शादी से पहले हुए संगीत के कार्यक्रम में मुकेश कुमार पत्नी दिव्या सिंह के साथ भोजपुरी गीतों पर खूब डांस कर रहे हैं। दिव्या सिंह भी महिलाओं के साथ भोजपुरी की गीतों पर झूम- झूम कर डांस कर रही है। बता दें कि क्रिकेटर मुकेश कुमार इन दिनों टीम इंडिया के लिए गेंदबाजी की कमान संभाल रहे हैं।

यूएस ओपन देखने के लिए एक व्यक्ति को खर्च करने पड़ सकते हैं 1.45 करोड़ रुपए

न्यूर्याक ।
यूएस ओपन ने लंबे समय से सभी प्रकार के टेनिस प्रशंसकों का मनोरंजन किया है। यूनाइटेड स्टेट्स टेनिस एसोसिएशन आर्थर ऐश स्टेडियम के बड़े पैमाने पर नवीनीकरण पर काम कर रहा है जिसमें सुपर लग्जरी सुविधाएं हो सकती है। एसोसिएशन यूएसटीए के मैदान में एक और इमारत जोड़ने पर भी विचार कर रहा है, इसके बाद यूएस ओपन देखने के लिए एक व्यक्ति को करीब 1.45 करोड़ रुपए खर्च करने पड़ सकते हैं। नवीकरण के कुछ विकल्पों में तथाकथित लग्जरी बंकर सुइट्स शामिल हैं जिसमें विशेष लाउंज, स्वादिष्ट खानपान और उच्च-स्तरीय सुविधाएं होंगी। इसतरह के सुइट्स देश भर के अन्य खेल स्थलों पर लोकप्रिय और अविश्वसनीय रूप से लाभदायक बन गए हैं।

यूएसटीए एक गैर-लाभकारी संस्था है और अपना अधिकांश राजस्व संयुक्त राज्य अमेरिका में टेनिस के विकास के लिए समर्पित करती है। इन योजनाओं की जानकारी 10 नवंबर को सामने आई जब यूएसटीए पिछले यूएस ओपन टूर्नामेंट के उच्च-भुगतान वाले प्रतिभागियों और अन्य संभावित ग्राहकों के रूप में लक्षित लगभग 15,000 लोगों के एक समूह को ऑनलाइन सर्वेक्षण वितरित किया। 15 मिनट का सर्वेक्षण खिलाड़ियों से मिलने-जुलने, शीघ्र पहुंचने और वैलेट पार्किंग के बारे में था। उन्हें आर्थर ऐश स्टेडियम के लिए विचार किए जा रहे विभिन्न लग्जरी विकल्पों के बीच चयन करने के लिए भी कहा गया था।

यूएसटीए न्यूयॉर्क शहर से फ्लशिंग मीडोज कोरोना पार्क में भूमि और स्टेडियमों को लीज पर देता है जैसे यांकीज और मेट्स अपने स्टेडियमों के साथ करते हैं। यूएसटीए किसी भी नए निर्माण के लिए भुगतान करेगा। टेनिस सेंटर के मुख्य परिचालन अधिकारी डैनियल जॉसनर ने कहा, ऐश कहीं नहीं जा रही है। यह वास्तव में बस इसके बारे में है कि इसके लिए आगे क्या है। इसका नवीनीकरण कैसे करें हम इसे वर्तमान कैसे बना सकते हैं

सबसे ग्लैमरस प्रमुख खेल की कोर्टसाइड की एक सीट की कीमत 8,000 तक हो सकती है, लेकिन यह टूर्नामेंट हर व्यक्ति की छवि भी रखता है, जिसमें टेनिस जनता भी पहुंच प्राप्त करने में सक्षम है। बिली जीन किंग के लिए 2006 में नेशनल टेनिस सेंटर का नाम बदल दिया गया था, कैलिफोर्निया के सार्वजनिक पार्कों में खेलते हुए बड़े हुए और इस बात पर अड़े हैं कि यूएस ओपन और सामान्य तौर पर टेनिस, सभी पृष्ठभूमि के लोगों के लिए व्यापक रूप से सुलभ होना चाहिए।

यूएसटीए का मिशन संयुक्त राज्य अमेरिका में टेनिस को विकसित करना है और कानून के अनुसार अपने राजस्व, जिसका एक बड़ा हिस्सा यूएस ओपन से आता है, को सभी स्तरों पर अमेरिकी टेनिस में वापस लाना आवश्यक है। टेनिस सेंटर के लीज से शहर को न्यूनतम 400,000 डॉलर और 20 मिलियन डॉलर से अधिक सकल राजस्व का 1 प्रतिशत प्राप्त होता है। सबसे हालिया वर्ष 2021 के डेटा के मुताबिक यूएसटीए शहर को किराए के रूप में 4.17 मिलियन का भुगतान किया। टूर्नामेंट जितना अधिक पैसा कमाता है, शहर उतना ही अधिक कमाता है।

इस साल के यूएस ओपन से कमाई इससे अधिक होने की उम्मीद है। 2023 टूर्नामेंट ने लगभग 960,000 दर्शकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड बनाया जिसमें टूर्नामेंट के मुख्य दौर से पहले सप्ताह में क्वालीफाइंग ड्रा के दौरान मुफ्त में प्रवेश प्राप्त करने वाले 157,000 दर्शक भी शामिल थे।

टूर्नामेंट के अधिकारियों का कहना है कि ऐश पुराना हो गया है और उनका लक्ष्य मैडिसन स्क्वायर गार्डन को नवीनीकृत करना है। गार्डन के बंकर सुइट्स को इसका सबसे विशिष्ट और आश्चर्यजनक अनुभव माना जाता है। संभावित ग्राहकों से संपर्क करने के वर्तमान चरण से लेकर अंततः निर्माण के लिए जमीन तैयार करना बहुत दूर की बात है।

तेंदुलकर की मानें तो विराट कोहली 2027 का भी वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे

नई दिल्ली ।
विराट कोहली के खेल को देखते हुए उन्हें 2027 का वर्ल्ड कप भी खेलना चाहिए। पूर्व भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने कुछ इसी तरह के संकेत दिए हैं। उनका कहना है कि विराट ने वर्ल्ड कप 2023 में कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 3 शतक के दम पर 700 से अधिक रन बनाए और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने। वे वर्ल्ड कप के एक सीजन में 700 या उससे अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। हालांकि वर्ल्ड कप के फाइनल में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया से 6 विकेट से हार मिली। कोहली भले ही 35 साल के हो गए हैं। लेकिन उन्हें 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में खेलना चाहिए। सचिन तेंदुलकर ने कोहली के 50वें शतक के बाद बड़ी बात कही है। जाहिर है कि पूर्व भारतीय कप्तान कोहली वनडे क्रिकेट में 50 शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज हैं। सचिन ने 49 शतक लगाए हैं। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि मैं विराट कोहली को तब से जानता हूं, जब वे टीम इंडिया में नहीं आए थे। मैं बहुत खुश हूं कि विराट कोहली के 50 शतक पूरे हो गए हैं। अभी उनका खेल रूकना नहीं चाहिए। उनमें बहुत क्रिकेट बाकी है। उन्होंने कहा कि विराट कोहली में अभी भी शतक और रनों की भूख है। अभी और भी उनके लिए शतक आने हैं। शतकों का रिकॉर्ड भारत में ही रहा, यह भी मेरे लिए खुशी की बात है। मालूम हो कि विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शतक जड़ चुके हैं। टेस्ट में उन्होंने 29 तो टी20 में एक शतक जड़ा है ।विराट कोहली दुनिया के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक हैं। ऐसे में 2027 का वर्ल्ड कप खेलना उनके लिए मुश्किल नहीं दिखता। वर्ल्ड कप 2023 के बाद कोहली और कप्तान रोहित शर्मा सहित सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम अभी ऑस्ट्रेलिया से टी20 सीरीज खेल रही है। अगले महीने भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका का दौरा करना है।

बीसीसीआई ने राहुल द्रविड़ को फिर से दिया टीम इंडिया के कोच का ऑफर

नई दिल्ली ।
बीसीसीआई ने राहुल द्रविड़ को बतौर कोच फिर से ऑफर दिया है। हालांकि उनका कार्यकल खत्म हो गया है, फिर भी यदि वे इसे स्वीकार करते हैं, तो उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। अगले महीने टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका का दौरा करना है। दौरे पर टीम को 3 टी20, 3 वनडे और 2 टेस्ट खेलने हैं। जून 2024 में टी20 वर्ल्ड कप भी होना है। गौरतलब है कि टीम इंडिया अभी ऑस्ट्रेलिया से 5 मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। सीरीज से सीनियर खिलाड़ियों और कोच राहुल द्रविड़ को ब्रेक दिया गया है। द्रविड़ का कार्यकाल वर्ल्ड कप 2023 के बाद खत्म हो चुका है। वर्ल्ड कप के फाइनल में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। अब खबर आ रही है कि पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ को टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद रवि शास्त्री की जगह टीम इंडिया का नया कोच बनाया गया था। उनके कार्यकाल में टीम ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाई। हालांकि दोनों ही टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया से हार मिली। क्रिकइंफो की खबर के अनुसार, पिछले सप्ताह बीसीसीआई ने राहुल द्रविड़ से बतौर कोच कार्यकाल बढ़ाने को लेकर चर्चा की है। हालांकि अब तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जा रही सीरीज की बात करें, तो कोच की जिम्मेदारी वीवीएस लक्ष्मण को

मिली हुई है। जानकारी के अनुसार बीसीसीआई फिर से राहुल द्रविड़ को कोच बनाने के पक्ष में है। इसका बड़ा कारण पिछले 2 सालों में उन्होंने जो स्ट्रक्चर बनाया, तो जारी रखना है। नए कोच के आने के बाद चीजें बदल सकती हैं। यदि राहुल द्रविड़ प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं, तो उनके दूसरे कार्यकाल में पहला दौरा साउथ अफ्रीका का होगा। 10 दिसंबर से टीम को टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद 3 वनडे होने हैं। इसके बाद सेंचुरियन में 26 दिसंबर से और केपटाउन 3 जनवरी से टेस्ट होने हैं। इसके बाद घर में टीम को इंग्लैंड से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेलनी है।

अररिया के आदर्श बने बिहार क्रिकेट अंडर 16 स्टेट टीम के कप्तान, उपलब्धि जानकार रह जाएंगे हैरान

अररिया।
पुरानी कहावत है पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोंगे होगे खराब। परंतु आदर्श सिन्हा ने खेलकूद के साथ साथ पढ़ाई लिखाई का साम्य बनाकर इस कहावत नकार दिया है। पढ़ाई लिखाई में अव्वल रहते हुए आदर्श ने क्रिकेट के खेल में भी ऊंचाई हासिल की है। आदर्श को बिहार क्रिकेट संघ ने अंडर 16 स्टेट टीम का कप्तान बनाया गया है। आदर्श के नेतृत्व में राज्य की टीम पटना से पुणे के लिए रवाना हुई।

मिल चुका है स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड

अररिया शहर के वार्ड नंबर 14 आश्रम रोड निवासी आदर्श सिन्हा ने नर्सरी से कक्षा आठवीं तक अररिया पब्लिक में पढ़ाई की। विद्यालय के रेक्टर डॉ बीएन झा कहते है कि उसे बहुत मेधावी विद्यार्थी के रूप में गिना जाता था। स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड भी मिला था।

उनके कप्तान बनाए जाने पर खेलप्रेमियों में हर्ष का माहौल है। अररिया पब्लिक स्कूल में शिक्षिका आदर्श की मां पल्लवी सिन्हा ने बताया कि क्रिकेट के प्रति बेटे भी चाहत को देखते हुए उन्होंने अपने निजी सुखों को अनदेखा किया। जितना संभव हो सका उसकी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग करती रही।

2022 में भी बने थे कप्तान

आज इसका सुखद परिणाम प्राप्त हुआ है। आदर्श के दादा गोपेश सिन्हा का क्रिकेट से काफी लगाव रहा है। वे अपने पोते को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाना चाहते हैं। सिन्हा अररिया क्रिकेट एकेडमी के प्रशिक्षक सह निदेशक हैं। बच्चों को क्रिकेट का प्रशिक्षण देते है। मालूम हो कि वर्ष 2022 में आदर्श का चयन विजय मर्चेंट ट्राफी के लिए हुआ था। तब

आदर्श ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया था। इसी आधार पर इनको वर्ष 2023 में टीम का कप्तान चुना गया।

आदर्श की कामयाबी पर बिहार क्रिकेट संघ के जिला संघों के प्रतिनिधि ओमप्रकाश जायसवाल ने बताया कि अंडर 16 में पहली बार अररिया के खिलाड़ी को कप्तान बनाया गया है। यह जिले के लिए गर्व की बात है। इस समय आदर्श नवीं कक्षा का छात्र है।

बॉक्स के अंदर फाउल पर मिलने वाली थी पेनल्टी

रोनाल्डो ने रेफरी से कहकर बदलवाया फैसला, फैंस का दिल जीता

तेहरान ।
दुनिया के सबसे बेहतरीन फुटबॉलरों में से एक पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मैदान पर अपनी एक हरकत से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। एशियाई चैम्पियंस लीग में पर्सेपोलिस के खिलाफ अपनी टीम अल नस्त्र के मुकाबले के दौरान रोनाल्डो ने रेफरी को पेनल्टी का फैसला पलटने के लिए कहा। यह देखकर फैंस हैरान रह गए। रोनाल्डो को अक्सर देखा गया है कि वह पेनल्टी लेने का कोई मौका नहीं छोड़ते, लेकिन इस मैच में उन्होंने पेनल्टी लेने से मना कर दिया। फैंस इसकी जमकर तारीफ कर रहे हैं और कह रहे हैं कि रोनाल्डो ने दिल जीत लिया।

दरअसल, अल नस्त्र के काउंटर अटैक के दौरान पर्सेपोलिस के बॉक्स के अंदर उसके एक खिलाड़ी का पैर डिफेंस करने के दौरान रोनाल्डो से लग गया और वह गिर गए। इसके बाद रेफरी ने अल नस्त्र क्लब को पेनल्टी दी। हालांकि, रोनाल्डो तुरंत रेफरी के पास गए और उन्हें अपना फैसला पलटने के लिए कहा। अल नस्त्र ने के बाकी खिलाड़ियों ने भी फिर पेनल्टी लेने का दावा नहीं किया।

पुर्तगाल फॉरवर्ड ने रेफरी के सामने स्वीकार किया कि यह फाउल नहीं था। रेफरी ने वीडियो असिस्टेंट रेफरी से सलाह लेने के बाद पेनल्टी रद्द करने का फैसला किया। इससे पहले अल नस्त्र को 17वें मिनट में ही झटका लगा था जब टीम के एक खिलाड़ी अली लजामी को रेफरी ने रेड कार्ड दिखाया था। इससे टीम 10 खिलाड़ियों से ही खेली। हालांकि, दोनों टीमों की ओर से कोई गोल नहीं हो सका। अल नस्त्र के कप्तान 38 साल के रोनाल्डो को दूसरे हाफ की शुरुआत में गर्दन पर चोट लगी थी। इसके बाद 77वें मिनट में ज्यादा परेशानी होने पर उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया।

ईरानी क्लब (पर्सेपोलिस) के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ के बावजूद रोनाल्डो के अल नस्त्र ने एशियाई चैम्पियंस लीग के नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली है। अल नस्त्र का सामना शुक्रवार को सऊदी प्रो लीग में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी अल हिलाल से होगा। रियाद में होने वाले इस मुकाबले से पहले ग्रुप ई के सभी चार मैच जीतने वाली अल नस्त्र की टीम को अंतिम 16 में जगह बनाने के लिए अल अव्वल पार्क में केवल एक अंक की जरूरत थी। अंत में हुआ भी ऐसा ही। एक अंक लेकर अल नस्त्र की टीम प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है।

पंजाब ने जीता राष्ट्रीय हॉकी खिताब, हरियाणा को शूटआउट में हराया; तमिलनाडु को मिला कांस्य पदक

नई दिल्ली । पंजाब ने कड़े मुकाबले में पंजाब को पेनाल्टी शूटआउट में 9-8 से हराकर सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। वहीं, तमिलनाडु ने तीसरे स्थान के मैच में कर्नाटक को पेनाल्टी शूटआउट में 5-3 हरा दिया। उसे कांस्य पदक मिला। पंजाब और हरियाणा के मैच में निर्धारित समय तक दोनों टीमें 2-2 से बराबरी पर थीं। शूटआउट में भी मुकाबला बराबरी पर रहा। फिर सडन डेथ में फैसला हुआ और पंजाब ने टूर्नामेंट को जीत लिया। पंजाब ने 13वें मिनट में हरजीत की मदद से मैच का पहला गोल किया। हरियाणा के संजय ने 25वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। पंजाब के कप्तान हरमनप्रीत ने 42वें मिनट में स्कोर 2-1 किया लेकिन हरियाणा के रजंत ने 50वें मिनट में स्कोर 2-2 कर दिया। शूटआउट में संजय, दीपक और अभिषेक ने हरियाणा जबकि हरमनप्रीत, सिमरनजीत और सुखजीत ने पंजाब के लिए तीन गोल किए। उसके बाद सडन डेथ हुआ जिसमें सातवें पेनाल्टी शूटआउट में सिमरनजीत ने पंजाब को जीत दिला दी।

जानकारी

नियमित रूप से डांस करने से होंगे लाभ

स्वस्थ रहने के बहुत सारे तरीके हैं। स्वस्थ खान-पान, व्यायाम, योग... लेकिन एक तरीका ऐसा भी है जिसके लिए आपको खुद से जबरदस्ती नहीं करनी पड़ती। अगर आप डांस के शौकीन है, तो आपको ये मालूम होना जरूरी है कि अपने डांस के शौक को पूरा करने के साथ-साथ आप अपनी सेहत को भी बहुत तरीके से फायदा पहुंचा रहे होते हैं। आइये जानते हैं ऐसे ही कुछ फायदों के बारे में जो आपको डांस करने से प्राप्त होते हैं।

याद्दाश्त बढ़ती है

डांस आपकी याद्दाश्त बढ़ा सकता है। इसकी वजह से बूढ़ा होने पर आपके अंदर डिमेंटिया (मनोभ्रंश, पागलपन) होने की संभावना भी काफी कम हो जाती है। विज्ञान बताता है कि ऐरोबिक एक्सरसाइज दिमाग के उस हिस्से को नुकसान से बचाती है, जो याद्दाश्त को नियंत्रित करता है।

शरीर में लचीलापन बढ़ता है

डांस शरीर में लचीलापन लाता है। शरीर में लचीलापन होने की वजह से जॉइंट पेन में काफी आराम मिलता है। साथ ही, पोस्ट-एक्सरसाइज सोरनेस भी कम होती है।

तनाव में कमी

अगर आपको तनाव महसूस हो रहा है, तो हो सकता है आपको महसूस हो कि काश आपके पास एक पार्टनर होता, आप म्यूजिक ऑन करते और डांस करके रिलैक्स महसूस कर पाते।

अपने दिल की मदद करें

जिन लोगों को हृदय तथा रक्तवाहिकाओं संबंधी बीमारियां होती हैं, उनके लिए डांस एक बहुत अच्छी गतिविधि होती है। जिन लोगों को दिल का दौरा पड़ चुका हो उनके द्वारा डांस की गतिविधि को अपनाने से उनका हृदय स्वास्थ्य बढ़ा और श्वसन प्रक्रिया सुधरी।

वजन कम

डांस करने से ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है तथा बॉडी भी टोन हो जाती है। वजन कम करने के लिए फ्रीस्टाइल डांस सबसे अच्छा विकल्प है। इस डांस से ना केवल मोटापा घटता है बल्कि शरीर का लचीलापन भी बढ़ता है। इसको करने के लिये फास्ट म्यूजिक की जरूरत होती है, जो नॉन स्टॉप बजता रहे।

पॉस्चर सुधारता है

अगर आपके पॉस्चर में कोई दिक्कत है, जो आपके स्वास्थ्य की दिक्कत बनकर सामने आ रही है तो ऐसा करें कि डांस करना शुरू कर दें। ऐसा देखा गया है कि नियमित रूप से डांस करने से पॉस्चर में सुधार आता है। इससे आपका आपके शरीर पर नियंत्रण बढ़ जाता है।

ऊर्जा बढ़ाता है

रिसर्च के अनुसार साप्ताहित डांस प्रोग्राम शारीरिक परफॉर्मेंस बढ़ाता है। इससे शरीर का ऊर्जा का स्तर काफी बढ़ जाता है। साथ ही, डांस करने वाले लोगों में स्टैमिना भी उनकी तुलना में अधिक होता है जो डांस नहीं करते।

आंखों में काजल लगाने का ये है सही तरीका!

अगर हम बचपन की बात करें तो हमारी मां स्कूल जाते समय हमारी आंखों में काजल लगाती थी, जिससे हमारी आंखें बड़ी और सुंदर दिखती थी। आज के समय में काजल लगाना फैशन हो गया है। बिना काजल के लड़कियों का मेकअप अधूरा लगता है। आजकल मार्केट में कई तरह के काजल आसानी से मिल जाते है। लड़कियां इन काजल तो यूज करती है लेकिन कई बार इन्हें लगाते ही हमारी आंख में काजल पूरी तरह फैल जाता है, जिससे हमारा चेहरा खराब हो जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है तो इन उपायों को अपनाकर इस परेशानी से छुटकारा पा सकती है।

1. काजल लगाने से पहले अपनी आंखों के नीचे थोड़ा सा बेबी पाऊडर लगा लें, इससे काजल नहीं फैलेगा।
2. आप चाहे तो वॉटर प्रूफ काजल का यूज कर सकते है। यह काजल लंबे समय तक आंखों में टिका रहता है।
3. आईलाइनर को आंखों में लगाने के बाद काजल लगाए, इससे काजल नहीं फैलेगा।
4. टोनर से आंखों के नीचे अच्छी तरह साफ करें, जिससे कि वहां मौजूद ऑयल खत्म हो जाएं।

बच्चों का मोटापा कम करने के घरेलू उपाय

पहले समय में बच्चे खेलों में इतना व्यस्त रहते थे कि घर आने का नाम तक नहीं लेते थे लेकिन बदलते लाइफस्टाइल में स्तिथि ऐसी हो गई है कि पेरेंट्स बच्चों को घर से बाहर खेलने के लिए भेजते रहते है लेकिन बच्चे सारा दिन कंप्यूटर या फिर टी.वी देखने में बिजी रहते है। यहीं वजह बच्चों के मोटापे का कारण बन रही है। मोटापे की वजह से बच्चे ज्यादातर बीमार रहते है। बच्चों का मोटापा मां-बाप के लिए चिंता का विषय बन रह गया है। ऐसे में पेरेंट्स सोचते है कि ऐसा क्या किया जाएं, जिससे बच्चे को मोटापे की चपेट में आने बचाया जा सकें । अगर आप भी अपने बच्चे को मोटापे से दूर रखना चाहते है तो उसे एक्सरसाइज और अच्छे खान-पान की आदतें सिखाएं। जानते है कैसे।

1. आउटडोर गेम

बच्चों के घर पर बैठाने के बजाएं उन्हें आउटडोर गैम्स खेलने के लिए प्रेरित करें। इससे शरीर की गतिविधियां बढ़ेगी। तन और मन दोनों स्वस्थ रहेंगे और शरीर के अतिरिक्त कैलोरी कम होगी।

2. टीवी के साथ स्नेक्स न खाने दें

आमतौर पर देखा जाता है कि बच्चे टीवी देखने के साथ-साथ स्नेक्स का सेवन भी करते रहते है, जो उनके मोटापा को बढ़ावा देता है। इसके अलावा बच्चे को कम से कम 1 घंटा घर से बाहर खेलने-कूदने की आदत डालें।

3. व्यायाम के फायदे बताएं

बच्चों के व्यायाम के प्रति जागरूक करें, ताकि व्यायाम करके वह अपनी सेहत को बेहतर रख सकें। सुबह खुद भी सैर करें और बच्चों को अपने इस काम में शामिल करें क्योंकि जैसा आप बच्चों के सिखाएंगा वह वैसा ही करेंगे।

4. जंकफूड से दूर रखें

माना की बच्चों को जंकफूड या फास्टफूड खाना पसंद है लेकिन इसका मतलब यह नहीं वह पौष्टिक खाना न खाएं। बच्चों के हरी सब्जियां, फल, अनाज आदि का सेवन करने को कहें। उन्हें कोल्ड ड्रिंक के बजाएं फलों का जूस पिलाएं।

5. हैल्दी स्नेक्स

स्नेक्स में बच्चों के कुछ हैल्दी खाने को दें जैसे ब्राउन ब्रेड सैंडविच, लो फैट चीज, वेज रोल, स्प्राउट्स, फ्रूट सलाद आदि। इसके अलावा आप उन्हें फ्रूट स्मूदी भी दें सकते है। इसके अलावा सेब, केला, चीकू और स्ट्रॉबेरी जैसे फल खाने को दें और शहद का सेवन करवाएं।

टिप्स

इन तरीकों से रखेंगे फूड्स तो लंबे समय तक रहेंगे फ्रेश

हर कोई अपने परिवार को फ्रेश खाना खिलाना पसंद करता है लेकिन इसके लिए रोज-रोज स्टोर से ताजा चीजें लाना भी मुमकिन नहीं। यही कारण है कि हम लोग अपने घर भी चीजों के लंबे समय तक फ्रेश रखने के तरीके ढूंढते रहते है। हम आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लेकर आए है, जिससे आपके फूड्स लंबे समय तक फ्रेश बने रहेंगे।

अंडे

अंडों को ज्यादा दिनों तक फ्रेश रखना चाहते है तो उनके बीच का पीला भाग यानि की उसका योक आइस ट्रे में डालकर फ्रिज में रख दें। जब भी अंडे की जरूर पड़े तो आइस क्यूब को निकाल लें। ध्यान रखें कि योक को आइस ट्रे में डालकर नमक या चीनी जरूर डालें। इससे उनकी बनावट बनी रहेंगी।

सॉस

बचे हुए सॉस को अगर खराब होने से बचाना चाहते है तो उसे फ्रीजर बैग में डालकर पैक कर दें। फिर जब भी जरूर पड़े उस बैग को खोलकर इस्तेमाल कर लें।

लेट्यूस पत्ते

लेट्यूस के पत्तों के फ्रेश रखने के लिए उन्हें कागज के रेपर में लपेट कर रख दें। इससे वह पूरे 1 हफ्ते तक तरोताजा और कुरकुरे रहेंगे। कागज के रेपर में अधिक नमी होती है, जो पत्तों के सूखने नहीं देता ।

गाजर

बागवानी एक्सपर्ट गाजर को रेत में स्टोर करके रखने की सलाह देते है। रेत में पानी के वाष्पीकरण कम होते है, जो गाजर की सुंगध को कम कर देते है। इसलिए अगर आप गाजर को ताजा रखना चाहते है तो उन्हें रेत के डिब्बे में स्टोर करके रखें।

सेब

सेब को आप फ्रिज में कई महीनों तक फ्रेश रख सकते है। सेब को फ्रेज में स्टोर करते समय ध्यान रखें कि एक सेब दूसरे के साथ स्पर्श न हो सकें। उन्हें अखबार आदि में रेप करके रखें।

अजंता-एलोरा की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर के समीप स्थित? हैं। ये गुफाएँ बड़ी-बड़ी चट्टानों को काटकर बनाई गई हैं। 29 गुफाएँ अजंता में तथा 34 गुफाएँ एलोरा में हैं। अब इन गुफाओं को वर्ल्ड हेरिटेज के रूप में संरक्षित किया जा रहा है ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी भी भारतीय कला की इस उत्कृष्ट मिसाल को देख सके। हरीतिमा की चादर ओढ़ी यहाँ की चट्टानें अपने भीतर छुपे हुए इतिहास के इस धरोहर की गौरवगाथा बयाँ कर रही हैं। विशालकाय चट्टानें, हरियाली, सुंदर मूर्तियाँ और इस पर यहाँ बहने वाली वाघोरा नदी जैसे यहाँ की खूबसूरती को परिपूर्णता प्रदान करती है।

अजंता की गुफाएँ

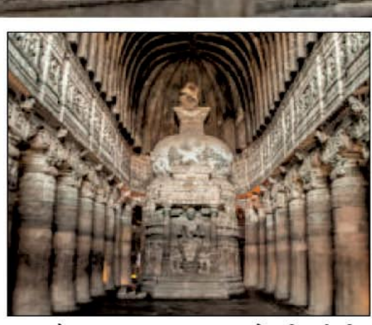

औरंगाबाद से 101 किमी दूर उत्तर में अजंता की गुफाएँ स्थित हैं। सह्याद्रि की पहाड़ियों पर स्थित इन 30 गुफाओं में लगभग 5 प्रार्थना भवन और 25 बौद्ध मठ हैं। इन गुफाओं की खोज आर्मी ऑफिसर जॉन स्मिथ व उनके दल द्वारा सन् 1819 में की गई थी। वे यहाँ शिकार करने आए थे तभी उन्हें कतारबद्ध 29 गुफाओं की एक श्रृंखला नजर आई और इस तरह ये गुफाएँ प्रसिद्ध हो गई। अत्यन्त ही प्राचीन व ऐतिहासिक महत्व रखने वाली ये गुफाएँ घोड़े की नाल के आकार में निर्मित है। इनमें 200 ईसा पूर्व से 650 ईसा पश्चात तक के बौद्ध धर्म का चित्रण किया गया है। अजंता की गुफाओं में दीवारों पर खूबसूरत अप्सराओं व राजकुमारियों के विभिन्न मुद्राओं वाले सुंदर चित्र भी उकेरे गए है, जो यहाँ की उत्कृष्ट चित्रकारी व मूर्तिकला के बेहद ही सुंदर नमूने है। इन गुफाओ को दो भागों में बाँटा जा सकता है। एक भाग में बौद्ध धर्म के हीनयान और दूसरे भाग में महायान संप्रदाय की झलक देखने को मिलती है। हीनयान वाले भाग में 2 चैत्य हॉल और 4 विहार है तथा महायान वाले भाग में 3 चैत्य हॉल और 11 विहार है। ये 19वीं शताब्दी की गुफाएँ है, जिसमें बौद्ध भिक्षुओं की मूर्तियाँ व चित्र है। ये मूर्तियाँ अपने आप में सुंदरता का प्रतिक मानी सकती है।

एलोरा की गुफाएँ

औरंगाबाद से 30 किमी दूर एलोरा की गुफाएँ हैं। एलोरा की गुफाओं में 34 गुफाएँ शामिल हैं। ये गुफाएँ बेसाल्टिक की पहाड़ी के किनारे-किनारे बनी हुई हैं। इन गुफाओं में हिंदू, जैन और बौद्ध तीन धर्मों के प्रति दर्शाई आस्था का त्रिवेणी संगम का प्रभाव देखने को मिलता है। ये गुफाएँ 350 से 700 ईसा पश्चात के दौरान अस्तित्व में आई। दक्षिण की ओर 12 गुफाएँ बौद्ध धर्म, मध्य की 17 गुफाएँ हिंदू धर्म और उत्तर की 5 गुफाएँ जैन धर्म पर आधारित हैं। बौद्ध धर्म पर आधारित गुफाओं की मूर्तियों में बुद्ध की जीवनशैली की स्पष्ट झलक देखने को मिलती है। विश्वप्रसिद्ध अंजता-एलोरा की गुफाएँ हमेशा से ही पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही हैं। इन गुफाओं को हम आज भी शांति और एकता की का प्रतिक मान सकते है यहाँ की चित्रकला बस देखते ही बनती है कलाप्रेमी यहाँ आकर यहाँ की चित्रकला में खो जाते है यहाँ की गुफाएँ धार्मिक सद्भाव की अनूठी मिसाल है।

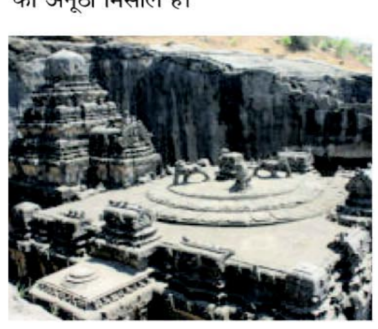

रेसिपी

साबूदाना बिरयानी

सामग्री

ऑयल- 1 टीस्पून, साबुदाना- 1 कप, गाजर- 1, आलू- 2 (उबले हुए), मूंगफली के दानें- 2 टेबलस्पून, ड्राई रूट्स- 2 टीस्पून, हरी मिर्च- (1 बारिक कटी हुए), हरा धनिया- 1 टीस्पून, अमचूर- 1/3 टीस्पून, सेंधा नमक- 1/3 टीस्पून, काली मिर्च- थोड़ी सी।

विधि

सबसे पहले तो अक घंटा पहले ही साबूदाने को पानी में भिगो दें। एक घंटे बाद इसे छान कर इस साइड रख दें। अब एक पैन में तैल गर्म करके मूंगफली के दाने और ड्राई फ्रूट्स को डाल कर भून लें। इसके भूनने के बाद इसे एक बाउल में निकाल लें। अब इसी पैन में तेल गर्म करके हरी मिर्च और गाजर डाल कर 5 मिनट तक धीनी आंच पर पका लें। इसके बाद इसमें साबूदाना, आलू, सेंधा नमक, अमचूर पाउडर, काली मिर्च, भूनी हुई मूंगफली और ड्राई फ्रू ट्स डाल कर 5 मिनट तक पकाएं। आपकी साबूदाना बिरयानी बन कर तैयार है। अब आप इसे धनिया से गार्निश करके दही के साथ सर्व कर कर सकते है।

गठिया बास्केट चाट

सामग्री

बेसन-200 ग्राम, नमक -1 चम्मच, लाल मिर्च - 1 चम्मच, तेल -50 मिलीलीटर, पानी -100 मिलीलीटर प्याज -30 ग्राम, टमाटर -40 ग्राम, खीरा -35 ग्राम धनिया - 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ , चिली सॉस - 1 बड़ा चमचा, केचअप-2 चम्मच, कद्दूकस पनीर - गार्निशिंग के लिए, धनिया - गार्निशिंग के लिए

विधि

एक बाउल में 200 ग्राम ग्राम बेसन, 1 चम्मच नमक, 1 चम्मच लाल मिर्च, 50 मिलीलीटर तेल, 100 मिलीलीटर पानी डालकर नर्म आटे की तरह गूंध लें। एक सेव मेकर लें और इसमें थोड़ा सा तेल लगाएं। फिर आटे का एक छोटा सा हिस्सा लेकर इसमें रखें अब सेव बनाने के लिए सेव मेकर को धीरे-धीरे दबाएं। ताकि सेव अच्छे से बन सकें। इन सेव को बॉस्केट का आकार देने के लिए एक छन्नी में रखें। फिर एक कढ़ाई में पर्याप्त तेल गर्म करें और सेव को छन्नी सहित सुनहरा भूरा होने तक फ्राई करें। परफेक्ट शेप के लिए आप फ्राई करते समय दूसरी छन्नी लेकर ऊपर से दबा सकते हैं। इसके बाद इसे एक पेपर पर निकालें और ठंडा होने के लिए रख दें। एक बाउल में 30 ग्राम प्याज, 40 ग्राम टमाटर, 35 ग्राम खीरा, 1 चम्मच कटा हुआ धनिया, 1 चम्मच चिली सॉस, 2 चम्मच केचअप डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। अब इस मिश्रण को बॉस्केट में डालें और कद्दूकस पनीर और धनिया के साथ इसकी गार्निशिंग करें। आपकी गठिया बास्केट चाट तैयार है। सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)